आम आदमी का अपना दैनिक अखबार

तरुण छत्तीसगढ़

E-mail:
tarunpressraipur@gmail.com
tarun_press@yahoo.co.in

Web:
www.tarunchhattisgarh.in
facebook.TarunChhattisgarh
phone: 0771-2543112

■ रायपुर,सोमवार 13 अक्टूबर 2025 ■ कार्तिक कृष्ण पक्ष-7 ■ वर्ष -41 ■ अंक-196 ■ पृष्ठ 8 ■ डाक संस्करण 14 अक्टूबर 2025 ■ मूल्य-2.00 रुपये

संक्षेप

कोल्ड्रिफ सिरप कांड मामले में ईडी की बड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली ,13 अक्टूबर । कोल्ड्रिफ कफ सिरप मामले में प्रवर्तन निदेशालय (श्वष्ठ) ने सोमवार को बड़ी कार्रवाई की है। तमिलनाडु की दवा कंपनी श्रीसन फार्मा से जुड़े कई ठिकानों पर छापेमारी की गई है। बता दें कि मध्य प्रदेश में इस जहरीले सिरप के सेवन से अब तक 20 से अधिक बच्चों की मौत हो चुकी है। ईडी ने यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम (क्करूरुर) के तहत की है। जांच एजेंसी ने चेन्नई स्थित श्रीसन फार्मा के 7 ठिकानों पर छापेमारी की है। खास बात यह है कि इन ठिकानों में तमिलनाडु ड्रग कंट्रोल ऑफिस के वरिष्ठ अधिकारियों के आवास और दफ्तर भी शामिल हैं। वहीं कुछ दिन पहले श्रीसन फार्मा के मालिक जी. रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया था। उनसे सिरप के उत्पादन, गुणवत्ता जांच और वितरण से जुड़ी अनियमितताओं को लेकर पूछताछ की जा रही है। गौरतलब है कि पिछले हफ्ते मध्य प्रदेश के कई जिलों में कोल्ड्रिफ कफ सिरप पीने से बच्चों की हालत बिगडऩे लगी थी। सरकारी जांच में सामने आया कि सिरप में जहरीले रसायनों की मात्रा अधिक थी, जिसके बाद राज्य सरकार ने इसकी बिक्री और वितरण पर प्रतिबंध लगा दिया था। फिलहाल ईडी की छापेमारी और पूछताछ जारी है। एजेंसी यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जहरीले सिरप के निर्माण में इस्तेमाल किए गए केमिकल की सप्लाई किन चैनलों के ज़रिए की गई थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा हाईकोर्ट का फैसला, सीबीआई जांच के दिए आदेश

चेन्नई ,13 अक्टूबर । तमिलनाडु के करूर में तमिल अभिनेता और राजनेता विजय की राजनीतिक रैली के दौरान मची भगदड़ में 41 लोगों की मौत के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक बड़ा फैसला सुनाया है। शीर्ष अदालत ने मामले की गंभीरता को देखते हुए इसकी जांच केंद्रीय जांच ब्यूरो (ष्टक्चढ्ढ) को सौंप दी है। कोर्ट ने इस मामले में 10 अक्टूबर को ही अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

जस्टिस जे.के. माहेश्वरी और जस्टिस एन.वी. अंजारिया की पीठ ने सीबीआई जांच की निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश अजय रस्तोगी की अध्यक्षता में एक निगरानी समिति का भी गठन किया है। यह समिति पूरी जांच प्रक्रिया पर अपनी नजर रखेगी। यह मामला तब सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जब मद्रास हाईकोर्ट ने इस घटना की सीबीआई जांच की मांग को खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ बीजेपी नेता उमा आनंदन ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में उन्होंने राज्य पुलिस की जांच पर अविश्वास जताते हुए एक स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराने की मांग की थी। आपको बता दें कि यह दुखद घटना 27 सितंबर को तमिलनाडु के करूर में हुई थी,

सार बातें नशाखोरी के खिलाफ चलाएं मुहिम- सीएम साय ने नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के व्यापार पर कड़ी कार्रवाई के दिए निर्देश

कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस : नशे से अपराधों को मिलता है बढ़ावा

रायपुर,13 अक्टूबर ■ तरुण छत्तीसगढ़

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस में नशीली दवाओं और मादक पदार्थों के काले कारोबार पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं. उन्होंने कहा कि नशे के कारण अन्य अपराधों को बढ़ावा मिलता है. इसके लिए अभियान चलाकर कार्रवाई करें. साथ ही अंतरराज्यीय सीमावर्ती क्षेत्रों में निगरानी बढ़ाने, समय सीमा में PIT NDPS Act के मामलों में कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं. वहीं नशाखोरी के खिलाफ व्यापक मुहिम चलाकर युवाओं को जागरूक करने के निर्देश दिए हैं.बता दें कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की अध्यक्षता में सोमवार को कलेक्टर-एसपी की बैठक जारी है. आज बैठक का दूसरा दिन है. बैठक में प्रदेश की कानून व्यवस्था की समीक्षा की जा रही है. नवीन आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन को लेकर चर्चा जारी है. वहीं जिलों के परफॉर्मेंस पर भी व्यापक समीक्षा हो रही है.कलेक्टर-एसपी की बैठक में मुख्यमंत्री साय ने कहा कि महिला और बालिका से जुड़े आपराधिक मामलों में संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई हो. साथ ही इन अपराधों से जुड़े मामलों में निर्धारित समयावधि में प्रस्तुत चालान हो. बैठक में साइबर क्राइम और इससे जुड़े आपराधिक गतिविधियों की गहन समीक्षा की जा रही है. मुख्यमंत्री साय ने कहा कि साइबर अपराध के रोज तरीके बदलते है, इसलिए लोगों को जानकारी दी जाए. अंतर्विभागीय समन्वय के साथ लगातार साइबर जागरूकता अभियान चलाने के लिए विशेष पहल हो. साथ ही उन्होंने कहा कि साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर का व्यापक रूप से प्रचार-प्रसार होना चाहिए. वहीं सीएम ने बताया कि रेंज लेवल में वर्तमान में 5 साइबर थाने संचालित हो रहे हैं, शीघ्र ही 9 थानों का संचालन होगा. इस बैठक में गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्य सचिव विकास शील, अपर मुख्य सचिव मनोज कुमार पिंगुआ, मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध सिंह, सहित रेंज आईजी, कलेक्टर, एसपी सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित है.

मुख्यधारा में लौटने के बाद जंगलों की खाक छानने वाले हाथों में सजी मेहंदी

पखांजुर,13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के बस्तर अंचल से एक ऐसी खबर आई है जो उम्मीद, बदलाव और नई शुरुआत की मिसाल पेश करती है. कभी जंगलों में बंदूक थामे घूमने वाले नक्सली अब समाज की मुख्यधारा में लौट आए हैं, और अब उन्हीं हाथों में मेहंदी और रिश्तों की डोर सजी है. कांकेर जिले का पखांजुर थाना परिसर रविवार को एक अनोखे और प्रेरणादायक विवाह का साक्षी बना. यहां आत्मसमर्पित नक्सली सागर हिरदो और सचिला मांडवी ने एक-दूसरे का हाथ थामकर नई जिंदगी की शुरुआत की. फूलों से सजे मंडप में मंत्रोच्चार के बीच दोनों ने सात फेरे लिए और जीवनभर साथ निभाने का वादा किया. थाना परिसर में हुआ यह विवाह किसी फिल्मी दृश्य से कम नहीं था. जहां कभी बंदूक और हिंसा का साया था, वहां अब प्रेम, शांति और विश्वास का संदेश गूंज रहा था. पुलिस अधिकारी, ग्रामीण और समाज के लोग इस नए जीवन की शुरुआत के गवाह बने.जानकारी के अनुसार, सागर हिरदो वर्ष 2014 में नक्सल संगठन से जुड़ा था और दिसंबर 2024 में पखांजुर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण किया. वहीं, सचिला मांडवी ने वर्ष 2020 में नक्सल संगठन का दामन छोड़ा और उसी वर्ष पुलिस के समक्ष सरेंडर किया. आत्मसमर्पण के बाद दोनों पुनर्वास योजना के तहत समाज की मुख्यधारा में शामिल हुए. इसी दौरान दोनों की पहचान हुई और यह रिश्ता विवाह के रूप में परिणित हुआ. इस सकारात्मक पहल में पखांजुर थाना प्रभारी लक्ष्मण केवट और गोण्डाहुर थाना प्रभारी रामचंद्र साहू की अहम भूमिका रही, जिन्होंने समाज में लौटे इन युवाओं को नई शुरुआत के लिए प्रेरित किया.कभी जिन हाथों में बंदूक थी, अब उनमें मेहंदी सजी है. जंगलों की राह छोड़ अब ये जोड़ा समाज की नई राह पर बढ़ चला है.

एरिया डोमिनेशन के दौरान नक्सलियों के लगाए आईईडी में हुआ विस्फोट, जवान घायल

बीजापुर। नक्सल प्रभावित जिले बीजापुर में सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच चल रहे संघर्ष के बीच सोमवार को एक बार फिर नक्सलियों की कायराना हरकत सामने आई है। भोपालपट्टनम थाना क्षेत्र के अंतर्गत एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की टीम एरिया डोमिनेशन पर निकली थी। इसी दौरान नक्सलियों द्वारा लगाए गए प्रेशर आईईडी में जबरदस्त विस्फोट हो गया, जिसकी चपेट में आने से एक एसटीएफ जवान घायल हो गया।सूत्रों के अनुसार, घायल जवान को तत्काल मौके से निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए नजदीकी कैंप लाया गया, जहाँ प्रारंभिक इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार हेतु चॉपर के माध्यम से रायपुर के हायर सेंटर भेजा गया।अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रविन्द्र मीना ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि घायल जवान की स्थिति अब सामान्य है और वह खतरे से बाहर है। घटना के बाद क्षेत्र में सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां आसपास के इलाकों में नक्सलियों की गतिविधियों का पता लगाने में जुटी हुई हैं।

आईपीएस पूरन कुमार के परिजनों से मिले दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़ ,13 अक्टूबर । हरियाणा के सीनियर आईपीएस वाई. पूरन कुमार सुसाइड केस को लेकर सियासी हलचल तेज होती जा रही है। एक-एक कर सभी राजनीतिक दलों के नेता आईपीएस वाई. पूरन कुमार के परिजनों से मिलने चंडीगढ़ पहुंच रहे हैं और मामले में तत्काल कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। इस क्रम में कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा भी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के घर पहुंचे। उन्होंने कहा कि यह घटना दुखदाई है। देश में डरावना माहौल बना हुआ है।

मेरी तो कमाई ही खत्म हो गई, मुझे पैसा चाहिए..

नई दिल्ली,13 अक्टूबर। केंद्रीय मंत्री और केरल के त्रिशूर से सांसद सुरेश गोपी ने अपने पद से इस्तीफा देने की पेशकश करके सभी को चौंका दिया था। उन्होंने अपने इस फैसले के पीछे की वजह भी बताई है। गोपी ने कहा, मेरी कमाई पूरी तरह बंद हो गई है जबकि मुझे इनकम की जरूरत है। ऐसे में मैं ऐक्टिंग की ओर फिर से लौटना चाहता हूं। गोपी ने यह भी कहा कि वह कभी मंत्री नहीं बनना चाहते थे। मैं सिनेमा में बने रहना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि उनकी जगह राज्यसभा सांसद सी सदानंदन मास्टर को केंद्र में जगह दी जा सकती है। बता दें कि सुरेश गोपी फिलहाल पेट्रोलियम और नेचुरल गैस और पर्यटन मामलों के राज्य मंत्री हैं। उन्होंने बताया, मैंने अक्तूबर 2008 में पार्टी की सदस्यता ली थी। पहली बार मुझे लोगों ने सांसद चुना और पार्टी को लगा कि मुझे मंत्री बनाना चाहिए। कन्नूर की रैली के दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बहुत सारे लोग शब्दों के साथ छेड़छाड़ करने और बात का गलत मतलब निकालने में माहिर होते हैं। उन्होंने कहा, जब मैंने प्रजा शब्द का इस्तेमाल क्षेत्र के लोगों के लिए किया तो उसपर भी बवाल हो गया। उन्होंने कहा कि अगर प्रजातंत्र है तो प्रजा भी है। ऐसे में इस शब्द का गलत मतलब नहीं निकालना चाहिए था। बता दें कि सुरेश गोपी मलयालमय के अलावा तेलुगु, कन्नड़ और तमिल फिल्मों में भी काम करते हैं। इसके अलावा वह एक पार्श्व गायक भी हैं। फिल्मों में उनका करियर लंबा रहा है। हालांकि 2016 में वह राजनीति में आ गए थे। उन्होंने 1965 में ही बाल कलाकार के रूप में अभिनय की शुरुआत कर दी थी। वहीं 1986 में पहली बार फिल्म में अहम भूमिका निभाई।

पाकिस्तान पर 8 तरफ से भीषण हमले

करांची,13 अक्टूबर। जो कभी दूसरे के घरों को आग लगाने का काम करता था। आज वही पाकिस्तान का घर चारो तरफ से धुंआ-धुंआ हो गया है। पाकिस्तान पर टीटीपी के हमले के बाद अब अफगानिस्तान की तरफ से ऐसा वार हुआ है जिसने पाकिस्तान की जमीन और आसमान दोनों को छीन लिया है। पाकिस्तान पर टीटीपी के हमले के बाद अब अफगानिस्तान ने भी भीषण हमला कर दिया है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद ये पाकिस्तान पर दूसरा बड़ा हमला है। अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर आठ जगहों से हमला किया है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा यानी डूरंड लाइन पर अफगानी सेना ने अभी से दीवाली मनानी शुरू कर दी है। अफगानिस्तान ने दावा किया है कि उसने पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मार दिया है। पाकिस्तान के तीन सैनिकों को अगवा कर लिया है। जबकि 25 पाकिस्तानी चौकियों पर कब्जा कर लिया गया है। ये पाकिस्तान पर बहुत बड़ा अटैक है।

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान के इस भीषण हमले के बाद सऊदी अरब और कतर के भी बयान सामने आए हैं, जिसे सुनकर पाकिस्तान के होश उड़े हुए हैं। कुछ दिन पहले से पाकिस्तान सऊदी अरब और कतर का नाम लेकर हवा में कुछ ज्यादा ही उड़ रहा था। लेकिन अफगानिस्तान ने पाकिस्तान को जमीन पर पटक दिया है। सबसे दिलचस्प ये है कि सऊदी अरब ने कुछ दिन पहले ही पाकिस्तान के साथ एक डील करते हुए कहा था कि पाकिस्तान पर हमला हम पर भी हमला माना जाएगा। लेकिन अब तो अफगानिस्तान ने पाकिस्तान पर हमला कर दिया है। ऐसे में सऊदी अरब जो बात बोलकर भागा है वो सभी को हैरान कर देगा। अफगानिस्तान की सेना लगातार पाकिस्तान की तरफ बढ़ रही है। ऐसा लग रहा है मानो अब भारत के बाद अफगानिस्तान भी आसिम मुनीर को दूसरा प्रमोशन दिलवा कर रहेगा। सऊदी अरब और कतर ने पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच सीमा पर संघर्ष पर चिंता व्यक्त की तथा दोनों पक्षों से संयम बरतने और तनाव कम करने के लिए बातचीत करने का आग्रह किया।

सऊदी अरब के विदेश मंत्रालय ने 11 दिसंबर को कहा कि सऊदी अरब इस्लामी गणराज्य पाकिस्तान और अफगानिस्तान राज्य के बीच सीमावर्ती क्षेत्रों में तनाव और झड़पों पर चिंता व्यक्त करता है। कतर के विदेश मंत्रालय ने तनाव बढ़ने और क्षेत्र की सुरक्षा एवं स्थिरता पर इसके संभावित प्रभावों पर चिंता व्यक्त की। इसने दोनों पक्षों से बातचीत, कूटनीति और संयम को प्राथमिकता देने का आग्रह किया।

धर्मान्तरण रोकने पास्टर और पादरियों के प्रवेश पर रोक का फैसला किया ग्रामीणों ने

कांकेर,13 अक्टूबर। कांकेर जिले के भानुप्रतापपुर विकासखंड के अंतर्गत आने वाले ग्राम टेकाठोडा (कच्चे) के ग्रामीणों ने धर्मान्तरण के बढ़ते मामलों का विरोध करते हुए गांव में ईसाई धर्म प्रचारकों, जैसे पास्टर, पादरी और धर्म परिवर्तन कर चुके लोगों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है. इसके साथ ही ग्रामीणों ने गांव के प्रवेश द्वार पर बड़ा बोर्ड लगाकर साफ संदेश दिया है कि अब किसी भी प्रकार के धर्मांतरण या धार्मिक आयोजन के उद्देश्य से गांव में प्रवेश वर्जित है. टेकाठोडा (कच्चे) ऐसा करने वाला कांकेर जिले का बारहवां गांव बन गया है. जिसने मतांतरण के खिलाफ औपचारिक निर्णय लेकर बोर्ड लगाया है. ग्राम सभा का निर्णय संस्कृति और परंपरा की रक्षा के लिए उठाया कदम

धर्म विशेष से नहीं है ग्रामीणों का विरोध-ग्रामीणों ने बताया कि गांव में पिछले कुछ समय से आठ परिवार ऐसे हैं, जिन्होंने अपना धर्म परिवर्तन कर लिया है. इससे गांव की सामाजिक संरचना और पारंपरिक जीवनशैली पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि उनका विरोध किसी धर्म विशेष से नहीं है, बल्कि वे प्रलोभन देकर कराए जा रहे मतांतरण के खिलाफ हैं. गांव की ग्राम सभा ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि अब पास्टर, पादरी या धर्म परिवर्तन से जुड़े कोई भी व्यक्ति गांव में प्रवेश नहीं करेंगे. इसी निर्णय के तहत प्रवेश द्वार पर लगाए गए बोर्ड में स्पष्ट लिखा गया है कि पेशा अधिनियम 1996 लागू है, जिसके नियम चार (घ) के तहत सांस्कृतिक पहचान और पारंपरिक संस्कृति के संरक्षण का अधिकार प्राप्त है. ग्रामीणों का कहना है कि यह कदम संविधान की पांचवीं अनुसूची में आदिवासी क्षेत्रों को दी गई स्वशासन और सांस्कृतिक सुरक्षा की भावना के अनुरूप है. वह ईसाई धर्म या किसी भी अन्य धर्म का विरोध नहीं कर रहे हैं. लेकिन उनके गांव के सीधे-साधे लोगों को लालच, प्रलोभन या मदद के नाम पर धर्म बदलवाया जा रहा है, जो हमारी आदिवासी संस्कृति के लिए खतरा है. ग्रामीणों का मानना है कि ऐसे कदमों से गांव का सामाजिक संतुलन बिगड़ रहा है और पुरखों की परंपराएं कमजोर पड़ रही हैं. इसलिए उन्होंने सामूहिक रूप से निर्णय लेकर गांव में प्रवेश रोकने का ठोस कदम उठाया है.

12 गांवों में धर्मांतरण के खिलाफ बड़ा कदम-कांकेर जिले में अब तक कुल 12 गांवों ने इस तरह से मतांतरण के विरोध में कदम उठाए हैं और गांव की सीमा पर बोर्ड लगाकर ईसाई धर्म प्रचार-प्रसार पर रोक लगाई है. टेकाठोडा (कच्चे) इन गांवों में नवीनतम नाम के रूप में जुड़ा है. ग्रामीणों की यह पहल अब जिले भर में चर्चा का विषय बन चुकी है. समाज के कई वर्ग इसे आदिवासी संस्कृति की रक्षा और स्वाभिमान से जोड़कर देख रहे हैं, जबकि कुछ लोगों का मानना है कि इस पर प्रशासन को संवेदनशील दृष्टिकोण से विचार करना चाहिए ताकि सामाजिक सौहार्द बना रहे.

हिरासत में छह अफ्रीकी नागरिक

नई दिल्ली ,13 अक्टूबर । दिल्ली के निहाल विहार इलाके में पुलिस ने अवैध रूप से रह रहे छह अफ्रीकी नागरिकों को हिरासत में लिया है। यह कार्रवाई बाहरी जिला पुलिस के विशेष अभियान का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य अवैध प्रवास पर रोक लगाना और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करना है। 10 अक्टूबर को निहाल विहार पुलिस थाने की गश्ती टीम को चंदर विहार में अवैध प्रवासियों की मौजूदगी की सूचना मिली। हेड कांस्टेबल गजानंद, दलवीर, जगपाल, सरदार मल और कांस्टेबल महेंद्र की टीम ने तुरंत कार्रवाई की।

जो काम दुनिया में कोई और नहीं कर पाया वो भारत की नारी शक्ति ने कर दिखाया

नई दिल्ली,13 अक्टूबर। अफगान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताक़ी को अपने भारत प्रवास के दौरान दो दिन के भीतर दो प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलानी पड़ी। यह घटना केवल एक राजनयिक औपचारिकता नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र, मीडिया और नारी चेतना की ताकत का प्रतीक बन गई है। जिस संगठन की पहचान ही स्त्रियों के दमन, शिक्षा और सार्वजनिक जीवन से उनके निष्कासन से जुड़ी रही है, वही संगठन भारत की धरती पर महिला पत्रकारों को आमंत्रित करने के लिए बाध्य हुआ— यह दृश्य अपने आप में एक ऐतिहासिक विडंबना और संदेश दोनों है। हम आपको बता दें कि 10 अक्तूबर को नई दिल्ली में मुत्ताक़ी की पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित हुई। यह कार्यक्रम पूरी तरह 'ओनली जेंट्स' जैसा आयोजन बन गया था जिसमें न कोई महिला पत्रकार थी न कोई महिला प्रतिनिधि। जब तस्वीरें सामने आईं, तो भारत में मीडिया जगत से लेकर राजनीतिक वर्ग तक भारी आलोचना हुई। हम आपको बता दें कि भारतीय महिला पत्रकारों, विपक्षी नेताओं और नागरिक समाज की तीखी प्रतिक्रिया ने न केवल अफगान प्रतिनिधिमंडल, बल्कि भारत सरकार को भी त्वरित प्रतिक्रिया देने पर विवश कर दिया। इस संदर्भ में विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया था कि वह तालिबान की इस प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजक नहीं था। लेकिन इससे मामला शांत नहीं हुआ। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, महुआ मोइत्रा और जयराम रमेश जैसे नेताओं ने प्रधानमंत्री मोदी की नारी सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता पर प्रश्न उठाए। "नारी शक्ति" के नारों के बीच इस घटना ने एक असहज राजनीतिक वातावरण बना दिया। देखा जाये तो भारत में लोकतंत्र और मीडिया की शक्ति यही है— यहां किसी भी प्रकार का भेदभाव सार्वजनिक अस्वीकृति के बिना नहीं रह सकता। नतीजा यह हुआ कि तालिबान को दूसरे ही दिन "सुधरी हुई" प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित करनी पड़ी, जिसमें महिला पत्रकारों को भी आमंत्रण भेजा गया और आयोजन को "समावेशी" बताया गया। अफगान विदेश मंत्री मुत्ताक़ी ने रविवार को हुई प्रेस कॉन्फ्रेंस में सफाई दी कि यह "जानबूझकर नहीं" बल्कि "तकनीकी त्रुटि" थी। उन्होंने कहा कि सूची जल्दी में बनाई गई थी और "समय की कमी" के कारण कुछ पत्रकारों को ही बुलाया गया। देखा जाये तो उनका यह दावा चाहे जितना कूटनीतिक लगे, पर असलियत यह है कि अंतरराष्ट्रीय दबाव, विशेषकर भारत में महिला पत्रकारों की सामूहिक असहमति ने तालिबान को अपनी छवि सुधारने के लिए मजबूर कर दिया। यह घटना केवल मीडिया नैतिकता या महिला अधिकारों का प्रश्न नहीं थी, इसके पीछे गहरे कूटनीतिक अर्थ छिपे हैं। तालिबान सरकार अभी भी वैश्विक मान्यता के संकट से जूझ रही है। भारत, जो अफगानिस्तान में विकास परियोजनाओं, शिक्षा और स्वास्थ्य सहयोग का प्रमुख भागीदार रहा है, तालिबान के लिए संपर्क बनाए रखने का एक आवश्यक पड़ाव है। मुत्ताक़ी की भारत यात्रा इसी पुनर्संपर्क नीति का हिस्सा थी। परन्तु भारत में महिलाओं का लोकतांत्रिक प्रभाव और प्रेस की स्वतंत्रता इतनी मजबूत है कि तालिबान जैसी सत्ताएं भी अपने पुराने तौर-तरीके यहां लागू नहीं कर सकतीं। यह घटना उस "सॉफ्ट पावर" का उदाहरण है जो किसी सैन्य दबाव के बिना भी कूटनीति को प्रभावित कर सकती है।

12 नई दुल्हनों ने जो किया, उससे उजड़ गए परिवार

अलीगढ़ ,13 अक्टूबर। करवाचौथ की रात, जब देशभर में सुहागिनें अपने पतियों की लंबी आयु के लिए व्रत और पूजा कर रही थीं, वहीं अलीगढ़ में भरोसे और रिश्तों को तार-तार करने वाली एक बड़ी वारदात सामने आई। यहां के सासनी गेट थाना क्षेत्र में 12 परिवार उस वक्त सन्न रह गए, जब उनकी नई-नवेली दुल्हनें पूजा-पाठ के बाद सबको नशीला खाना खिलाकर घर में रखे लाखों रुपये के जेवर और नकदी लेकर फरार हो गईं। यह कोई एक घटना नहीं, बल्कि एक सुनियोजित साजिश थी, जिसने 12 घरों में एक साथ मातम फैला दिया। जानकारी के अनुसार, ये सभी 'दुल्हनें' बिहार और झारखंड से लाई गई थीं, जिन्हें दलालों ने शादी के लिए लड़कियों की कमी से जूझ रहे परिवारों में 80 हजार से डेढ़ लाख रुपये लेकर ब्याहा था। पीड़ित परिवारों के मुताबिक, शादी के बाद इन दुल्हनों ने अपने व्यवहार से कुछ ही दिनों में सबका दिल जीत लिया था। किसी ने सास के साथ पूजा-पाठ शुरू कर दिया तो कोई पति के साथ खेतों पर जाने लगी। करवाचौथ पर भी उन्होंने पूरे विधि-विधान से व्रत रखा, हाथों में मेहंदी रचाई और घर सजाया। रात में जब चांद देखकर व्रत खोलने का समय आया, तो उन्होंने खाने में नशीला पदार्थ मिला दिया। खाना खाते ही सभी परिजन गहरे नशे में सो गए और सुबह जब उनकी आंख खुली तो घर के ताले टूटे थे, अलमारियां खाली थीं और उनकी 'सुहागनें गायब थीं।

वारदात के बाद जब परिवारों ने उन दलालों से संपर्क करने की कोशिश की, जिन्होंने ये शादियां कराई थीं, तो उनके सभी मोबाइल नंबर बंद मिले। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि यह एक संगठित गिरोह है, जिसने इन 12 परिवारों से करीब 30 लाख रुपये से अधिक की ठगी की है, जिसमें सोने-चांदी के जेवर, नकदी और कीमती सामान शामिल हैं।

एक पीड़ित ने रोते हुए बताया, शादी को बस 10 दिन हुए थे। उसने करवाचौथ पर इतनी श्रद्धा से पूजा की कि हम सब भावुक हो गए। हमें लगा हमारी किस्मत खुल गई, पर सुबह सब कुछ लुट चुका था।

एक नजर

रेल लाइन किनारे युवक का शव मिला

भिलाई, 13 अक्टूबर। भिलाई भट्ठी थाना क्षेत्र के चंद्रा मौर्या टॉकीज के पास मुंबई हावड़ा रेल लाइन के किनारे एक अज्ञात का शव मिला है मृतक की (45 साल) बताई जा रही है उसका रंग सांवला है और छाती में पुराना जले का निशान है उसने गुलाबी लाइनिंग वाली सफेद शर्ट और काले रंग का पैंट पहना हुआ है भट्ठी पुलिस काफी पूछताछ के बाद जब शव की पहचान नहीं कर पाई तो उसने शव को मरच्युरी में रखवा दिया है पुलिस ने अपील की है कि यदि कोई मृतक को पहचानता हो तो वह भट्ठी टीआई के मोबाइल नंबर 9479192023 और कंट्रोल रूम के नंबर 9479192099 में जानकारी दे सकता है।

पटाखा दुकानदारों को बैठक में दी हिदायत

भिलाई, 13 अक्टूबर। दुर्ग एसएसपी विजय अग्रवाल के निर्देश पर दीपावली त्योहार के मद्देनजर दुर्ग जिले के सभी पटाखा व्यवसायियों की रविवार को मीटिंग पुलिस नियंत्रण कक्ष सभाकक्ष में आयोजित की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (शहर) सुखनंदन राठौर ने पटाखा दुकानदारों को निर्देशित किया कि समस्त पटाखा लायसेंसियों के पास वैध लायसेंस होना चाहिए। समस्त पटाखा विक्रेता निर्धारित मानक के पटाखा ही विक्रय करेंगे। मानक के अनुरूप ही निधारित मात्रा में स्टाक रखेंगे। दुकान में अग्निशामक यंत्र की व्यवस्था अनिवार्य रूप से रखें। दुकानो में पानी, रेत की व्यवस्था रखना सुनिश्चित करेंगे। दुकानों में सीसीटीवी कैमरा अनिवार्य रूप से लगायेंगे। दुकानों के आस-पास ट्रांसफार्मर ना हो। इसका विशेष ध्यान रहे। बिजली के तार खुले न हों, प्रॉपर टेपिंग की गई हो। संबधित थाने एवं पुलिस नियंत्रण कक्ष का संपर्क नंबर रखेंगे आपातकानीन स्थिति में हेल्प लाईन नंबर 112 में सूचना देंगे।

युवती लापता,परिजनों ने रिपोर्ट लिखाई

भिलाई, 13 अक्टूबर। भिलाई पुलगांव थाना अंतर्गत एक 19 वर्षीय युवती लापता हो गई परिजनों ने अपनी बेटी के लापता होने की सूचना दर्ज कराई है उन्होंने पुलिस को बताया कि उनकी बेटी 10वीं तक पढ़ी है और छत्तीसगढ़ी बोलती है वह 10 अक्टूबर को दोपहर करीब 12 बजे घर से बिना किसी को कुछ बताए निकली थी उसके बाद से घर वापस नहीं आई है उन्होंने आस पड़ोस और रिश्तेदारों के यहां पता किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला इसके बाद उन लोगों ने उसकी गुमशुदगी दर्ज कराई है।

घर की छत से मिल रही ऊर्जा

रायपुर, 13 अक्टूबर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ राज्य में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना ने आम नागरिकों के जीवन में बचत, सुविधा और स्थायी ऊर्जा के नए अवसर खोले हैं।जिले के पत्थलगांव निवासी श्री बालेश्वर यादव ने इस योजना का लाभ लेकर अपने घर की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित किया है। हर महीने लगभग 5,000 का बिजली बिल देने वाले श्री यादव का बिल अब लगभग शून्य हो गया है। इसके अतिरिक्त, उपयोग से बची हुई बिजली को ग्रिड में बेचकर उन्हें प्रतिमाह आर्थिक लाभ भी प्राप्त हो रहा है। श्री यादव ने बताया कि सोलर सिस्टम लगने से अब बिजली कटौती या बढ़ते बिल की चिंता नहीं रहती। इस योजना से वे अपनी आवश्यकता की बिजली स्वयं उत्पन्न कर रहे हैं और पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रहे हैं।यहां यह उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ राज्य में प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने के लिए लोगों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया जा रहा है। पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से सब्सिडी सीधे लाभार्थियों के खाते में जमा की जा रही है।

बोडला ब्लाक के रेंगाखार जंगल के ग्राम खारा में

डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने नवनिर्मित सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

■ तरुण छत्तीसगढ़ संवाददाता

कवर्धा, 13 अक्टूबर। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने आज अपने प्रवास के दौरान बोड़ला विकासखंड के वनांचल क्षेत्र रेंगाखार जंगल के ग्राम खारा में 20 लाख रुपये की लागत से नवनिर्मित सामुदायिक भवन का क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ विधिवत लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने गांव में उपस्थित ग्रामीणजनों से मुलाकात कर उनके हालचाल जाना और क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं, मांगों तथा सुझावों को गंभीरता से सुना। इस अवसर पर जिला बीजेपी अध्यक्ष राजेंद्र चंद्रवंशी,जिला पंचायत अध्यक्ष ईश्वरी साहू , विधायक प्रतिनिधि रामकिंकर वर्मा, जनपद उपाध्यक्ष नंद श्रीवास , जिला पंचायत सभापति राजकुमार मेरावी, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशी राम धुर्वे सहित क्षेत्रिय जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण एवं वनांचल क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। राज्य सरकार की प्राथमिकता ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करना, रोजगार के अवसर बढ़ाना और गांव-गांव में आवश्यक सार्वजनिक ढांचा विकसित करना है। उन्होंने कहा कि सामुदायिक भवन जैसे निर्माण कार्य न केवल ग्रामीणों के लिए सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र बनेंगे, बल्कि यह ग्रामीण एकता और सहभागिता के प्रतीक के रूप में भी कार्य करेंगे। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत है, ताकि किसी भी ग्रामीण को मूलभूत सुविधाओं के लिए शहरों की ओर न जाना पड़े। उपमुख्यमंत्री से ग्राम खारा और आसपास के क्षेत्रवासियों ने क्षेत्र के मांग, समस्या और शिकायत सहित विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की। उपमुख्यमंत्री ने तत्काल संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों से कहा कि वे समय-समय पर ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर जनसुनवाई करें और समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने स्थानीय प्रशासन को निर्देशित किया कि ग्रामीण अंचलों के विकास कार्यों में पारदर्शिता और गति दोनों सुनिश्चित की जाए। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों ने उपमुख्यमंत्री शर्मा का आत्मीय स्वागत किया और उनके द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों के लिए आभार प्रकट किया।

विभागीय पत्राचार के ई-ऑफिस क्रियान्वयन के लिए दियाप्रशिक्षण

भिलाई, 13 अक्टूबर। शासन के निर्देशानुसार शासकीय कार्यालयों में विभागीय पत्राचार की प्रक्रिया अब ई-ऑफिस प्रणाली के माध्यम से अनिवार्य रूप से संचालित की जाएगी। इस क्रम में नगर पालिक निगम भिलाई के मुख्य कार्यालय सभागार में एक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के निर्देशानुसार, प्रशिक्षण का संचालन उपायुक्त नरेन्द्र कुमार बंजारे के नेतृत्व में किया गया। इसमें प्रोग्रामर दीप्ति साहू एवं तकनीकी सहायक अशोक कश्यप ने प्रेजेंटेशन के माध्यम से मुख्य कार्यालय एवं जोन कार्यालयों के कंप्यूटर ऑपरेटरों तथा लिपिकों को प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को बताया गया कि ई-ऑफिस प्रणाली में पत्र को फाइल बनाकर कैसे पुट अप किया जाए, नोटशीट तैयार कर फाइल प्रस्तुत करने की प्रक्रिया क्या है, और डिजिटल सिग्नेचर का उपयोग करते हुए फाइल व पत्र को कैसे अग्रेषित किया जाता है। साथ ही, अन्य विभागों से प्राप्त पत्रों के उत्तर तैयार करने एवं अपने विभाग से पत्राचार करने की प्रक्रिया भी समझाई गई।

सांसद एवं निगम आयुक्त ने तालाबों की जलकुंभी सफाई कार्य का किया निरीक्षण

भिलाई, 13 अक्टूबर। सांसद विजय बघेल एवं नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय ने पार्षद महेश वर्मा के साथ जोन-01 नेहरू नगर स्थित भेलवा तालाब एवं लिम्हा तालाब का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सांसद एवं आयुक्त ने तालाबों में फैली जलकुंभी एवं गंदगी को तत्काल हटाने के निर्देश स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली को दिए। साथ ही निगम क्षेत्र के अन्य तालाबों में भी जहां-जहां जलकुंभी पाई जा रही है, वहां सफाई कार्य को प्राथमिकता के साथ पूरा करने कहा गया। आयुक्त पाण्डेय ने आगामी छठ पूजा को दृष्टिगत रखते हुए सभी तालाबों की विशेष सफाई कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि दिवाली के तुरंत बाद छठ पर्व मनाया जाता है, जिसमें श्रद्धालु तालाबों में छठ मईया की पूजा-अर्चना करते हैं, इसलिए तालाबों का जल स्वच्छ और परिवेश साफ-सुथरा होना आवश्यक है। इस अवसर पर स्वच्छता निरीक्षक अंकित सक्सेना एवं क्रिस्टोफर पॉल सहित निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

विश्व दृष्टि दिवस पर निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण कार्यक्रम आयोजित

मोहला 13 अक्टूबर । विश्व दृष्टि दिवस के अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जिले में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जन जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं प्रेसबायोपिक चश्मा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नागरिकों ने भाग लिया और अपनी आंखों की जांच करवाई।कार्यक्रम के दौरान नेत्र विशेषज्ञों की टीम द्वारा उपस्थित लोगों की आंखों की जांच की गई तथा आवश्यक परामर्श प्रदान किया गया। जांच के दौरान 13 मरीजों में मोतियाबिंद की पहचान की गई, जिन्हें निःशुल्क ऑपरेशन हेतु राजनांदगांव जिला अस्पताल रेफर किया गया। विशेषज्ञों ने इस अवसर पर नेत्र स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि दृष्टि से संबंधित समस्याओं की समय रहते पहचान और उपचार अत्यंत आवश्यक है। नियमित नेत्र परीक्षण से गंभीर नेत्र रोगों से बचाव संभव है। इस कार्यक्रम के माध्यम से लोगों में नेत्र सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने का सफल प्रयास किया गया।

सीएचसी मोहला में हुआ सफल सिजेरियन ऑपरेशन, जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ

■ सीएचसी में स्त्रीरोग विशेषज्ञ की नियुक्ति, गर्भवती माताओं को मिलेगा लाभ

रायपुर ,13 अक्टूबर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ग्राम गिधाली की गर्भवती महिला कुलेश्वरी पति अर्जुन का सिजेरियन ऑपरेशन (सी-सेक्शन) स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक टीम द्वारा सफलतापूर्वक किया गया। इस महत्वपूर्ण शल्यक्रिया को स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद बनकर, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. सीमा ठाकुर एवं डॉ. एस.आर. कोवाची की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। पूरा ऑपरेशन पूरी तरह सुरक्षित रहा और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

स्त्रीरोग विशेषज्ञ की नियुक्ति से अब उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं को प्रसव हेतु राजनांदगांव या निजी अस्पतालों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला में ही सिजेरियन ऑपरेशन एवं संपूर्ण जांच की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इससे मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ी मजबूती मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से उन ग्रामीण महिलाओं के लिए लाभकारी साबित होगी। जिन्हें पहले औंधी से राजनांदगांव तक लगभग 150 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती थी।इस उपलब्धि से क्षेत्र की ग्रामीण महिलाओं को समय पर सुरक्षित प्रसव और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित होंगी परिणामस्वरूप मातृ मृत्यु दर में भी कमी आएगी।

शराब व सिगरेट पीने के विवाद में युवक की हत्या के मामले में पुलिस ने 3 लोगों को गिरफ्तार किया

भिलाई, 13 अक्टूबर। भिलाई दुर्ग सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के बल्ली से सिर में मारकर एवं पत्थर को सिर में पटक हत्या करने वाले तीन आरोपियों को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने शराब व सिगरेट पीने की बात पर अनिल को मौत के घाट उतारा था दुर्ग सिटी कोतवाली टीआई तपेश सिंह नेताम ने बताया कि 11 अक्टूबर को प्रार्थी भरत यादव (28 साल) निवासी शिव पारा दुर्ग ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया कि प्रार्थी का भाई अनिल यादव 10 अक्टूबर की रात करीब 11 बजे अपनी स्कूटी में घर से बिना बताये निकला था जो रात में घर नहीं आया और 11 अक्टूबर की सुबह 8 बजे पंचशील नगर बिजली ऑफिस के सामने एक अज्ञात व्यक्ति का शव का पड़ा हैं और काले कलर की एक्टीवा खड़ी है सुनकर जाकर देखा तो शव प्रार्थी के बड़े भाई अनिल यादव का था उसके सिर पर गहरी चोट थी मृतक अनिल यादव को कोई अज्ञात युवक ने मारकर सिर मे गंभीर चोट पहुंचाकर हत्या की है रिपोर्ट पर दुर्ग सिटी कोतवाली थाना में धारा 103 (1) बीएनएस पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया विवेचना के दौरान अज्ञात आरोपी की तलाश के लिए टीम गठित की जांच में क्षेत्र में लगे आस-पास सीसीटीवी फुटेज को चेक किया इसी दौरान मुखबीर से सूचना मिलने पर तीन संदेहियों को हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर बताया कि शराब और सिगरेट पीने की बात को लेकर आवेश में आकर मृतक से वाद-विवाद कर हत्या करने की नियत से पास में पड़े पत्थर एवं बल्ली से मारकर गंभीर चोट पहुंचाकर मौत होने पर मृत अवस्था में छोड़कर वहां से भाग जाना बताया प्रकरण के आरोपी साहिल टंडन उर्फ भोको निवासी पंचशील नगर दुर्ग, भुवन साहू (18 साल) निवासी पंचशील नगर दुर्ग व एक नाबालिग को गिरफ्तार किया है।

महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया

मोहला, 13 अक्टूबर । कलेक्टर श्रीमती तुलिका प्रजापति के निर्देशानुसार कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम एवं जागरूकता विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आंतरिक शिकायत समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के लिए आयोजित किया गया था। प्रशिक्षण में मोहला ब्लॉक के विभिन्न विभागों के ब्लॉक स्तरीय अधिकारीगण एवं स्कूल समिति के अध्यक्षगण सहित कुल 51 प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर महिलाओं की गरिमा एवं सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए, संबंधित अधिकारियों को महिला-सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधानों के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु सजग और सक्षम बनाना था।

मयाली नेचर कैंप में पर्यटकों के लिए ऑनलाइन बुकिंग सुविधा प्रारंभ

रायपुर, 13 अक्टूबर । जशपुर जिले के कुनकुरी परिक्षेत्र अंतर्गत स्थित मयाली नेचर कैम्प अपनी प्राकृतिक सुंदरता एवं मनोहारी परिवेश के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। यह क्षेत्र घने वनों से आच्छादित है। यह क्षेत्र जशपुर जिले को प्रकृति द्वारा मिला एक अनुपम उपहार है। मयाली नेचर कैम्प देवबोरा एवं मयाली ग्राम के मध्य स्थित है। यह स्थल पारिवारिक भ्रमण, मित्रों के साथ अवकाश व्यतीत करने तथा साहसिक गतिविधियों के शौकीनों के लिए लंबी दूरी की पैदल यात्राओं हेतु अत्यंत उपयुक्त है।

एएसपी ने सूर्या मॉल पहुंचकर अवैध पार्किंग के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की

भिलाई, 13 अक्टूबर। भिलाई के सूर्यामॉल प्रबंधन की मनमानी और नगर निगम की उदासीनता के बीच आखिरकार ट्रैफिक एएसपी ऋचा मिश्रा की सख्ती के आगे प्रशासन को झुकना पड़ा यातायात पुलिस दल-बल के साथ सूर्यामॉल पहुंचकर अवैध पार्किंग के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की फुटपाथ और सड़क पर कब्जा जमाकर खड़ी सैकड़ों गाड़ियों को क्रेन से उठवाया गया और नेहरू नगर स्थित ट्रैफिक कार्यालय में शिफ्ट किया गया सूर्यामॉल के सामने लंबे समय से ठेकेदार द्वारा सड़क को रस्सी से घेरकर सशुल्क पार्किंग चलाई जा रही थी हर दिन सैकड़ों वाहनों से वसूली की जा रही थी बाइक से 25 रुपए और कार से 60 रुपए तक वसूल कर मोटी कमाई की जा रही थी बता दें कि इस अवैध वसूली की शिकायतें सूर्या बिहार के रहवासियों ने कई बार नगर निगम भिलाई से की थीं, लेकिन निगम की मिलीभगत के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन और नगर निगम अधिकारियों ने भी इसे अवैध माना था और कार्रवाई का आश्वासन दिया था, लेकिन एक महीने बीत जाने के बाद भी जब निगम ने कोई कदम नहीं उठाया, तो ठेकेदारों और मॉल प्रबंधन का हौसला और बढ़ गया। उन्होंने दोबारा अवैध पार्किंग चालू कर दी ट्रैफिक एएसपी ऋचा मिश्रा को जनुनवानी चौक से सूर्या बिहार तक यातायात बाधित होने की सूचना मिली। उन्होंने तुरंत दल-बल के साथ मौके पर पहुंचकर कार्रवाई शुरू की क्रेन बुलाकर वाहनों को जब्त कराया एएसपी ने मौके पर अनाउंसमेंट कराया। इसके बावजूद जब वाहन मालिकों ने गाड़ियां नहीं हटाईं, तो पुलिस ने क्रेन बुलाकर वाहनों को जब्त कर लिया करीब 100 वाहनों पर चालानी कार्रवाई की गई कार्रवाई के दौरान ठेकेदार ने अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) मिश्रा से मिन्नतें कीं और प्रभावशाली लोगों के फोन भी करवाए, लेकिन एएसपी ने किसी की नहीं सुनी। उन्होंने सख्त लहजे में चेतावनी दी कि यदि दोबारा सड़क पर पार्किंग कराई गई और यातायात बाधित हुआ, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी क्या कहते है सूर्य विहार के रहवासी सूर्या विहार निवासी राजेश ने बताया कि इस अवैध पार्किंग की शिकायतें बार-बार नगर निगम को दी गई थीं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। निगम की चुप्पी ने ठेकेदारों के हौसले बुलंद कर दिए थे। उन्होंने कहा कि यातायात एएसपी ने जनता के हित में उत्कृष्ट कदम उठाया है बता दें कि नगर निगम की निष्क्रियता और ट्रैफिक पुलिस की तत्परता ने एक बार फिर यह साफ कर दिया है कि प्रशासनिक इच्छाशक्ति हो तो अव्यवस्था पर काबू पाया जा सकता है सूर्या विहार के रहवासी अब उम्मीद कर रहे हैं कि निगम भविष्य में ऐसी अवैध गतिविधियों पर खुद पहल करेगा ताकि शहर की सड़कों पर फिर से यातायात सुचारू रह सके अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) ऋचा मिश्रा ने कहा सूर्यामॉल के सामने फुटपाथ पैदल आवाजाही के लिए बनाया गया है लेकिन सड़क को रस्सी से घेरकर पार्किंग बनाई जा रही थी ।

पंजाब के गतकाबाज बने राष्ट्रीय चैंपियन, छत्तीसगढ़ ने उपविजेता बनकर जीता दिल

भिलाई, 13 अक्टूबर। नेशनल गतका एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनजीएआई) द्वारा आयोजित 13वीं राष्ट्रीय गतका चैंपियनशिप का समापन रविवार को हुआ। तीन दिवसीय प्रतियोगिता में देशभर से आए खिलाड़ियों ने पारंपरिक जंगजू कला और खेल कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इस प्रतियोगिता में पंजाब के गतकाबाज़ों ने अपने बेहतरीन प्रदर्शन के दम पर ओवरऑल चैंपियन का खिताब जीता, जबकि छत्तीसगढ़ के खिलाड़ियों ने साहस, सटीकता और अनुशासन के साथ खेलते हुए उपविजेता बनकर सभी का दिल जीत लिया। लड़कों के वर्ग में पंजाब ने पहला स्थान हासिल किया, छत्तीसगढ़ दूसरे स्थान पर रहा, जबकि हरियाणा और उत्तराखंड संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में छत्तीसगढ़ की बालिकाओं ने पहला स्थान प्राप्त किया, चंडीगढ़ दूसरे स्थान पर रही और पंजाब व हरियाणा की टीमें संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहीं। समापन समारोह में छत्तीसगढ़ के शिक्षा एवं ग्रामीण उद्योग मंत्री गजेंद्र यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पदक और प्रमाण पत्र प्रदान किए। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि गतका केवल एक खेल नहीं, बल्कि यह भारत की गौरवशाली मार्शल विरासत का प्रतीक है, जो साहस, आत्मसंयम और अनुशासन सिखाता है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार राज्यभर के स्कूलों, कॉलेजों और विश्वविद्यालयों में गतका के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देगी। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि गतका खिलाड़ियों ने अनुशासन, सम्मान और टीम भावना का जो परिचय दिया है, वह देश के हर युवा के लिए प्रेरणास्रोत है। इस अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकारी सदस्य मनीष पांडे, भाजपा जिला अध्यक्ष पुरुषोत्तम देवांगन, एन.जी.ए.आई. अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल, एशियाई गतका महासंघ के सदस्य एवं न्यू गतका स्पोर्ट्स एसोसिएशन छत्तीसगढ़ के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह छोटू, महासचिव जसवंत सिंह तथा छत्तीसगढ़ सिख पंचायत अध्यक्ष जसबीर सिंह चहल उपस्थित रहे। समापन दिवस पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को विशेष पुरस्कार प्रदान किए गए। जूनियर गतका स्टार का पुरस्कार सतवंत सिंह खालसा (चंडीगढ़), सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी सुनेहा (चंडीगढ़), सबसे होनहार खिलाड़ी रमनदीप सिंह (पंजाब), सर्वश्रेष्ठ गतका-सोटी खिलाड़ी डिंपल कुमारी (छत्तीसगढ़), सर्वश्रेष्ठ फरी-सोटी खिलाड़ी जसकीरत सिंह (हरियाणा), सर्वश्रेष्ठ गतकाबाज (पुरुष) जगजोत सिंह (उत्तराखंड) और सर्वश्रेष्ठ गतकाबाज (महिला) इशकप्रीत कौर (पंजाब) को मिला। एन.जी.ए.आई. अध्यक्ष हरजीत सिंह ग्रेवाल ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि संगठन का उद्देश्य है कि गतका को देश के हर राज्य में लोकप्रिय बनाया जाए।

शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने विद्यार्थियों से की आत्मीय भेंट अनुशासन और लगन को बताया सफलता का मंत्र

रायपुर, 13 अक्टूबर । प्रदेश के शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधि विधायी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव आज अपने अछोटी प्रवास के दौरान मुड़पार गांव में विद्यालय जा रहे विद्यार्थियों से अनौपचारिक रूप से मिले। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके शैक्षणिक अनुभवों, पढ़ाई की स्थिति तथा भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा की।मंत्री श्री यादव ने बच्चों की जिज्ञासापूर्ण बातें सुनीं और उन्हें जीवन में अनुशासन, मेहनत एवं लगन को अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जीवन में अनुशासन सफलता की पहली सीढ़ी है। जो विद्यार्थी अपने समय का सदुपयोग करते हैं।

एक नजर

आपरेशन निश्चय के तहत 12 प्रकरणों में 13 लोगों को गिरफ्तार किया गया

बलौदाबाजार 13 अक्टूबर। जिला बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा अवैध

गतिविधियों में लिप्त आरोपियों की धरपकड़ कार्रवाई लगातार जारी है। इसी क्रम में पुलिस महानिरीक्षक रायपुर क्षेत्र, रायपुर श्री अमरेश मिश्रा के निर्देशन में रायपुर रेंज के सभी जिलों रायपुर, महासमुंद, गरियाबंद, धमतरी सहित जिला बलौदाबाजार-भाटापारा में असामाजिक तत्वों एवं अवैध कार्यों में लिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए ÷आपरेशन निश्चय 3.0÷ चलाने हेतु निर्देशित किया गया। उक्त निर्देशों के परिपालन में पुलिस अधीक्षक श्रीमती भावना गुप्ता के मार्गदर्शन में आज दिनांक 11.10.2025 के तड़के सुबह 04:00 बजे श्री अभिषेक सिंह अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बलौदाबाजार एवं श्री हेमसागर सिदार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भाटापारा के नेतृत्व में पुलिस की अलग-अलग 25 टीमों द्वारा नशे के सामानों की बिक्री/तस्करी करने वाले आरोपियों, स्थाई वारंटी एवं शांति व्यवस्था बाधित करने वाले लोगों के संभावित ठिकाने पर पुलिस टीम द्वारा एक साथ दबिश दिया गया। पुलिस टीम द्वारा आपरेशन निश्चय 3.0÷ पूरे जिले में चलाया जा रहा है। आपरेशन निश्चय 3.0 में पुलिस की अलग-अलग टीमों द्वारा अभी तक 57 स्थानों में आकस्मिक दबिश दिया गया है। आपरेशन निश्चय 3.0 के तहत 12 प्रकरण में 13 आरोपियों को नशे का सामान बिक्री करते हुए गिरफ्तार कर, उनसे 3.948 किलोग्राम गांजा जप्त किया गया है। अवैध रूप से शराब बिक्री करने वाले 38 आरोपियों को गिरफ्तार कर, उनसे 133.540 लीटर शराब जप्त किया गया। इसी क्रम में अपने पास धारदार हथियार रखने वाले 03 आरोपियों के विरुद्ध आर्म्स एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है। आपरेशन निश्चय 3.0 के तहत पुलिस टीम द्वारा शांति व्यवस्था बाधित करने वाले 31 आरोपियों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत कार्रवाई की गई है।

बच्चे के अपहरण करने का प्रयास करने वाले गिरफ्तार

डोंगरगढ़ 13 अक्टूबर। 11 अक्टूबर 2025 को प्रार्थी घनश्याम लहरे पिता स्व0 सतोष लहरे उम्र- 35 साल निवासी कचहरी चौक वार्ड न0- 22 सतनामी पारा डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव छ0ग0 के 10 वर्ष का लड़का अपने घर गेट के सामने बाहर खेल रहा था उसी दौरान 02 अज्ञात व्यक्ति द्वारा अपहरण करने का प्रयास कर रहे थे इस संदर्भ में 02 आरोपियों को पकड़ा गया एवं पुछताछ करने पर दोनों अपना नाम 01. तरीकत शाह 02. दिलदार शाह दोनों निवासी बाबाटोली आमगांव खुर्द थाना साल्हेकसा जिला गोंदिया महा0 का रहने वाला बताये की रिपोर्ट पर थाना डोंगरगढ़ में अपराध क्र0- 518/2025 धारा- 137(2), 139(1), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। घटना की गंभीरता को देखते हुये पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग, एएसपी राहुल देव शर्मा व एसडीओपी डोंगरगढ़ आशीष कुंजाम को घटना से अवगत कराकर प्राप्त दिशा-निर्देशानुसार विवेचना कार्यवाही करते हुये आरोपिगण से पुछताछ किये जो बच्चे को अकेला एवं सुनसान देखकर अपने साथ अपहरण कर ले जा रहे थे बताये। आरोपीगण के विरूद्ध धारा सदर का अपराध घटित करना सबुत पाये जाने से 11 अक्टूबर 2025 को विधिवत गिरफ्तार कर आज दिनांक को न्यायालय में पेश कर ज्युडिशियल रिमाण्ड पर भेजा गया है।

किसानों को अधिक वर्षा से प्रभावित फसल की क्षतिपूर्ति के लिए मिलेगी राहत

राजनांदगांव 13 अक्टूबर। जिले में लगातार हो रही वर्षा से दलहन एवं तिलहन फसल के क्षति होने की संभावना बढ़ गई है। जिसके कारण खेतों में काट कर रखे गए फसल के साथ-साथ खड़ी फसल को भी नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमित किसान जिले हेतु अधिसूचित बीमा कंपनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के बीमा प्रतिनिधि, कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों से संपर्क कर फसलों को हुए क्षति के बारे जानकारी दे सकते है। इसके साथ ही बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर पर सूचना देकर या चैट बॉक्स में मैसेज कर फसल क्षति की जानकारी दे सकते हैं। जिससे जानकारी प्राप्त होने के तुरंत बाद बीमा कंपनी के प्रतिनिधि किसानों के खेतों का निरीक्षण कर आकलन के आधार पर 25 प्रतिशत दावा भुगतान की राशि व्यक्तिगत क्षतिपूर्ति हेतु जारी करने कार्रवाई कर सकते है। उपसंचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि स्थानीय आपदा अंतर्गत अत्यधिक वर्षा से खेत में काट कर रखें फसलों को नुकसान होने पर किसान प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत व्यक्तिगत क्षतिपूर्ति दावा कर भुगतान प्राप्त कर सकते है। जिन किसानों ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत फसल बीमा करवाया है, तो गैर ऋणी व ऋणी कृषक बारिश व आपदा से फसल कटाई के 14 दिवस तक कटाई उपरांत खेत में पड़ी फसल खराब होने की दशा में टोल फ्री नंबर 14447 या क्रॉप इंस्योरेंश एप या पीएमएफबीवाय वॉट्सएप चेटबोट 7065514447 पर शिकायत 72 घंटे के अंदर दर्ज करा सकते है। जिससे कंपनी द्वारा उनके खराब फसल का निर्धारित समय में सर्वे कर किया जा सके और किसान को उचित मुआवजा मिल सके। चैट बॉट के माध्यम से कृषक अपने रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से व्हाट्सएप चैट बॉट नंबर 7065514447 पर मैसेज कर सीधे फसल खराब की शिकायत दर्ज करा सकते है।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नगरीय प्रशासन विभाग के कार्यों की समीक्षा की

सभी निकायों में दीपावली के पूर्व वेतन भुगतान सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

रायपुर, 13 अक्टूबर। उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव ने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में वरिष्ठ विभागीय अधिकारियों की बैठक लेकर कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने दीपावली के पहले सभी नगरीय निकायों में कर्मचारियों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के मंत्रालय, संचालनालय और सूडा की टीम को बेहतर समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से कार्य करते हुए लेट-लतीफी से बचने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी कार्य तय समय-सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ धरातल पर नजर आने चाहिए। नगरीय प्रशासन विभाग के सचिव डॉ. बसवराजु एस. और संयुक्त सचिव डॉ. रेणुका श्रीवास्तव भी समीक्षा बैठक में शामिल हुईं।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नगरीय निकायों में विकास कार्यों की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए समयबद्ध क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने गोधाम योजना के क्रियान्वयन के लिए कार्ययोजना को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए हरित आवरण बढ़ाने हेतु एक समग्र कार्ययोजना तैयार कर प्रस्ताव प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने इसके लिए राज्य प्रवर्तित योजना के अंतर्गत राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। उन्होंने इसकी प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए राज्य स्तर पर नोडल अधिकारी भी नियुक्त करने को कहा।

समीक्षा बैठक में नगरीय निकायों के लंबित विद्युत देयकों की समीक्षा की गई। श्री साव ने एनर्जी बिल ऑडिट की अद्यतन स्थिति की जानकारी लेते हुए प्राप्त सुझावों के त्वरित क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने सरचार्ज एवं अतिरिक्त भार से होने वाले आर्थिक नुकसान को रोकने के लिए निकायों के सीएमओ, लेखापाल व अभियंताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित करने के निर्देश दिए। श्री साव ने बैठक में नवगठित नगरीय निकायों को आवश्यक आधारभूत सुविधाओं के लिए अधोसंरचना मद, चुंगी कर अथवा अन्य स्त्रोतों से राशि स्वीकृत कर कार्य कराने की कार्ययोजना प्रस्तुत करने को कहा। उन्होंने नवीन निकायों को शीघ्र आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने नालंदा परिसरों, अटल परिसरों तथा बजट में शामिल अन्य योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि नगरीय निकायों को सर्वांगीण विकास के लिए सरकार द्वारा भरपूर राशि प्रदान की जा रही है, अतः सभी अधिकारी योजनाओं का त्वरित क्रियान्वयन सुनिश्चित करें, ताकि नागरिकों को इनका शीघ्र लाभ मिल सके। बैठक में नगरीय निकायों के अधिकारियों-कर्मचारियों की पदोन्नति, रिक्त पदों पर भर्ती,

दुकानों के नियमानुसार सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कार्रवाई करने को कहा

उप मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों की चल-अचल संपत्ति, मशीनरी, वाहनों आदि की ऑडिट कर अद्यतन स्थिति की समीक्षा करने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यावसायिक परिसरों एवं दुकानों के नियमानुसार सुचारू संचालन के लिए आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने मुक्ति धामों को समुचित सुविधाओं से सुसज्जित करने के लिए शवदाह हेतु शेड, प्रतीक्षालय, पेयजल, गार्ड कक्ष, बाउंड्रीवाल आदि निर्माण के लिए सूडा की राज्य प्रवर्तित योजना से राशि आबंटित करने के निर्देश दिए। राज्य शहरी विकास अभिकरण (सूडा) के सीईओ श्री शशांक पाण्डेय, अतिरिक्त सीईओ श्री दुष्यंत कुमार रायस्त, उप सचिव डॉ. ऋतु वर्मा, अपर संचालक श्री पुलक भट्टाचार्य और मुख्य अभियंता श्री राजेश शर्मा भी समीक्षा बैठक में मौजूद थे।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना से हर घर बन रहा ऊर्जा दाता

रायपुर, 13 अक्टूबर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना ने आम नागरिकों के जीवन में ऊर्जा आत्मनिर्भरता का नया अध्याय जोड़ा है। पारंपरिक बिजली उपभोक्ता अब स्वयं ऊर्जा उत्पादक बन रहे हैं। बेमेतरा जिले के पंजाबी कॉलोनी निवासी श्री इंदर सिंह दत्ता ने अपने मकान की छत पर 3 किलोवाट क्षमता का सोलर रूफटॉप प्लांट स्थापित कर इस योजना का लाभ प्राप्त किया है। मात्र एक माह में उनके प्लांट से 300 से अधिक यूनिट बिजली का उत्पादन हुआ है। इससे न केवल उनके बिजली बिल में कमी आई है, बल्कि अतिरिक्त बिजली से उन्हें आय अर्जित करने का अवसर भी प्राप्त हो रहा है। इस योजना के अंतर्गत 3 किलोवाट सोलर प्लांट पर केंद्र सरकार से 78 हजार रूपए एवं राज्य सरकार से 30 हजार रूपए की सब्सिडी दी जा रही है। उपभोक्ता को कुल एक लाख 8 हजार रूपए की आर्थिक सहायता मिलती है। डबल सब्सिडी से उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ उठाने में मदद मिली है। लोग सौर ऊर्जा को अपनाने के लिए बड़ी संख्या में आगे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना न केवल आम नागरिकों को आर्थिक रूप से सशक्त बना रही है, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है। इस योजना से हर घर सौर - हर घर रोशन÷ का लक्ष्य साकार होता दिखाई दे रहा है।

साहनीखार के ग्रामीणों ने विधायक से की खराब सड़क की मरम्मत कराने की मांग

नगरी-सिहावा, 13 अक्टूबर। धमतरी जिले के आदिवासी विकासखंड के ग्राम ग्राम पंचायत लटियारा के आश्रित गांव साहनीखार के सैकड़ों ग्रामीणों ने रविवार को क्षेत्रीय विधायक अंबिका मरकाम के निवास पर पहुंचकर अपने क्षेत्र की बदहाल सड़कों को जल्द दुरुस्त करवाने की गुहार लगाई। ग्रामीणों ने कहा कि हर दिन जान जोखिम में डालकर आवागमन करना पड़ता है, लेकिन शासन-प्रशासन और लोक निर्माण विभाग पूरी तरह मौन है। साहनीखार समेत आसपास के गांवों को जोड़ने वाली मुख्य सड़क जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। बरसात के दिनों में इस रास्ते पर कीचड़ और पानी जमा हो जाता है, जिससे स्कूली बच्चों, किसानों और मरीजों सहित सभी ग्रामीणों को भारी परेशानी होती है। ग्रामीणों के अनुसार, लोक निर्माण विभाग एवं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क विभाग द्वारा वर्षों से सड़क मरम्मत की कोई पहल नहीं की गई। विभागीय उदासीनता के कारण अब इस सड़क पर वाहन चलाना तो दूर, पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है। कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। ग्रामीणों के प्रतिनिधिमंडल में सरपंच श्री रुपेश कुमार ध्रुव, पोखन दास पटेल, लीलम्बर सिंह नेताम, मदन लाल मंडावी, पतीन्द्र नेताम, सेवन दाश, राम गुलाल नेताम, पंच श्रीमती रुखामनी नागवंशी सहित समस्त पंच गण शामिल रहे।

वनमंत्री ने 48 लाख रुपए से अधिक के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन

रायपुर, 13 अक्टूबर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप ने आज बस्तर विकासखंड के ग्राम चमिया में 48 लाख रुपए से अधिक की लागत वाले विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन किया। यह कार्य ग्रामीण इलाकों में सुविधाओं के विस्तार और अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए किए जा रहे हैं। वन मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार हर गाँव तक विकास पहुँचाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सुशासन की सरकार में मातृशक्ति को विशेष सम्मान मिला है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ग्राम पंचायत चमिया में 30 लाख रुपए की लागत से 'महतारी सदन' का निर्माण किया जाएगा। यह भवन महिलाओं के लिए सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा, जहाँ स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ प्रशिक्षण प्राप्त करेंगी और रोजगार के नए अवसर पाएंगी। इसके अलावा, ग्राम बड़े अलनार में 6.10 लाख रुपए की लागत से पुलिया निर्माण और छोटे अलनार में 12.40 लाख रुपए की लागत से उचित मूल्य दुकान भवन का निर्माण किया जाएगा।

समाचार संक्षेप

मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की पहल से खजरीढाप में लौटी रोशनी

रायपुर, 13 अक्टूबर। जशपुर जिले के बगिया स्थित मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय की त्वरित पहल से विकासखंड पत्थलगांव के ग्राम पंचायत खजरीढाप स्थित गांधी चौक मोहल्ला में बाधित विद्युत आपूर्ति पुनः प्रारंभ हो गई है। ट्रांसफार्मर खराब होने के कारण पिछले कुछ दिनों से क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित थी, जिससे ग्रामीणों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय द्वारा मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित पहल की जिसके फलस्वरूप विद्युत विभाग ने क्षतिग्रस्त ट्रांसफार्मर को बदलकर बिजली आपूर्ति सुचारू कर दी। समस्या के त्वरित निदान पर ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का आभार जताया है। यहां यह उल्लेखनीय है कि जनसामान्य की समस्याओं की सुनवाई और निदान के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बगिया में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थापित किया गया है। यहां प्राप्त होने वाली शिकायतों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। विशेष रूप से बिजली, पानी एवं स्वास्थ्य जैसी बुनियादी समस्याओं के मामले में कैंप कार्यालय द्वारा तत्परता से की जा रही कार्रवाई से जनमानस का विश्वास बढ़ा है।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव में परिवहन विभाग ने सड़क सुरक्षा के प्रति नागरिकों को किया जागरूक

राजनांदगांव 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव पर परिवहन विभाग द्वारा राजनांदगांव जिला आगमन पर विश्व शांति विश्व पदयात्री व रथयात्री, पर्वतारोही टीम के साथ यातायात, परिवहन, सड़क सुरक्षा पर नागरिकों को जागरूक किया गया। जागरूकता कार्यक्रम के तहत चौक-चौराहों पर मोटर सायकल चालकों को यातायात नियमों की जानकारी दी गई। साथ ही हेलमेट पहने चालकों को पुष्पगुच्छ देकर प्रोत्साहित किया गया। मोटरयान नियमों का उल्लंघन करने वाले को हार पहनाकर नियमों का पालन करने व मोटर सायकल चलाते समय हेलमेट पहनने की अपील की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों को हार पहनाकर नियमों का पालन करने तथा चार पहिया वाहन चालकों को पुष्पगुच्छ भेंट कर कार चलाते समय सीट बेल्ट पहनने का आग्रह किया गया। नीरज बाजपाई इन्टरनेशनल स्कूल बोरी, युगांतर पब्लिक स्कूल सुंदरा के छात्र-छात्राओं व शिक्षकों को यातायात, सड़क सुरक्षा व पर्यावरण सुरक्षा के

डॉ. अमरोहित कोरिया साहित्य महोत्सव में किए गए सम्मानित

रायपुर 13 अक्टूबर। मेडिकल कॉलेज रायपुर के पूर्व चिकित्सक, छत्तीसगढ़ी साहित्यकार डॉ. गीतेश अमरोहित का बैकुंठपुर जिला कोरिया में आयोजित दो दिवसीय साहित्य महोत्सव में कोसम सम्मान से सम्मानित किया गया. डॉ. अमरोहित को यह सम्मान छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी साहित्य लेखन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान हेतु छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के हाथों प्रदान किया गया. जिला प्रशासन कोरिया और टीम अभिव्यक्ति द्वारा आयोजित दो दिवसीय इस साहित्य महोत्सव में डॉ. गीतेश अमरोहित ने छत्तीसगढ़ का इतिहास, संस्कृति और अनूठी परंपरा विषय पर श्रोताओं को रोचक जानकारी भी प्रदान की. डॉ. गीतेश अमरोहित ने छत्तीसगढ़ और छत्तीसगढ़ी भाषा साहित्य पर दर्जन भर से अधिक प्रामाणिक पुस्तकों का लेखन किया है।

सिमगा में विजयदशमी पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने नगर में अनुशासित पथ संचलन किया

सिमगा 13 अक्टूबर। विजयदशमी के पावन अवसर पर सिमगा में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा भव्य शक्ति जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शाखा के स्वयंसेवकों ने सिमगा थाना से प्रारंभ कर नगर भ्रमण किया, जिसमें अनुशासित पथ संचलन और देशभक्ति के नारे गूंजते रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में राष्ट्रभक्ति और संगठन के प्रति जागरूकता फैलाना था।

मुख्य वक्ता बिजेंद्र शुक्ला, संचालक गुरुकुल आई.सी.एस. एकेडमी एवं सचिव, जम्मू कश्मीर अध्ययन केंद्र, छत्तीसगढ़ ने विजयदशमी के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए युवा पीढ़ी को राष्ट्र निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा दी। मुख्य अतिथि राकेश कुमार ध्रुव, पूर्व सैनिक (भारतीय थल सेना) ने अपने अनुभव साझा करते हुए देश सेवा की भावना को प्रबल करने का आह्वान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता चिमन देवांगन, खण्ड संघ चालक, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सिमगा ने की। उन्होंने संघ की कार्यशैली एवं संगठनात्मक मूल्यों पर बल दिया। नगरवासियों ने पूरे उत्साह से कार्यक्रम में भाग लिया, जिससे समूचा वातावरण देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हो गया।

युवा सिख संगठन ने बनसांकरा से मोटरसाइकिल रैली के साथ यात्रा प्रारंभ की

गुरु तेगबहादुर के 350वें शहीदी दिवस पर निकली शहीदी यात्रा का स्वागत किया

सिमगा 13 अक्टूबर। आज सिमगा नगर में सिख धर्म के नौवें गुरु धन धन श्री गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में छत्तीसगढ़ सिख समाज द्वारा भव्य शहीदी यात्रा निकाली गई। सिमगा नगर में सिख समाज एवं नगरवासियों ने इस यात्रा का खालसाई शान और श्रद्धा के साथ स्वागत किया।

युवा सिख संगठन द्वारा बनसांकरा से मोटरसाइकिल रैली के साथ यात्रा प्रारंभ की गई, जो गुरुद्वारा नानक दरबार पहुंची। वहां पंज प्यारों की उपस्थिति में अरदास की गई और प्रसाद वितरण के उपरांत नाश्ते का लंगर लगाया गया।

इस अवसर पर विधायक प्रतिनिधि श्री शैली भाटिया ने अपने उद्बोधन में कहा कि गुरु तेग बहादुर जी सिख धर्म के ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने धर्म, मानवता और सत्य की

रक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि गुरु तेग बहादुर जी की शहादत न केवल सिख समुदाय बल्कि पूरे मानव समाज के लिए प्रेरणा का स्त्रोत है। जब मुग़ल शासक औरंगजेब द्वारा जबरन धर्म परिवर्तन कराया जा रहा था, तब गुरु तेग बहादुर जी ने सबका धर्म बचाने के लिए अपना शीश दे दिया, पर सिर नहीं झुकाया।

शैली भाटिया ने आगे कहा कि आज के युग में गुरु तेग बहादुर जी की शिक्षाएं पहले से अधिक प्रासंगिक हैं – धर्म की रक्षा, मानवता की सेवा, और समानता का संदेश हर इंसान के जीवन का मार्गदर्शन करना चाहिए। उन्होंने उपस्थित संगत से गुरु के उपदेशों को अपने जीवन में अपनाने का आह्वान किया और कहा कि ऐसी यात्राएँ समाज में एकता, भाईचारे और मानवता का संदेश फैलाती हैं। जय स्तंभ चौक पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने यात्रा पर फूलों की वर्षा कर स्वागत किया

इस अवसर पर प्रमुख रूप से अमरजीत सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष श्री हरदीप सिंह, प्रितपाल सिंह, सन्नी भाटिया, गगन भाटिया, रिंकू भाटिया, गुरमीत सिंह, कुलवंत मान, जंगबहादुर भाटिया, मंजीत भाटिया, बिट्टू भाटिया, गोगजी भाटिया, काकू भाटिया, रवि भाटिया, माया सलूजा, करन भाटिया, सोनू सलूजा, मनीष सलूजा, जयदीप भाटिया, जश्नदीप भाटिया, राज भाटिया, अंकुश भाटिया, दशरथ चंद्राकर, किशन एडवानी, कन्हैया पंजवानी, विजय एडवानी, गगन तिवारी, सतीश देवांगन, श्लोक भाटिया, अरशन भाटिया, असवीर भाटिया, अबीर भाटिया, परमजीत कौर, हरदीप कौर, जसबीर कौर, तजिंदर कौर, हरविंदर कौर, रविंदर कौर, रजिंदर कौर, डिंपी भाटिया, डिंपल भाटिया, मिन्नी भाटिया, मंदीप भाटिया, रीटा भाटिया, रीत कौर, बबल भाटिया, प्रीत भाटिया, रज्जी भाटिया, मंजीत मान, अमन मान, ममता सलूजा, सिमरन सलूजा, श्वेता सलूजा, शिल्पी भाटिया, जिंदर भाटिया, सिमरन भाटिया, खुशी भाटिया, रतन भाटिया, अरशीन, असरीत, प्रभगुन, मनरूप कौर, नवरीत, सुखरीत कौर, अक्षदीप मान सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

पूरा नगर ÷वाहे गुरु जी का खालसा, वाहे गुरु जी की फतेह÷ एवं ÷हिंद दी चादर गुरु तेग बहादुर÷के जयकारों से गूंज उठा और नगर का वातावरण पूर्णतः आध्यात्मिक और श्रद्धामय बना रहा।

दो साल की तरह धान खरीदी 15 नवंबर से

संपादकीय

छत्तीसगढ़ की राजनीति में किसानों को बड़ा महत्व है। चुनावी हारजीत में उनकी निर्णायक भूमिका होती है। जो राजनीतिक दल उनको सबसे ज्यादा प्रभावित करता है,यह साबित करने में सफल रहता है कि वही उसका सबसे बड़ा हितैषी है तो चुनाव में उस राजनीतिक दल के जीतने की संभावना ज्यादा होती है।यही वजह है कि जब भी धान खरीदी होती है तो सरकार उसे पूरी गंभीरता से लेती है और किसानों को यह बताने का प्रयास करती है कि पिछली सरकार से हमारी धान खरीदी की व्यवस्था ज्यादा अच्छी है, धान खरीदी में हमने किसानों का ज्यादा अच्छे से ख्याल रखा है। वही जो राजनीतिक दल सत्ता में नहीं रहता है वह सरकार की धान खरीदी की तारीख से लेकर हर तरह की व्यवस्था को अपर्याप्त बताता है।

साय सरकार ने पिछली बार की तरह इस बार भी धान खरीदी १५ नवंबर से करने की घोषणा की है। सरकार की इस बार की धान खरीदी नीति के अनुसार धानखरीदी १५ नवंबर से ३१ जनवरी तक होगी।इस दौरान २५ लाख किसानों से ३१०० रुपए प्रति क्विंटल के हिसाब से प्रति एकड़ २१ क्विंटल धान खरीदा जाएगा।समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के बाद पैसे का भुगतान सात दिन में किया जाएगा तथा अंतर की राशि अलग से दी जाएगी। इस बार धान खरीदी में पारदर्शिता के लिए एग्रीस्टेक पोर्टल में किसान पंजीयन अनिवार्य किया गया है। इससे किसान की सही पहचान हो सकेगी तथा डुप्लीकेशन व दोहराव की समस्या नहीं होगी। इस बार डिजिटल क्राप सर्वे कराया गया है ताकि धान बेचने व खरीदने में कोई गड़बड़ी न हो। पिछली बार की तरह इस बार भी किसानों को धान बेचने में किसी तरह की परेशानी न हो इसके लिए टोकन की व्यवस्था की गई है। यह व्यवस्था आनलाइन होने के कारण किसानों को टोकन लेने में कोई दिक्कत नहीं होगी। किसान अपनी सुविधा के अनुसार टोकन ले सकते हैं और धान बेच सकते हैं। इस बार धान खरीदी के लिए २७३० धान खरीदी केंद्र बनाए गए हैं। पिछली बार की तरह इस बार भी १६० लाख धान खरीदी की लक्ष्य है।इस बार राज्य सरकार को सेंट्रल पूल में ७३ लाख टन चावल देना है। इस बार यह निर्णय किया गया है कि समिति द्वारा खराब धान यानी शून्य सुखत की स्थिति में लाई जाती है तो उसे ५ रुपए प्रति क्विंटल की दर से प्रोत्साहन राशि दी जाएगी। धान खरीदी के लिए बारदाने की व्यवस्था जरूरत के हिसाब से की जाएगी।अह राज्यों से आने वाले धान को रोकने के लिए सीमावर्ती क्षेत्रों में कड़ी निगरानी की जाएगी। सरकार की कोशिश होती है कि किसानों से पिछली बार से ज्यादा धान खरीदा जाए,इसलिए धान खरीदी का लक्ष्य ज्यादा रखा जाताहै। इस बार धान उत्पादन ज्यादा होने की संभावना है इसलिए उम्मीद है कि पिछली बार ज्यादा धान खरीदा जाएगा। पिछली बार २४.८१ लाख किसानों से १४९ लाख टन धान की खरीदी की गई थी, इस बार हो सकता है कि इस बार इससे ज्यादा खरीदी की जाए। पिछली बार किसानों को तीस हजार करोड़ का भुगतान किया गया था इस बार इससे ज्यादा का भुगतान हो। राज्य में सरकार किसी की भी हो धान खरीदी की तारीख को लेकर विवाद तो होता है, सरकार ने १५ नवंबर धान खरीदने का फैसला किया है तो कांग्रेस मांग कर रही है कि सरकार को एक नवंबर से धान खरीदी शुरू करना चाहिए। कांग्रेस का कहना है कि एक नवंबर तक किसानों का धान खेत से खलिहान तक बेचने के लिए तैयार हो जाता है, यदि १५ नवंबर से धान खरीदी शुरू की जाती है तो किसानों के इसके लिए १५ दिन इंतजार करना होगा। कांग्रेस का यह भी कहना है कि किसानों को पंजीयन में परेशानी हो रही है इस वजह अब तक २१ लाखकिसानों का ही पंजीयन हो सका है। पिछले साल २८ लाख किसानों ने धान बेचा था इस हिसाब से अब तक ७ लाख किसानों का पंजीयन होना है।कांग्रेस का कहना है सरकार ने २५ लाख किसानों का धान खरीदने की बात कही है इसका मतलब है कि वह इस बार सभी किसानों का धान नहीं खरीदने वाली है। कांग्रेस का कहना है कि सरकार ने बारदाने की व्यवस्था भी अभी नहीं की है जब कि सरकार को मालूम है कि हर साल धान खरीदी बारदाने की कमी से प्रभावित होती है। कांग्रेस के बाद भारतीय किसान संघ ने धान खरीदी को लेकर अपनी अलग मांगें की है तथा अपनी मांगों को लेकर १३ अक्टूबर को सीएम हाउस का घेराव करने की घोषणा की है। भारतीय किसान संघ का कहना है कि सरकार दो वर्ष के समर्थन मूल्य की वृध्दि १८६ रुपए जोड़कर इस बार धान खरीदी ३२८६ रुपए में करे।जहां तक समर्थन मूल्य में वृध्दि की बात है तो केंद्र सरकार हर साल इसमें वृध्दि करती है लेकिन राज्य सरकार चाहे वह भूपेश बघेल की रही हो या साय सरकार हो वह इसे जोड़कर नहीं देती है। भूपेश सरकार ने २५०० रुपए में धान खरीदने की घोषणा थी उसने हर साल इतने में ही धान खरीदा और उनको समर्थन मूल्य जोड़कर देने की जरूरत इसलिए नहीं है कि क्योंकि वह देश में किसानों को धान का मूल्य सबसे ज्यादा दे रहे हैं। जो बात भूपेश सरकार कहती है, वह बात साय सरकार भी कह सकती है कि हम तो किसानों को पहले से पूरे देश में सबसे ज्यादा पैसा दे रहे हैं। इसलिए हमको समर्थन मूल्य जोड़कर देने की जरूरत नहीं है। यह यहां के सरकारों की परंपरा है, साय सरकार भी इस परंपरा को निभा रही है तो इसमें गलत कुछ नहीं है।

अंडमान-निकोबार के विकास में कांग्रेस बनती रोड़ा

राजनीति

प्रमोद भार्गव

महान निकोबार ढांचागत परियोजना के विकास में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी रोड़ा बन रही हैं। इस परियोजना पर नाराजगी जताते हुए उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में कहा है कि 'षोम्पेन और निकोबारी जनजातियों का अस्तित्व इस परियोजना के चलते दांव पर है। भविश्य की पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता एक विशिश्ट पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश की अनुमति नहीं दे सकती। हमें न्याय के इस उपहास और राश्ट्रीय मूल्यों के साथ इस विश्वासघात के विरुद्ध अपनी आवाज उठानी चाहिए।' इसके पहले राहुल गांधी ने भी जनजातीय मामलों के मंत्री जुएल ओराम को लिखे पत्र में इस परियोजना पर आपत्ति जताई थी। विडंबना देखिए मां-बेटे को एक अत्यंत संरचनात्मक विकास परियोजना पर तो आपत्ति है, लेकिन उन्हें कभी आदिवासियों के ईसाई और इस्लामीकरण पर आपत्ति नहीं होती है। दोनों के मुख से कभी नहीं सुना गया कि जबरन धर्मांतरण कतई न्यायसंगत नहीं है। दूरांचल में समुद्र तटीय क्षेत्रों में भारत विकास की दृष्टि से पीछे रहा है। उन तटीय क्षेत्रों पर भी हमने ध्यान नहीं दिया, जो देश के लिए नई आर्थिकि और चीन जैसे देश से चुनौती के लिए सामरिक दृष्टि से अहम् हो सकते हैं। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह इस नाते अछूता है। इस परिप्रेक्ष्य में हम इस क्षेत्र को एक तो प्रसिद्ध सेल्यूलर जेल के नाम से जानते हैं, जो अब राष्ट्रीय स्मारक है। दूसरे उन जनजातियों के लिए जानते हैं, जो आज भी भारत की मुख्यधारा का हिस्सा नहीं बन पाई हैं नतीजतन अपनी परंपरागत प्राकृतिक अवस्था में रहकर प्रकृति से ही गुजर-बसर कर रही हैं। किंतु अब इस उपेक्षित क्षेत्र की तस्वीर बदलने जा रही है। सिंगापुर की तर्ज पर निकोबार के तट का विकास केंद्र सरकार बड़ी मात्रा में धन का निवेश करके 'महान निकोबार द्वीप परियोजना' (जीएनआई) के अंतर्गत कर रही है। 75 हजार करोड़ की इस बृहद परियोजना के तहत कई परियोजनाओं को अंजाम तक पहुंचाने की तैयारी है। निकोबार द्वीप समूह 10 हजार 44 वर्ग किमी क्षेत्र में फैला है। बंगाल की खाड़ी में पोत परिवहन को नया आयाम देते हुए 10 हजार करोड़ रुपए की लागत से एक पोतांतरण बंदरगाह (ट्रांसशिपमेंट पोर्ट) का निर्माण करने की योजना निर्माणाधीन है। यह बंदरगाह विकास से जुड़ी गतिविधियों के बड़े केंद्र के रूप में विकसित होगा। विकास के इसी क्रम में चेन्नई से अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह तक तेज इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराने वाली देश की पहली समुद्री ऑप्टिकल फाइबर परियोजना का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 अगस्त 2022 को कर चुके हैं। देश की मुख्य भूमि से 2312 किसी दूर तक तार को समुद्री जल के भीतर बिछाया गया है। इस कठिन और चुनौतीपूर्ण कार्य में 1224 करोड़ रुपए खर्च हुए हैं। इस बंदरगाह को समुद्री जल मार्ग की प्रमुख गतिविधियों के केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। वैसे भी यह क्षेत्र दुनिया के कई पोतांतरण बंदरगाहों की तुलना में काफी प्रतिस्पर्धा दूरी पर स्थित है। बदलती जरूरतों के परिप्रेक्ष्य में पूरी दुनिया यह माकर चल रही है कि जिस देश में हवाई अड्ढों और बंदरगाहों का नेटवर्क और कनेक्टिविटि जितनी बेहतर होगी, इक्कीसवीं सदी के व्यापार में वही देश अग्रणी रहेंगे। ऐसे में इस दूरांचल में ढांचागत सुविधाएं बढ़ेंगी तो अंचल का विकास तो होगा ही, अन्य भारतीयों से समरसता भी बढेगी। एक बार जब यह बंदरगाह बन जाएगा तो यहां बड़े-बड़े देशी-विदेशी जहाज भी रुकने लगेंगे ? इससे समुद्री व्यापार में भारत की हिस्सेदारी बढ़ेगी और युवाओं को नए रोजगार पैदा होंगे। अकुशल मजदूरों को भी काम-धंधा मिलेगा। इस द्वीप पर विकसित किए जा रहे माल-परिवहन के दो रणनीतिक कंटेनर पोतांतरण टर्मिनल के दो भौगोलिक फायदे होंगे। पहला, यह व्यस्त पूर्वी-पश्चिमी अंतरराश्ट्रीय जहाजरानी मार्ग के निकट है। अतएव षुरू होने के बाद यह पोतांतरण की बेहतर सुविधा देगा, नतीजतन व्यापारिक गतिविधियां बढ़ेंगी। दूसरे, इस क्षेत्र में आधुनिक ढंग से निर्मित जहाजों से माल उतारने-चढ़ाने की सुविधाएं बंदरगाह पर उपलब्ध होंगी, इस कारण बड़े जहाजों की आवाजाही बढ़ेगी। फिलहाल भारत के ज्यादातर बंदरगाहों पर बड़े जहाज बंदरगाह के प्लेटफॉर्म तक नहीं पहुंच पाते हैं। अतएव छोटे जहाजों में माल उतार व लादकर गंतव्य तक पहुंचने का अतिरिक्त श्रम व मजदूरी लगती है। इस प्रक्रिया में माल का खर्च बढ़ जाता है। अंडमान-निकोबार प्रशासन ने कुछ समय पहले ही महान निकोबार द्वीप की दक्षिणी खाड़ी में मुक्त व्यापार भंडारण क्षेत्र विकसित करने के लिए कंटेनर पोतांतरण टर्मिनल के लिए प्रक्रिया आरंभ की है। इससे भारतीय पोत परिवहन को कोलांबो (लंका), सिंगापुर और मलेशिया के क्लांग बंदरगाह में पोतांतरण का नया विकल्प हासिल होगा। दरअसल वर्तमान में भारत, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हर क्षेत्र में स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता के लिए एक दृढं संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। साथ ही वैश्विक स्तर पर विनिर्माण और वस्तुओं की आपूर्ति की कड़ी में अहम् भागीदारी कर खुद को एक विश्वसनीय कारोबारी के रूप में स्थापित करने में लगा है। इससे भारत को समुद्र में देशी-विदेशी यातायात और समुद्री संपदा से आर्थिकी और रोजगार के नए मार्ग खुलेंगे। चीन के निकट होने के कारण इस बंदरगाह का सामरिक रूप में भी रणनीतिक व कूटनीतिक उपयोग किया जा सकेगा। विकास पूर्ण हो जाने पर यहां मछलीपालन एक्वाकल्चर और सीवीड फॉर्मिंग का कारोबार बढ़ेगा। भारत के व्यापारी ही नहीं दुनिया के कई देश इस परिप्रेक्ष्य में व्यापार की बड़ी संभावनाएं देख रहे हैं। इस दृश्टि से पोर्टब्लेयर में एक पायलट परियोजना षुरू की गई थी, जिसके परिणाम उत्साहजनक रहे हैं। गुजरात के भावनगर स्थित 'केंद्रीय नमक व समुद्री रसायन अनुसंधान संस्थान' पिछले कई वर्शों से काम कर रहा है। भारत में लगभग 8,118 किमी समुद्र तटीय क्षेत्र है। इस पूरे क्षेत्र में मछलियों और समुद्री षैवाल व एल्गी का बड़ी मात्रा में प्राकृतिक रूप से उत्पादन होता है। प्रधानमंत्री 'मत्स्य संपदा योजना' के अंतर्गत 640 करोड़ रुपए इस संपदा को सुगम खाद्य पदार्थ में बदलने के लिए दिए गए हैं। अंडमान-निकोबार से लेकर समुद्र तटीय मछुआरों की हालत भी मैदानी क्षेत्रों में फैले गरीब व पराश्रित किसानों जैसी ही है। इन तटवर्ती क्षेत्रों में मछली पकड़कर आजीविका चलाने वाले मछुआरों की संख्या करीब आठ करोड़ है। बड़ी नदियों से मछली पकड़कर गुजारा करने वाले भी करीब तीन करोड़ मछुआरे हैं। गोया, तय है अंडमान-निकोबार क्षेत्र में तटवर्ती मछुआरों को इस क्षेत्र के विकास का सीधा लाभ मिलेगा। मछली और सीवीड का कारोबार बढ़ेगा, जिससे इस समुदाय की समृद्धि बढ़ेगी। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह का निकोबार क्षेत्र आरक्षित जैवमंडल (बायोस्फीयर) क्षेत्र में आता है। इसे 2013 में विशेश जैवमंडल का दर्जा दिया गया था। भारत में कुल 18 जैवमंडल क्षेत्र हैं, उनमें से एक निकोबार जनजातीय (आदिवासी) आरक्षित वन-भूमि की श्रेणी में है। इस समुद्री क्षेत्र में विशेश प्रजाति के लैदरबैक कछुए, खारे पानी में रहने वाले मगरमच्छ, निकोबारी केकड़े खाने वाले मकाक और प्रवासी पक्षी षामिल हैं। जिनका इस बहुआयामी विकास परियोजना से प्रभावित होना तय है। निर्माणाधीन पोतांतरण टर्मिनल, ऊर्जा संयंत्र, हवाई अड्ढा और आवासीय भवन भी बनाए जा रहे हैं। उत्तरी और मध्य अंडमान के बीच सड़क सुविधा को बेहतर बनाने के लिए दो बड़े पुल निर्माणाधीन हैं और यहां के राश्ट्रीय राजमार्ग का चौड़ीकरण किया जा रहा है। इस कारण पर्यावरण्विद् यह आशंका जता रहे हैं कि इससे यहां के प्राचीन वर्शावनों को भारी क्षति होगी। इन्हें हानि होगी तो कई दुर्लभ प्राणी व वनस्पतियों की प्रजातियां और इस भू-भाग का मानसून भी प्रभावित होगा। यही नहीं निकोबार द्वीप समूह में गिनती के रह गए जो जनजातीय समूह आदिम अवस्था में रहते हैं, उनका नैसर्गिक जीवन भी प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। इनमें शोम्पेन और निकोबारी वनवासी जनजातियां शामिल हैं। इनकी संख्या करीब 1761 है। निकोबार में एक विशेश प्रजाति का नहीं उड़ सकने वाला पक्षी मेगापॉड का भी घर है। दरअसल यह विकास गलाथि खाड़ी और कैम्पबेल खाड़ी राष्ट्रीय उद्यानों की दस किमी परिधि में होना है, जो पर्यावरणीय दृश्टि से अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र माना जाता है। हालांकि भारतीय प्राणी सर्वेक्षण और अंडमान-निकोबार प्रशासन के वन एवं पर्यावरण विभाग ने दावा किया है कि परियोजना से वन और प्राणियों को नुकसान नहीं होने दिया जाएगा। मैग्रोव वृक्षों का संरक्षण और दस हेक्टेयर में फैली मूंगा चट्टानों की 20,668 बस्तियों में से 16,150 बस्तियों की सुरक्षा मूलस्थान से खिसकाकर की जा रही है। अतएव पर्यावरणविदों और सोनिया राहुल की आपत्तियां बेवजह हैं।

यदि कुछ पर्यावरणीय हानि उठानी भी पड़ती है तो इसे इसलिए स्वीकारा जाना चाहिए, क्योंकि यह बृहद परियोजना राष्ट्रीय सुरक्षा और नागरिक उद्देश्यों की दृश्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसके तहत सैन्य-नागरिक उपयोग के लिए आवागमन के श्रेश्ठ उपाय किए जा रहे हैं। यहां के अधिकतर विकास कार्य भी नौसेना के नियंत्रण में होने हैं। महान निकोबार द्वीप देश के सुदूर और दुर्गम क्षेत्र का दक्षिणी भाग है। यहां से बंगाल की खाड़ी, दक्षिण और दक्षिण-पूर्वी एशियाई सागर क्षेत्र में भारत को सामरिक और व्यापारिक दृश्टि से महत्वपूर्ण व उपयोगी नियंत्रण की सुविधा इस क्षेत्र के संपूर्ण विकास के बाद हासिल हो जाने की उम्मीद है। दरअसल इसी दक्षिण सागर में चीन का जबरदस्त हस्तक्षेप है। चीन का प्रमुख व्यापार और साम्राज्यवादी दबदबा इसी मलक्का-जलडमरूमध्य में सबसे ज्यादा है। लंका तो यहां से निकट है ही, इंडोनेशिया का सुमात्रा द्वीप भी बमुश्किल 90 किमी की दूरी पर है। यह स्थल मलक्का' -जलडमरूमध्य के पश्चिमी प्रवेश द्वार के करीब है। खाड़ी से तेल ले जाने वाले और पश्चिम में वस्तुओं का निर्यात करने वाले चीनी जहाज मलक्का जलडमरू मध्य से ही गुजरते हैं। अतएव निकोबार द्वीप पर सैन्य सामग्री व युद्धपोतों को रखने एवं बनाने के लिए डॉकयार्ड भी यहां बनाए जा सकते हैं। साफ है, जब युद्धपोत यहां खड़े किए जाएंगे तो मिसाइलें भी स्थापित करने के उपाय किए जाएंगे। अतएव परियोजना के माध्यम से यह ढांचागत उपाय भारत की सामरिक रणनीति का भी हिस्सा है।

सू- दोकू क्र.198

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.197 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

शब्द सामर्थ्य -198

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

1		■	2	3	■	4	5	6
	■	7			■	■	8	
9			■	10		11	■	
■	■	12			■	13	14	
15	16		■	■	■	17		■
18		■	19	20			■	21
■	22	23			■	■	■	
■	■		■	■	24	■	25	
26			■	27				

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 197 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

चक्रव्यूह ज्यों उलझता जा रहा सुसाइड प्रकरण

सुशील कुमार 'नवीन'

त्वरित टिप्पणी- एडीजीपी सुसाइड

मैनेजमेंट का एक सीधा और सपाट फार्मूला है कि यदि छोटे नुकसान को भुगतने से बड़ा नुकसान टलता हो तो वह जोखिम उठा लेना चाहिए। समय की महता को ध्यान में रखकर लिया गया इस प्रकार का रणनीतिक निर्णय कई बार भविष्य के बड़े नुकसान से बचा जाता है। आप भी सोच रहे होंगे कि व्यंग्य की कक्षा के विद्यार्थी के श्रीमुख से आज नफा-नुकसान की चर्चा कैसे? अब एक नजर हरियाणा में चल रहे एक मामले पर डालते हैं। हरियाणा के एक वरिष्ठ आईपीएस वाई पूरन कुमार ने मंगलवार को कनपटी पर गोली मारकर खुदकुशी कर ली। चंडीगढ़ के सेक्टर-11 स्थित कोठी के साउंडप्रूफ कमरे में इस घटना को अंजाम दिया। पुलिस को मौके से 8 पेज का सुसाइड नोट और 1 पेज की वसीयत मिली है। सुसाइड नोट में कुछ वरिष्ठ आईपीएस, आईएएस अधिकारियों व रिटायर्ड अधिकारियों के नाम हैं। इन पर मानसिक रूप से प्रताड़ित करने के आरोप लगाए गए हैं। पूरन कुमार का 29 सितंबर को रोहतक स्थित सुनारिया पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में आईजी पद पर तबादला हुआ था। इससे पहले वे रोहतक रेंज के आईजी थे। पूरन कुमार ने 2 अक्टूबर को 2 दिन की छुट्टी ली थी। बुधवार को उन्हें ड्यूटी पर जाना था। इससे पहले उन्होंने आत्महत्या कर ली। सामान्य व्यक्ति द्वारा की गई ये आत्महत्या होती तो मामला कुछ घंटों या एक-दो दिन में निपट जाता, पर इस आत्महत्या ने तो केंद्र तक को हिलाकर रखा हुआ है। यहां तक प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी भी दो धड़ों में बंट नई परेशानी खड़ी किए हुए है। बड़े-बड़े अधिकारी मामले में अग्रणी हैं। मामले की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मृत एडीजीपी का परिवार डीजीपी शत्रुजीत कपूर और एसपी नरेंद्र बिजारणियां की गिरफ्तारी न होने तक पोस्टमार्टम न करवाने पर अड़ा है। सरकार के बड़े अफसरान से लेकर मंत्री समूह लगातार वार्ता पर वार्ता किए जा रहा है। परिणाम अभी भी जीरो है। इसी बीच जातिगत संगठनों और विपक्ष ने अलग से मोर्चा खोल दिया है। अब इस चक्रव्यूह से निपटा कैसे जाए, इसी के लिए नायब सरकार के अधिकारी दिन-रात लगे हुए हैं। चंडीगढ़ पुलिस ने 8 पेज के सुसाइड नोट के आधार पर एफआईआर तो दर्ज कर ली है। पर इससे अभी एडीजीपी का परिवार संतुष्ट नहीं है। मृतक की पत्नी और वरिष्ठ आईएएस अमनीत पी.कुमार के अनुसार एफआईआर अधूरी है। अब होना क्या चाहिए था। इस पर भी चर्चा होनी जरूरी है। मामला बड़ा तो शुरू से ही था। मृतक वरिष्ठ आईपीएस, आरोपी भी वरिष्ठ आईपीएस और आईएएस। कहना आसान है कि सरकार यदि इस मामले में शुरुआत में ही गंभीरता दिखाती तो मामला इतना आगे नहीं बढ़ पाता। सरकार द्वारा एक साथ इतने बड़े प्रशासनिक अमले पर कार्रवाई के आदेश में देरी मामले को और बढ़ा गई। अब मामला धीरे-धीरे जातीय और राजनीतिक रंग ले जाता जा रहा है। ऐसे में परिवार की प्रमुख मांग आरोपी अधिकारियों की गिरफ्तारी होनी जरूरी बन रही है। इससे पीड़ित परिवार को एक बार संबल प्राप्त होगा। जांच होती रहेगी। संवेदनशील मामलों पर प्रशासन और सरकार सबसे पहले यही काम तो करते हैं। अब नाम बड़े अधिकारियों के हैं तो बात थोड़ी गंभीर है। पर जितना ज्यादा समय बढ़ रहा है। परेशानी उतनी ही और ज्यादा बढ़ रही है। चाणक्य नीति में साफ कहा गया है कि -

नात्यन्तं सरलैर्भाव्यं गत्वा पश्य वनस्थलीम् ।
छिद्यन्ते सरलास्तत्र कुब्जास्तिष्ठन्ति पादपाः ॥

अर्थ है कि मनुष्य को अपने व्यवहार में बहुत ही भोलापन या सीधापन नहीं दिखाना चाहिए। ध्यान रहे वन में जो सीधे पेड़ पहले काटे जाते हैं, और जो पेड़ टेढ़े हैं वो खड़े रहते हैं। सरकार को चाहिए कि इस मामले में पुलिस प्रशासन को फ्री हैंड करें। जो तुरंत हो सकता है वो करें। शेष एसआईटी पर छोड़ दें। सारा मामला अपने आप सामने आ जायेगा।

रामधारी सिंह दिनकर की ये पंक्तियां मामले को और भी संबल देने का कार्य करेंगी-

समर शेष है, नहीं पाप का भागी केवल व्याध
जो तटस्थ हैं, समय लिखेगा उनके भी अपराध।

बेटियों की सुरक्षा पर गौर कम राजनीति ज्यादा

मनोज कुमार अग्रवाल

डेड़ साल बाद भी पश्चिमी बंगाल में वही दरिंदगी बर्बरता की वारदात सामने आई है जैसे कि पहले हुई थी ओडिशा की मेडिकल की छात्रा के साथ पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले में कुछ दरिंदों ने रेप किया. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. मामले में पुलिसने तीन शैतानों को गिरफ्तार किया है. यह घटना शुक्रवार रात दुर्गापुर स्थित निजी मेडिकल कॉलेज परिसर के बाहर हुई. उन्होंने बताया कि सेकेंड ईयर की छात्रा अपने एक मित्र के साथ डिनर के लिए बाहर गई थी. पश्चिम बंगाल में छात्राओं से रेप की घटनाएं इससे पहले भी हो चुकी हैं. आरजी कर मेडिकल कॉलेज में जूनियर महिला डॉक्टर की रेप के बाद हत्या ने पूरे देश को हिलाकर रख दिया था. इसके बाद एक लॉ कॉलेज की छात्रा के साथ भी रेप करने का मामला सामने आया था। देश के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने बेटियों की सुरक्षा और उनके अधिकारों को लेकर गंभीर चिंता जतायी है और कहा है कि अगर किसी देश की आत्मा को जानना हो, तो देखिए वो अपनी बेटियों के साथ कैसा व्यवहार करता है। सीजेआई का यह कथन न केवल एक संवेदनशील निरीक्षण है, बल्कि हमारे समाज के अंतःकरण को झकझोरने वाला सवाल भी है। जब देश की सर्वोच्च न्यायिक संस्था का प्रमुख यह पूछता है कि क्या हमारी बेटियां सच में सुरक्षित हैं?, तो यह महज एक कानूनी प्रश्न नहीं, बल्कि एक नैतिक चुनौती बन जाती है। सुप्रीम कोर्ट की किशोर न्याय समिति के तत्वावधान में यूनिसेफ इंडिया के सहयोग से 'बालिकाओं की सुरक्षा : भारत में उसके लिए एक सुरक्षित और सक्षम वातावरण' विषय पर आयोजित राष्ट्रीय वार्षिक हितधारक परामर्श सम्मेलन में मुख्य न्यायाधीश ने सवाल उठाते उठाते हुए कहा कि क्या हम यह कह सकते हैं कि हमारे बच्चे, खासतौर पर हमारी बेटियां, पूरी तरह सुरक्षित तहैं? हैं। क्या सुरक्षा उस जगह संभव है, जहां गरिमा छीनी जाती है, आवाजें दबा दी जाती हैं या सपनों को हालातों से बांध दिया जाता है? बालिका की सुरक्षा का मतलब सिर्फ संरक्षण नहीं, बल्कि सशक्तिकरण भी होना चाहिए, ताकि हर लड़की को देखा, सुना और महत्व दिया जा सके। सीजेआई ने संविधान के इतिहास की याद दिलाते हुए बताया कि महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष सुरक्षा का विचार भारत की आजादी के समय से ही संविधान में शामिल किया गया था। संविधान निर्माताओं ने राज्य को यह शक्ति दी कि वह महिलाओं और बच्चों के हित में विशेष कानून बना सके, क्योंकि उन्हें पता था कि बाल शोषण, गरीची और शिक्षा की कमी जैसी चुनौतियां हमारे समाज की जड़ में हैं। भारत का संविधान महिलाओं और बच्चों के लिए विशेष प्रावधानों की अनुमति देता है। अनुच्छेद 15(3) के अंतर्गत राज्य को यह अधिकार है कि यह उनके हित में विशेष कानून बना सके। यह दूरदर्शिता उन संविधान निर्माताओं की थी, जिन्होंने आजादी के तुरंत बाद यह समझ लिया था कि सामाजिक असमानता, बाल शोषण और शिक्षा की कमी देश की की जड़ों को कमजोर कर सकती है। यही कारण है कि आज हमारे पास किशोर न्याय अधिनियम, बाल विवाह निषेध कानून और पॉक्सो जैसे मजबूत कानूनी ढांचे हैं। सीजेआई गवई की टिप्पणी ने यह कठोर सच्चाई उजागर को कि कानून मौजूद हैं, पर उनका प्रभाव अभी भी सीमित है। आपको बता दें कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की हालिया रिपोर्ट हमारी आत्मतुष्टि को तोड़ने वाली सच्चाई सामने रखती है। वर्ष 2023 में बच्चों के खिलाफ अपराधों के 1,77,335 मामले दर्ज हुए। यह पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 9 प्रतिशत अधिक हैं। इनमें से 45 प्रतिशत मामले अपहरण से जुड़े हैं, और 38 प्रतिशत मामले पॉक्सो अधिनियम के तहत यौन अपराधों से संबंधित हैं। सबसे अधिक मामले अपहरण और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज किए गए हैं। अपहरण की घटनाएं, बच्चों के के खिलाफ कुल अपराधों का 45.05 फीसदी हिस्सा हैं, वहीं 67,694 मामले पॉक्सो अधिनियम से संबंधित अपराधों में दर्ज हुए हैं। इनमें लड़कियों के साथ हुए अपराध अधिक हैं। उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र में अपराध दर सबसे अधिक पाई गई है। नाबालिग लड़कियों से विवाह के लिए उनका अपहरण करना सबसे बड़ी वजह रही। रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2023 में 16,737 लड़' कियों और 129 लड़कों को जबरन शादी के लिए अगवा किया गया या नाबालिग लड़कियों की मानव तस्करी, या खरीद-फरोख्त के भी 1,858 मामले सामने आए। यह केवल आंकड़ों की बात नहीं है, बल्कि यह हमारी सामूहिक विफलता का दर्पण है। सिर्फ इतना ही नहीं, सीजेआई जानकारी दी कि डिजिटल युग में लड़कियां नई तरह की चुनौतियों और खतरों का सामना कर रही हैं। उन्होंने चिंता जताई कि तकनीक, जो कभी सशक्तिकरण का जरिया श्री, अब शोपण का माध्यम बनती जा रही है। ऑनलाइन हैरेसमेंट, साइबर बुलिंग, डिजिटल स्टॉकिंग, निजी डेटा का दुरुपयोग और डीपफेक तस्वीरें अब लड़कियों के लिए गंभीर खतरा बन चुकी हैं। पुलिस थानों में शिकायत दर्ज कराना कठिन है, मुकदमे सालों तक खिंचते हैं, और सजा दर कम बनी रहती है। यह स्थिति बताती है कि जब तक न्याय प्रणाली में संवेदनशीलता और तत्परता नहीं आएगी, तब तक कानून सिर्फ कागज पर रह जाएगा। सामाजिक जिम्मेदारी भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। हर अभिभावक, शिक्षक, मीडिया संस्थान और नागरिक को यह समझना होगा कि बेटियों की सुरक्षा सामूहिक दायित्व है। स्कूल स्तर पर ही बच्चों, खासकर लड़कियों को साइबर सुरक्षा, डिजिटल अधिकारों और ऑनलाइन शालीनता के बारे में शिक्षित किया जाना चाहिए। इसके अलावा डीपफेक और निजी डेटा के दुरुपयोग के खिलाफ स्पष्ट दंडात्मक प्रावधानों की जरूरत है। साथ ही बच्चों और महिलाओं से जुड़े मामलों के शीघ्र निपटान के लिए न्यायालयों की संख्या और संसाधन बढ़ाए जाने चाहिए। लेकिन सबसे बड़ी जरूरत है, लोगों की सोच और मानसिकता बदलने की। वास्तविक परिवर्तन मानसिकता से आता है। हमें यह स्वीकार करना होगा कि बेटियों को सुरक्षा देने का अर्थ उन्हें 'कमजोर' मानना नहीं है, बल्कि उन्हें बराबरी का अधिकार देना है। जब तक घर-परिवार और समाज में यह सोच नहीं बदलेगी कि लड़की बाहर जाएगी तो खतरा है, तब तक कोई भी नीति स्थायी असर नहीं डाल सकेगी। हमें अपने बच्चों को यह सिखाना होगा कि सम्मान का अर्थ नियंत्रण नहीं, बल्कि समान अवसर है। सीजेआई गवई का वक्तव्य केवल एक भाषण नहीं, बल्कि चेतावनी है कि उस समाज के लिए जो अक्सर अपनी बेटियों की सुरक्षा के प्रश्न को संस्कारों और परंपराओं के पर्दे में इक देता है। अगर बेटियां भय के बिना नहीं जी सकतीं, अगर उनकी आवाजें दबाई जाती हैं और सपने हालातों में कैद हैं तो हमें अपनी सभ्यता पर गर्व करने का कोई अधिकार नहीं। इसलिए आज जरूरत है कि हम अपनी सोच, अपनी व्यवस्था और अपने डिजिटल भविष्य तीनों को पुनः परिभाषित किया जाए। बेटियों की सुरक्षा कोई मुद्दा नहीं, बल्कि यह उस आत्मा की पुकार है जो हमारे संविधान, हमारी संस्कृति और हमारे विवेक तीनों को एक साथ जागृत करती है। बेटियों सुरक्षा सिर्फ एक नीति या योजना नहीं, बल्कि राष्ट्र के चरित्र का प्रतिबिंब है। और जब यह प्रतिबिंब स्पष्ट, मजबूत और न्यायपूर्ण होगा, तब ही भारत सच में विश्वगुरु कहलाने के योग्य होगा।

बच्चियों के साथ दरिंदगी बर्बरता की वारदातों को रोकने के लिए न्यायपालिका कितना सजग है यह बीते दिनों देश की कुछ अदालतों के बयान से समझ सकते हैं जिसमें एक मामले में सुनवाई कर रहे जज ने कहा था कि महिला के वस्त्र का नाड़ा तोड़ना बलात्कार का प्रयास नही है। ऐसी स्थिति में बडे-बडे मंचों पर भाषण से काम नहीं चलेगा अदालतों को भी दरिंदों के खिलाफ सख्त रवैया अपनाना होगा।

एक नजर

गौधाम संचालन के लिए आवेदन प्रस्तुत करने की तिथि 15 अक्टूबर तक बढ़ाई

बालोद, 13 अक्टूबर। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी गोधाम योजना के अंतर्गत गौधाम के संचालन हेतु इच्छुक स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ), ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, सहकारी समितियों से पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में गौधाम संचालन हेतु आवेदन करने की तिथि 30 सितंबर से बढ़ाकर 15 अक्टूबर तक कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि गोधाम योजना के अंतर्गत उपयुक्त स्थानों पर निराश्रित, घुमंतु तथा कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 (यथा संशोधित), कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम 2014 अंतर्गत जब्त किए गए गौवंश के पशुओं के संरक्षण, संवर्धन किया जाएगा। उप सचांलक पशु चिकित्सा सेवायें ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत ऐसी शासकीय भूमि जिसमें सुरक्षित बाड़ा, पशु शेड, पर्याप्त पानी की सुविधा, बिजली तथा हरा चारा उत्पादन हेतु चारागाह की भूमि की सुविधा होगी। उन स्थानों पर जिला प्रशासन के प्रस्ताव के आधार पर राज्य गौसेवा आयोग की स्वीकृति उपरांत चयनित संस्थाओं को गोधाम की स्थापना हेतु स्वीकृति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत प्रथम चरण में प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास ग्रामीण क्षेत्रों में गौधाम की स्थापना किया जाएगा। इसके साथ ही गौधाम के संचालन हेतु चिन्हांकित भूमि के समीप पंजीकृत गौशाला समिति द्वारा सहमति व्यक्त करने पर छत्तीसगढ़ राज्य गौसेवा आयोग की क्रियान्वयन समिति के द्वारा प्राथमिकता पर लिया जाएगा। गौधाम के संचालन हेतु गौसेवा पशु नस्ल सुधार एवं संचालन के क्षेत्र मे संलग्न संस्थाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। इसके साथ ही इच्छुक स्वयंसेवी संस्था (एनजीओ), ट्रस्ट, फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी, सहकारी समितियों को पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मोड में गौधाम संचालन हेतु 15 अक्टूबर तक निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। इसके पश्चात् परीक्षण उपरांत जिला प्रशासन द्वारा चयनित संस्था का नाम राज्य गौसेवा आयोग को गौधाम स्थापना हेतु अनुमोदन प्रस्तुत किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गौधाम के संचालन हेतु गौ सेवा, पशु नस्ल सुधार एवं संचालन के क्षेत्र में संलग्न संस्थाओं को प्राथमिकता दी जाएगी।

सुरक्षा बलों ने 5-5 किलो वजनी 3 कुकर आईईडी बरामद कर किया निष्क्रिय

नारायणपुर 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत कोहकामेटा थाना क्षेत्र के ग्राम कोडलियार बिचपारा एवं नीचेपारा के जंगल में आज रविवार को सर्चिंग पर निकल सुरक्षाबलों के जवानों ने एक बार फिर नक्सलियों के नापाक मंसूबों को विफल करते हुए नक्सलियों द्वारा लगाये गये पांच-पांच किलो वजनी तीन नग कमांड कुकर आईईडी बम बरामद किया है। बीडीएस टीम ने सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए बरामद सभी कुकर आईईडी बमों को सुरक्षित बरामद कर मौके पर ही विस्फोट कर निष्क्रिय कर दिया ।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में 3 लाख के ईनामी 8 सक्रिय नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर, 12 अक्टूबर । छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के थाना बासागुड़ा क्षेत्रान्तर्गत डीआरजी, थाना बासागुड़ा एवं केरिपु 168 वाहिनी की संयुक्त टीम द्वारा पोलमपल्ली के पास विस्फोटक एवं प्रतिबंधित नक्सली संगठन के प्रचार-प्रसार की सामग्री के साथ 3 लाख के ईनामी 3 नक्सली सहित 8 सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से टिफिन बम, डेटोनेटर, सेफ्टी फ्यूज, कार्डेक्स वायर, बैटरी, बिजली का तार, जमीन खोदने का औजार एवं शासन विरोधी नारों के पाम्पलैट बैनर बरामद किया गया है। गिरफ्तार सभी 8 नक्सलियों के विरुद्ध थाना बासागुड़ा में वैधानिक कार्यवाही उपरांत आज रविवार को न्यायिक रिमांड पर रवाना किया गया।

नगर पंचायत गीदम के सभागार में बिजली विभाग के साथ बैठक आयोजित कर

नपं अध्यक्ष ने बिजली समस्याओं के समाधान के लिए बनाई रणनीति

गीदम 13 अक्टूबर। नगर पंचायत अध्यक्ष गीदम रजनीश सुराना की पहल पर नगर पंचायत गीदम के सभागार में बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नगर में बिजली संबंधी समस्याओं, विशेष रूप से लो वोल्टेज और ट्रांसफार्मर की समस्याओं पर चर्चा करना और उनके समाधान के लिए रणनीति बनाना था। बैठक में बिजली विभाग के ईई बी सी सिंह, एई अविनाश लकड़ा, और जेई अमित कुजूर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इसके अलावा नगर पंचायत सीएमओ श्रीमती हुलसी प्रधान, अभियंता मुकेश कोर्राम, और नगर पंचायत के पार्षद अवधेश गुप्ता, श्रीकांत राव, खिलावन सागर, कृष्णा नाग व सगीर अहमद भी इस बैठक में शामिल हुए।

नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र में बिजली की समस्याओं का शीघ्र समाधान करने के लिए बिजली विभाग के अधिकारियों के साथ मिलकर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि लो वोल्टेज और अन्य समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द किया जाएगा, जिससे नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

बिजली विभाग के ईई बी सी सिंह ने कहा कि शीघ्र ही हम कार्य योजना बनाकर गीदम नगर पंचायत क्षेत्र के बिजली की सभी समस्याओं को दूर करेंगे। उन्होंने नागरिकों से पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने का आग्रह किया। इस योजना के माध्यम से नागरिक अपने घर में ही बिजली का उत्पादन कर सकते हैं और सरकार द्वारा प्रदान की जा रही सब्सिडी का लाभ उठा सकते हैं। बैठक में उपस्थित सभी अधिकारियों और पार्षदों ने बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए अपने सुझाव दिए और सहयोग का आश्वासन दिया। नगर पंचायत अध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि संयुक्त प्रयास से निश्चित रूप से नगर की बिजली समस्याओं का समाधान संभव है।

बैठक के मुख्य बिंदु

- नगर में लो वोल्टेज और ट्रांसफार्मर की समस्याओं पर चर्चा।
- नागरिकों को बेहतर बिजली सुविधा प्रदान करना।
- पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ उठाने का आग्रह।

भाजपाइयों ने आंदोलन कर प्रभावितों के नल और बिजली कनेक्शन बहाल करवाए

रेलवे ने 32 मकानों पर चलाया बुलडोजर शेष मकानों पर दिवाली तक कार्रवाई रुकी

जगदलपुर 13 अक्टूबर । बस्तर जिला मुख्यालय के रेलवे कॉलोनी में अवैध कब्जाधारी 32 कच्चे मकानों पर रेलवे प्रशासन ने शनिवार को बुलडोजर चलाया है। रेलवे का कहना है कि ये जमीन रेलवे की है, यहां अवैध कब्जा कर मकान बना लिए थे। अवैध कब्जाधारी मकानों को पहले नोटिस जारी कर खाली करने कहा गया था। अवैध कब्जा खाली नहीं करने पर बुलडोजर कार्रवाई की गई है। वहीं उस इलाके के अवैध कब्जाधारियों का कहना है कि, हमें कोई नोटिस नहीं मिला। हम घर में भी नहीं थे, उस दौरान रेलवे प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर घर तोड़ दिया है। इस मामले में अब कांग्रेस और भाजपा के नेताओं की सियासत शुरू हो गई है।

नगर निगम के महापौर संजय पांडेय ने कहा कि वर्ष 2022 में कांग्रेस सरकार के दौरान भी इसी वार्ड में घर तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की गई थी। तब भाजपाइयों ने आंदोलन कर प्रभावितों के नल और बिजली कनेक्शन बहाल करवाए थे । महापौर ने कहा कि अभी उन्हें घर तोड़ने की जानकारी मिली तो डीआरएम से बात कर दिवाली तक का समय मांगा गया है, जिसके बाद फिलहाल बचे मकानों पर दिवाली तक बुलडोजर कार्रवाई रोक दी गई है। इन प्रभावितों को प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ मिले इसके लिए निगम प्रशासन प्रयास कर रहा है।

दरअसल, यह मामला संजय गांधी वार्ड का है, शनिवार को यहां रेलवे के अफसर और पुलिस जवानों ने एक-एक कर अवैध तरीके से बने सारे मकानों पर बुलडोजर चलाया । कार्रवाई की जानकारी मिलते ही कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य, पार्षद कोमल सेना और पार्टी कार्यकर्ता मौके पर पहुंचे। प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध करते हुए जमकर हंगामा किया। कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुशील मौर्य का कहना है कि रेलवे प्रशासन ने यहां के रहवासियों को बिना सूचना दिए इस तरह की कार्रवाई की, जिससे 50 से ज्यादा परिवार बेघर हो गए हैं। दिवाली त्योहार से पहले रेलवे प्रशासन ने उनके घरों पर बुलडोजर चला दिया है, ये लोग अब कहां रहेंगे?

रेलवे प्रशासन के एडीएम नागा पसर ने कहा कि यह जमीन रेलवे की संपत्ति है, जिस पर अवैध रूप से मकान बनाकर लोग निवास कर रहे थे। उन्होंने कहा कि विभाग ने पूर्व में सभी को नोटिस दिया था। उच्च स्तर से भूमि खाली कराने के निर्देश मिले थे। पिछले दो माह से नोटिस जारी कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह जगह रेलवे क्षेत्र में आती है, 2 अक्टूबर को अतिक्रमण हटाने की तिथि तय की गई थी। दशहरा त्योहार के चलते कार्रवाई स्थगित कर दी गई थी, जिसके बाद शनिवार 11 अक्टूबर को अभियान दोबारा शुरू किया गया है।

संजय गांधी वार्ड की कांग्रेस पार्षद कोमल सेना ने कहा कि वार्ड पार्षद होने के नाते रेलवे विभाग ने मुझे किसी तरह की सूचना नहीं दी। अधिकारियों ने कहा था कि सिर्फ दो लाइनें तोड़ी जाएंगी, लेकिन बाद में बाकी झोपड़ियों को भी गिरा दिया गया। मैंने पहले भी प्रशासन से अनुरोध किया था कि, जब तक इन लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान नही मिल जाए, तब तक इन्हें थोड़ा समय दिया जाए, लेकिन रेलवे अधिकारियों ने नहीं माना और बिना सूचना, नोटिस दिए मकानों पर बुलडोजर चला दिए।

अनोखे अंदाज में कांग्रेस ने किया विरोध प्रदर्शन

गीदम 13 अक्टूबर। बीजापुर बारसूर नेशनल हाईवे की जर्जर और जानलेवा स्थिति के विरोध में कांग्रेस ने शनिवार को अनोखा प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता बारसूर चौक में सड़क पर बने विशाल गड्ढों में मछली पकड़ने का जाल लेकर पहुंचे और सवाल उठाया - क्या यह राष्ट्रीय राजमार्ग है या तालाब? प्रदर्शन का उद्देश्य प्रदेश सरकार को यह दिखाना था कि सड़कें किस हद तक बदहाल हो चुकी हैं कि अब उनमें मछली पकड़ने की स्थिति बन गई है। कांग्रेसी नेताओं ने कहा कि यह मार्ग न केवल आम जनता के आवागमन का महत्वपूर्ण जरिया है, बल्कि बस्तर को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र से जोड़ने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग है। इसके बावजूद सड़कों की उपेक्षा सरकार की उदासीनता दर्शाती है। उन्होंने यह भी बताया कि यही मार्ग स्थानीय विधायक चैतराम अटामी के गृह ग्राम तक जाता है, फिर भी मरम्मत की कोई पहल नहीं की गई। इसी दौरान एक बाइक सवार वहां से गुजरते समय गड्ढे में फँसकर गिर पड़ा, जिसने इस सड़क की वास्तविक और गंभीर स्थिति को प्रत्यक्ष रूप से उजागर कर दिया। इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल कर्मा ने कहा

ट्रिपल इंजन सरकार में सड़कों का हाल ऐसा है कि हाईवे पर मछली पकड़ने की नौबत आ गई है। यदि जिला मुख्यालय में यह दशा है, तो अंदरूनी इलाकों का अंदाज़ा लगाया जा सकता है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता विमल सुराना ने कहा इस गड्ढे में अब तक कई हादसे हो चुके हैं और कुछ लोगों की जान भी गई है, लेकिन सरकार मरम्मत के नाम पर सिर्फ भ्रष्टाचार कर रही है। आम जनता की जान किसी की प्राथमिकता नहीं रह गई है। इस मौके पर पूर्व विधायक देवती कर्मा, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शकील रिजवी, जिला पंचायत सदस्य सुलोचना कर्मा, जिला महामंत्री रविश सुराना, जिला महामंत्री कमलोचन सेठिया, जिला अल्पसंख्यक कांग्रेस अध्यक्ष आसिफरजा, जिला सचिव रजत दहिया, पूर्व सरपंच लखमू नेताम, दिनेश गुप्ता, युवा कांग्रेसी नेता उमेश कश्यप, संदीप राठौर, गौरव गुप्ता, गौरव सुराना, रोबर्ट साइमन, सुनील गोलच्छा, शैलेन्द्र कौमार्य, रोशन पवार, गोलू ठाकुर सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे। कांग्रेस ने चेतावनी दी कि यदि तत्काल मरम्मत कार्य शुरू नहीं किया गया, तो आंदोलन को और उग्र रूप दिया जाएगा। जनता की सुरक्षा और सम्मान की लड़ाई जारी रहेगी।

रक्षित केंद्र बालोद में साप्ताहिक जनरल परेड का आयोजन किया

बालोद 13 अक्टूबर। पुलिस अधीक्षक श्री योगेश कुमार पटेल के द्वारा रक्षित केंद्र बालोद में साप्ताहिक जनरल परेड लिया गया। परेड के दौरान पुलिस अधीक्षक महोदय ने समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वेशभूषा तथा परेड की गुणवत्ता का निरीक्षण कर बेहतर टर्न आउट वाले अधि/कर्मचारियों को पुरस्कार दिया गया। एमटी शाखा के शासकीय वाहनों का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा लेकर चालकों से वाहन के संबंध जानकारी ली तथा वाहनों के समय पर रखरखाव और स्वच्छता सुनिश्चित करने हेतु उचित निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कर्मचारियों से 'I Got कर्मयोगी' ऐप में रजिस्ट्रेशन/प्रशिक्षण एवं 'सशक्त ऐप' इंस्टालेशन की समीक्षा की तथा ऐप वाहनों सर्च करने की जानकारी ली गई। उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को इन दोनों ऐप्स का नियमित रूप से उपयोग करने निर्देश दिए।

समाचार संक्षेप

डी.ए. वी.किरन्दुल में मैराथन दौड़ प्रतियोगिता के विजेता पुरस्कृत

किरन्दुल 13 अक्टूबर। लौह नगरी किरंदुल में स्थित डी. ए .वी .पब्लिक स्कूल में रवीवार दिनांक 12 अक्टूबर को डी.ए. वी. प्रबंधन समिति नई दिल्ली द्वारा प्रस्तावित मैराथन दौड़ के अंतर्गत कक्षा छठवीं से बारहवीं तक के लगभग 250 छात्र–छात्राओं ने पूरे जोश और उत्साह के साथ भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्राचार्य श्री एस. के. श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया । यह दौड़ विद्यालय परिसर से प्रारंभ होकर पेट्रोल पंप ,केंद्रीय विद्यालय ,महाप्रबंधक मुख्य कार्यालय ,स्टेट बैंक होते हुए लगभग 2 किलोमीटर की दूरी तय की । छात्र–छात्राओं ने पूरे जोश और अनुशासन के साथ इस दौड़ में भाग लिया ।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य ,अनुशासन और खेल भावना को प्रोत्साहित करना था ।दौड़ के दौरान शिक्षकों की टीम ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं पुलिस बल के जवानों ने सुरक्षा व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा। गंतव्य तक पहुंचने के बाद विजेता विद्यार्थियों को प्राचार्य के द्वारा पुरस्कृत किया गया जिसमें बालक वर्ग में प्रथम स्थान नागेश मंडावी कक्षा 12वीं , द्वितीय स्थान सांई कृष्णा और तृतीय स्थान दिवाकर बैरागी ने प्राप्त किया ।मयंक झाड़ी कक्षा आठवीं और तूलेश्वर ठाकुर कक्षा सातवीं को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया । बालिका वर्ग में खुशिका ठाकुर कक्षा सातवीं प्रथम स्थान, देवयानी यादव कक्षा पांचवी द्वितीय स्थान, ममता ओयामी कक्षा छठवीं तृतीय स्थान एवं अपूर्व मंडल कक्षा सातवीं परी हरिजन कक्षा पांचवी को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया । प्राचार्य महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि ऐसे आयोजन से छात्रों में स्वास्थ्य ,सहनशीलता और खेल भावना का विकास होता है ।कार्यक्रम का सफल संचालन विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक श्री के .पी. सिन्हा के द्वारा किया गया ।

संघ के शताब्दी वर्ष पर किरंदुल के स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन मातृशक्ति ने की पुष्पवर्षा

किरन्दुल 13 अक्टूबर। लौह नगरी रविवार शाम देशभक्ति के रंग में रंगा दिखा, जब सैकड़ों स्वयंसेवक एक साथ कदम से कदम मिलाकर अनुशासन, एकता व समर्पण की मिसाल पेश की ।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर श्री राघव मंदिर परिसर में विजयादशमी उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर के सैकड़ों स्वयंसेवकों ने शाखा की विभिन्न गतिविधियों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 4 बजे बंगाली कैंप से हुआ ।सैकड़ों स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में दुर्गा मंडप से पथ संचलन प्रारंभ किया। गजराज कैंप मलप्पा कैंप मेन मार्केट एनएमडीसी क्षेत्र से परिचालन करते हुए श्री राघव मंदिर पहुंचे। मार्ग में मातृशक्ति ने पुष्पवर्षा कर उनका स्वागत किया। संघ गीतों और जयघोष से पूरा वातावरण देशभक्ति के भाव से गूंज उठा। कार्यक्रम के दौरान मुख्य वक्ता विभाग कार्यवाह दक्षिण बस्तर महेंद्र नायक ने कहा कि संघ पिछले 100 वर्षों से राष्ट्र सेवा, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक जागरण के कार्यों में सतत सक्रिय है। संघ की पहचान अनुशासन, सेवा और संगठन की भावना से है, जो अब गांव–गांव तक पहुंच चुकी है ।कार्यक्रम का समापन संघ गीत, आरती और ध्वज प्रणाम के साथ हुआ। इस दौरान स्वयंसेवकों ने समाज में सेवा और समरसता के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में स्वयं सेवकों के साथ–साथ मातृशक्ति व नगर के अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे।

आदिवासी युवती से किया लव मैरिज, बकरा भात व 2 लाख के लिए दामाद के घर 500 लोगों ने डाला डेरा

कांकेर 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले के पखांजूर इलाके के ग्राम पंचायत विष्णुपुर पीवी 101 में दामाद के घर 500 लोगों ने डेरा डाल दिया है। दरअसल युवक ने महाराष्ट्र के गढ़चिरौली जिले की आदिवासी युवती से लव मैरिज की है। उनका कहना है, कि आदिवासी समाज की परंपरा है, यदि समाज की युवती अन्य समाज के युवक से शादी करे, तो दामाद को आदिवासी समाज को बकरा-मुर्गा भात खिलाना पड़ता है और अन्य सामग्री दंड स्वरूप देनी पड़ती है। दामाद ने अब तक इसका निर्वाह नहीं किया है। इसी परंपरा का पालन कराने युवती के गांव और आस-पास के 45 गांव के लोग पहुंचे हैं । शनिवार 11 अक्टूबर को ग्राम पंचायत विष्णुपुर पीवी 101 गांव पहुंचे लड़की वाले पूरी तैयारी के साथ आए हैं। वे अपने साथ बोरिया-बिस्तर और

राशन भी लाए हैं। ग्रामीणों का कहना कि उन्हें शादी से आपत्ति नहीं है। लड़के वालों को मुर्गा-बकरा भात खिलाना होगा और 2 लाख का सामान देना होगा। जब तक नहीं देंगे, वे यही डटे रहेंगे।

ग्रामीण डाक सेवक संघ व रेल डाक सेवा पेंशनर्स एसोसिएशन के वार्षिक अधिवेशन में

लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ सर्वसम्मति से संगठन का विस्तार किया गया

जगदलपुर 13 अक्टूबर । ग्रामीण अंचलों में डाक सेवा प्रदान करने वाले ग्रामीण डाक सेवक संघ एवं रेल डाक सेवा पेंशनर्स एशोसिएशन का संयुक्त द्विवार्षिक अधिवेशन अभिनंदन पार्क जगदलपुर में 12 अक्टूबर को सम्पन्न हुआ। जिसमे बस्तर संभाग के विभिन्न क्षेत्रों से डाक कर्मचारी व पेंशनर्स उपस्थित रहे। पिछले कार्यकाल के लेखा जोखा को अधिवेशन में प्रस्तुत किया गया एवं परिमंडल सचिव नारायण चौधरी एवं केपी पानीग्राही उपाध्यक्ष केंद्रीय कार्यकारणी की अध्यक्षता में सर्वसम्मति से नए संगठन का विस्तार किया गया जिसमे संरक्षक के रूप में अरुण त्रिपाठी, गंगासिंह ठाकुर, प्रेमलाल जैन, मदन आचार्य एवं अध्यक्ष पद पर अनिल दीवान कोंडागांव, कार्यकारी अध्यक्ष ललित पाणिग्राही, संभागीय सचिव खगपति सेठिया, कोषाध्यक्ष धनोराम नाग,

उपाध्यक्ष नईम खान, सहायक सचिव के सरकार, रजलाल सहारे, अशोक कश्यप, दिनेश जैन, समय लाल पटेल, संगठन सचिव एम पुरुषोत्तम, प्रेमसिंह ठाकुर, राजेश द्विवेदी, केदार ठाकुर, सरस्वती नायर इसी प्रकार मीडिया प्रभारी के लिए डिकेश मिर्झा कोंडागांव को नियुक्त किया गया। अखिल भारतीय डाक एवं रेल डाक सेवा पेंशनर्स एशोसिएशन का भी नई कार्यकारिणी का गहन किया गया जिसमें अध्यक्ष जेसी दास, कार्यकारी अध्यक्ष कमल साहू, शम्भू नाग राणा, अजय करायत, उपाध्यक्ष उत्तम कुमार घोष संभागीय सचिव के इन राम, सहायक सचिव मचाशंकर, जीआर मरसकोले, पीएल रजक, कोषाध्यक्ष उमेश चन्द्र आचार्य, सहायक कोषाध्यक्ष एचएस विश्वकर्मा, संगठन सचिव डीएन जैन, ए आर मुखर्जी, एस के देवांगन अंकेक्षक एचटी पाल को नियुक्त किया गया। इसी प्रकार पोस्टमेन एमटीएस में संभागीय अध्यक्ष राधेश्याम पटेल का0 जयराम बघेल, उपाध्यक्ष रूपेंद्र बघेल, रवि मौर्य, सचिव हुलासराम साहू, दौलत कुमार सिन्हा, सहायक माँझीराम मरापी, दीपक चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष राकेश शर्मा, चंदर मल ठाकुर, धर्मेंद्र शुक्ला, सरिता नाग, अभिजीत गुप्ता, अम्बेडकर सिंह, रवि मौर्य, अंकेक्षक यू के महतो को नियुक्त किया गया इस अवसर पर नवनियुक्त पदाधिकारियों का फूलमाला से स्वागत किया गया। संचालन कर रहे श्री जेसी दास एवं पूर्व सचिव गंगासिंह ठाकुर ने कहा हमे अपने हक अधिकार के लिए संगठन को मजबूत करना है ग्रामीण डाक सेवक संघ ही देश मे एक संगठन है जिसके संघर्ष के बदौलत आज ग्रामीण डाक सेवको की स्थिति सम्मानजनक है। कार्यक्रम में पूरे संभाग से सैकड़ो की संख्या में ग्रामीण डाक सेवक पोस्टमेन एमटीएस व पेंशनर्स उपस्थित हुए।

एक नजर

प्रयास आवासीय विद्यालय के लोकार्पण की तैयारी की जा रही

राजनांदगांव 13 अक्टूबर। राजनांदगांव जिले में प्रयास आवासीय विद्यालय की शुरूआत आगामी सप्ताह होने जा रही है। विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह जिले में प्रयास आवासीय विद्यालय का लोकार्पण करेंगे। जिला प्रशासन द्वारा आवासीय विद्यालय के लोकार्पण की तैयारी जारी है। प्रथम शैक्षणिक सत्र में कक्षा 9वी में 11× ब'चों के साथ इसका शुभारंभ होगा। इसी कड़ी में कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार डिप्टी कलेक्टर श्री अंकित चौहान एवं सहायक आयुक्त आदिवासी विकास सुश्री दीक्षा गुप्ता द्वारा आवासीय विद्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान क्लास रूम व हॉस्टल की सुविधाओं का जायजा लिया गया। ब'चों से सुविधाओं के बारे में चर्चा की गयी एवं उनका हालचाल भी पूछा गया।उल्लेखनीय है कि प्रयास आवासीय विद्यालय में कक्षा 9वीं के 11× ब'चों का प्रवेश पूर्ण कर लिया गया है। आवासीय विद्यालय में बालक-बालिकाओं के लिए पृथक-पृथक हॉस्टल एवं मेस की सुविधा है। दोनों हॉस्टल के लिए अधीक्षक नियुक्त कर दिए गए हैं। ब'चों की सुरक्षा हेतु चार सुरक्षा गार्ड की ड्यूटी लगाई गई है तथा पूरा कैम्पस सीसीटीवी की निगरानी में है। 12 क्लास रूम फेकल्टीस का चयन भी रूचि की अभिव्यक्ति के माध्यम से डेमों के पश्चात किया जा रहा है। क्लास रूम में ब'चों को स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से अध्ययन कराया जाएगा। साथ ही नीट-जेईई सहित अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी करायी जाएगी। ब'चों के बौद्धिक विकास के लिए पुस्तकालय एवं कम्प्यूटर कक्ष की भी व्यवस्था की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस पर ग्राम पंचायतों में विविध कार्यक्रम आयोजित

महासमुंद, 13 अक्टूबर । आकांक्षी जिला एवं ब्लॉक कार्यक्रम के अंतर्गत शनिवार को जिलेभर में अंतर्राष्ट्रीय बालिका दिवस बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस वर्ष की थीम बालिकाओं को सशक्त करें, समाज को सशक्त करें के अनुरूप, ग्राम पंचायत स्तर पर बालिकाओं के अधिकार, शिक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर एवं सशक्तिकरण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज में बालिकाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करने, उनके नेतृत्व को प्रोत्साहित करने, उनकी उपलब्धियों का सम्मान करने तथा समग्र विकास के मार्ग को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।पीरामल फाउंडेशन द्वारा चयनित ग्राम पंचायतों पीढ़ी, मोंगरा, खट्टी, बिरकोनी, लभरा-कला एवं घोड़ारी में पंचायतों के सहयोग से बालिका सशक्तिकरण पर केंद्रित कार्यक्रम आयोजित किए गए। ग्राम पंचायत मोंगरा में आयोजित सत्र के दौरान छात्राओं को गुड टच-बैड टच, आत्मनिर्भरता एवं सुरक्षा के प्रति सजग रहने के विषय में जानकारी दी गई। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर श्रीमती नीलम नाशिने ने स्वास्थ्य एवं स्वच्छता पर विशेष सत्र लिया, जिसमें हाथ धोने की सही विधि, आयरन सप्लीमेंट्स का महत्व, डीवॉर्मिंग (ध्द्वड्डद्बठ्ठस्रड्ड5श्वद्यद्ध) के लाभ, मासिक धर्म स्वच्छता तथा पोषण संबंधी सुझाव साझा किए गए। कार्यक्रम में ग्राम के सरपंच श्री रिखी राम साहू ने छात्राओं को फल वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें स्वस्थ, स्वावलंबी एवं आत्मविश्वासी बनने का संदेश दिया।वहीं ग्राम पंचायत पीढ़ी में ग्राम पंचायत प्लानिंग एंड फैसिलिटेशन टीम द्वारा बालिकाओं के अधिकार एवं सशक्तिकरण पर आधारित कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम की शुरुआत बालिका जागरूकता रैली से हुई, जिसमें बालिकाओं ने शिक्षा, स्वास्थ्य, समान अवसर और आत्मनिर्भरता से जुड़े प्रेरक नारे लगाते हुए पूरे ग्राम में रैली निकाली। इसके पश्चात पंचायत प्रांगण में उत्कृष्ट बालिकाओं को पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। बालिकाओं के उत्साहवर्धन हेतु खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इस अवसर पर पंचायत, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं महिला एवं बाल विकास विभाग के प्रतिनिधियों ने बालिकाओं से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी। कार्यक्रम में सरपंच श्री धारेंद्र कुमार साहू, सचिव श्रीमति वर्षा बघेल एवं अन्य पंचायत प्रतिनिधियों का विशेष योगदान रहा।

किसानों को अधिक वर्षा से प्रभावित फसल की क्षतिपूर्ति के लिए मिलेगी राहत

राजनांदगांव 13 अक्टूबर । जिले में लगातार हो रही वर्षा से दलहन एवं तिलहन फसल के क्षति होने की संभावना बढ़ गई है। जिसके कारण खेतों में काट कर रखे गए फसल के साथ-साथ खड़ी फसल को भी नुकसान हुआ है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अंतर्गत बीमित किसान जिले हेतु अधिसूचित बीमा कंपनी एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी के बीमा प्रतिनिधि, कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों से संपर्क कर फसलों को हुए क्षति के बारे जानकारी दे सकते है। इसके साथ ही बीमा कंपनी के टोल फ्री नंबर पर सूचना देकर या चैट बॉक्स में मैसेज कर फसल क्षति की जानकारी दे सकते हैं। जिससे जानकारी प्राप्त होने के तुरंत बाद बीमा कंपनी के प्रतिनिधि किसानों के खेतों का निरीक्षण कर आकलन के आधार पर 25 प्रतिशत दावा भुगतान की राशि व्यक्तिगत क्षतिपूर्ति हेतु जारी करने कार्रवाई कर सकते है। उपसंचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने बताया कि स्थानीय आपदा अंतर्गत अत्यधिक वर्षा से खेत में काट कर रखें ।

गोल्डन नेस्ट कॉलोनी में शिक्षिका के सूने मकान में 3 लाख की चोरी, कार भी ले उड़े चोर

रायगढ़,13 अक्टूबर। स्थानीय बड़े रामपुर स्थित गोल्डन नेस्ट कॉलोनी के एक सूने मकान में धावा बोलकर अज्ञात चोरों द्वारा सोने चांदी के गहने के साथ ही बरामदे में खड़ी कार को भी उड़ा ले जाने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। बताया जा रहा है कि उक्त मकान सेना के जवान संतोष खलखो का है जो ड्यूटी में बाहर रहता है, वहीं उसकी पत्नी स्वाति खलखो शिक्षिका है तथा तमनार में उसकी पोस्टिंग है। पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा देखा तो स्वाति को फोन पर इसकी सूचना दी। वहीं घर आकर उसने चोरी होना पाया तो थाने में तदाशय की रिपोर्ट दर्ज कराई।

पुलिस ने प्रार्थिया की रिपोर्ट पर एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। उक्त वाकया सिटी कोतवाली क्षेत्र का है। मिली जानकारी के अनुसार बड़े रामपुर स्थित गोल्डन नेस्ट कॉलोनी में मकान नंबर 8, 9 निवासी संतोष खलखो सेना का जवान है, लिहाजा वह ड्यूटी के लिए बाहर रहता है। वहीं उसकी पत्नी श्रीमती स्वाति खलखो शिक्षिका है तथा शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय तमनार में पदस्थ है। सोमवार को स्वाति खलखो घर में ताला लगाकर तमनार स्कूल ड्यूटी के लिए चली गई थी। पुलिस ने प्रार्थिया की रिपोर्ट पर अज्ञात चोरों के विरूद्ध बीएनएस की धारा 331 (4), 305 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर पतासाजी प्रारंभ कर दी है। कार सहित सोने चांदी के जेवरों की चोरी की रिपोर्ट पर नगर कोतवाल सुखनंदन पटेल पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे तथा जांच पड़ताल शुरू की।वहीं एफएसएल टीम की भी मदद ली गई। एफएसएल टीम द्वारा मकान के दरवाजे और आलमारी इत्यादि पर लगे फिंगर प्रिंट जमा करते हुए पूरे घर की सघन जांच पड़ताल की गई है। इसके अलावा घर के सीसीटीवी फुटेज में देर रात कार ले जाते हुए दिखाई दे रहा है, लिहाजा मकान में सीसीटीवी के अलावे आस पास के घरों में लगे सीसीटीवी फुटेज भी पुलिस द्वारा खंगाले जा रहे हैं। वहीं, कार चलाने के लिए उन्होंने ड्राईवर भी रखा है उससे भी पूछताछ की जाएगी।

शुक्रवार की सुबह पड़ोसियों ने उसके घर का ताला टुटा देखा तो फोन से उसे इस बात की जानकारी दी।घर का ताला टुटने की जानकारी मिलने पर चोरी होने की आशंका से स्वाति खलखो स्कूल से छुट्टी लेकर रायगढ़ वापस आई तो देखा कि मकान के बाहर का गेट टूटा हुआ है तथा दरवाजा भी खुला है। वहीं बरामदा में खड़ी हुण्डई स्पोर्ट कार (क्रमांक सीजी 13 वी 3338) नहीं थी । घर के भीतर जाकर देखा तो आलमारी खुली पड़ी थी । यह नजारा देख उसके होश फाख्ता हो गये। वहीं उसके द्वारा आलमारी के सामानों की जांच की गई तो उसमें रखा सोने का झुमका, अंगूठी एवं चांदी की पायल तथा रसोई में इंडेन कंपनी का गैस सिलेंडर गायब था।इस पर स्वाति खलखो ने सिटी कोतवाली में तदाशय की रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया कि चोरी गये जेवरों की कीमत लगभग एक लाख रूपए है तथा कार की कीमत दो लाख रूपए है, इस प्रकार तकरीबन तीन लाख रूपए की चोरी उसके घर में हुई है।

युवा जैव विविधता संरक्षण में निभा सकते हैं अहम भूमिका: शेखर

रायपुर, 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के तत्वावधान में प्राणी विज्ञान विभाग और नंदनवन जंगल सफारी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कलिंगा विश्वविद्यालय में वन्यजीव सप्ताह 2025 समारोह बड़े उत्साह और रचनात्मकता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस समारोहों में केवल पारिस्थितिक महत्व ही नहीं बल्कि जैव विविधता संरक्षण के सामाजिक और आर्थिक महत्व पर भी जोर दिया गया। 2 से 8 अक्टूबर, 2025 तक चलने वाले कार्यक्रमों में रायपुर, के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के छात्र एक साथ आए, जो वन्यजीव संरक्षण में युवाओं की बढ़ती जागरूकता और भागीदारी को दर्शाता है।

समारोह की शुरुआत 4 अक्टूबर को रंगोली और नारा लेखन प्रतियोगिताओं के साथ हुई, जिसमें कलिंगा विश्वविद्यालय, शासकीय छत्तीसगढ़ स्वशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शासकीय नवीन महाविद्यालय नवागांव, शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्यालय बिरगांव और अन्य संस्थानों के प्रतिभागियों ने भाग लिया। छात्रों ने इस वर्ष की वैश्विक थीम, वन्यजीव संरक्षण वित्तः लोगों और ग्रह में निवेश पर केंद्रित जीवंत कलाकृतियाँ और प्रभावशाली संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिताओं ने पारिस्थितिक संतुलन, जैव विविधता और प्रकृति के प्रति मानवीय उत्तरदायित्व के महत्व को खूबसूरती से दर्शाया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में नंदनवन जंगल सफारी के निदेशक, आई.एफ.एस. श्री तेजस शेखर, कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आर. श्रीधर और विज्ञान संकाय के डीन डॉ. आर. जयकुमार उपस्थित थे। उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए, श्री शेखर ने संरक्षण प्रयासों में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर ज़ोर देते हुए कहा, ÷छोटे-छोटे दैनिक बदलाव - एकल-उपयोग वाले प्लास्टिक को कम करना, ज़िम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा देना और स्थानीय संरक्षण परियोजनाओं के लिए स्वयंसेवा करना - बहुत उपयोगी साबित होते हैं। रायपुर के युवा हमारी जैव विविधता के संरक्षण में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं।÷

6 अक्टूबर 2025 को नंदनवन जंगल सफारी, नया रायपुर में एक वन्यजीव फोटोग्राफी कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसमें रायपुर और आसपास के जिलों के 75 कॉलेज और विश्वविद्यालय के छात्रों ने भाग लिया। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को फोटोग्राफी के माध्यम से प्रकृति से जोड़ना था, जिससे उन्हें यह समझने में मदद मिले कि दृश्य कथावाचन कैसे संरक्षण जागरूकता को बढ़ावा दे सकता है। नंदनवन जंगल सफारी और कलिंग विश्वविद्यालय के विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को वन्यजीव फोटोग्राफी तकनीकों, नैतिक प्रथाओं और संरक्षण अभियानों में छवियों की भूमिका पर मार्गदर्शन दिया।

चिकित्सा जागरूकता शिविर में विद्यार्थियों ने किया रक्तदान

रायपुर 13 अक्टूबर। को चिकित्सा जागरूकता शिविर एवं स्वैं'छक रक्तदान अभियान का आयोजन किया। यह आयोजन बेहतर भारत एवं मां फाउंडेशन के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की शुरूवात मां सरस्वती पूजा अर्चना के साथ हुई। प्राचार्य महादेय द्वारा बच्चों को स्वस्थ और तदरूस्ती के बारे में जागरूक किया साथ ही रक्तदान के माध्यम से जीवन बचाने में योगदान करने के लिए प्रोत्साहित किया। यह आयोजन छात्र-छात्राओं के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है जिससे वे स्वास्थ्य जांच के महत्व को समझ सकें। कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रतिभागियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। अपने स्वस्थ्य के प्रति विद्यार्थियों ने जागरूकता दिखाते हुए आंख और दांत का चेकअप करवाया तथा ×6 विद्यार्थियों ने रक्तदान किया। साथ ही मानसिक स्वास्थ्य समस्सया हेतु मनोचिकित्सक से संपर्क किया। बेहतर भारत एंव मां फाउंडेशन के फांउडर के संयुक्त तत्वाधान में उनकी टीम डॉ. सीमा (स्त्रीरोग विशेषज्ञ) ,डॉ. सोएब खान (मनोचिकित्सक) ,डॉ. अंकिता सदानी (दंगरोग चिकित्सक), डॉ. विवेक (नेत्ररोग चिकित्सक), कार्यक्रम समन्वयक सुश्री रिया तिवारी रही, जिनके सहयोग एवं समर्थन से आयोजन संभव हो पाया। इस जागरूकता कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. सौम्या नैयर, कम्युनिटी सेल के संमन्वयक डॉ. के एन गजपाल एवं सदस्य, एडमिनिस्ट्रेटर, साथ ही वाणि'य, प्रबंधन, कम्प्यूटर विज्ञान, शिक्षा विभागों के समस्त विभागाध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

राजधानी में अपराधी और नशाखोर बेलगाम,नहीं थम रहा हत्याओं का सिलसिला

रायपुर,13 अक्टूबर। राजधानी रायपुर में लगातार हत्या और बढ़ते अपराधों के लिए सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि गुरुवार को लालपुर में निजी अस्पताल के नर्स को चाकुओं से गोद कर मार दिया गया, शुक्रवार को खम्हारडीह, शंकर नगर के शराब भट्टी में गार्ड को रॉड से मार कर हत्या कर दी गई। प्रदेश में औसतन दो हत्याएं और 8 दुष्कर्म की वारदात प्रतिदिन हो रही है, लेकिन इस सरकार का चरित्र शुतुरमुर्ग की तरह है। खम्हारडीह कि उक्त शराब दुकान को खोलने का विरोध क्षेत्र की जनता लगातार कर रही थी, सत्ता में बैठे लोगों ने आश्वासन भी दिया था कि इस क्षेत्र में सरकारी शराब भट्टी नहीं खोली जाएगी, लेकिन तमाम आपत्तियों को दरकिनार करके भाजपा सरकार ने हाल ही में यह सरकारी शराब की दुकान को खोला है, और अब इसका दुष्परिणाम सामने है। सरकार का फोकस अपराध रोकने के बजाय नशाखोरी को बढ़ावा देने में है। आम जनता को भयमुक्त वातावरण देने में यह सरकार पूरी तरह नाकाम रही है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि भाजपा सरकार के कुशासन में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन चुका है और राजधानी रायपुर क्राइम कैपिटल। हर × घंटे में एक महिला दुष्कर्म का शिकार हो रही है। विगत पौने दो वर्षों में हत्या, लूट, अपहरण जैसे आपराधिक मामले रायपुर में सबसे सर्वाधिक बढ़े है। दिनदहाड़े चोरी और डकैती हो रही है, पूरे प्रदेश में अपराध का ग्राफ बढ़ा है, जिससे आम जनता भयभीत है।प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा है कि अपराधी बेलगाम है, पुलिस लाचार है और सरकार खामोश। गुंडे बदमाश बेखौफ होकर गैंगवॉर कर रहे हैं, जिसके वीडियो सोशल मीडिया में लगातार वायरल हो रहे हैं, डीडी नगर, रायपुरा, रिंग रोड का मामला सर्वविदित है। खुलेआम गोलीबारी हो रही है जो छत्तीसगढ़ की संस्कृति कभी नहीं रही। बात-बात में चाकू चलने लगे हैं, हत्या कर दी जा रही है, आम जनता खून से लथपथ हकीकत देखकर हैरान हैं, लेकिन इस सरकार की कान में जूं तक नहीं रेंग रहा है, उल्टे नशाखोरी को बढ़ावा दे कर अपराधियों के हौसला बढ़ा रही है। खम्हारडीह शराब दुकान में कल रात 10 बजे सरकारी शराब दुकान बंद होने की समय सीमा के बाद आरोपी आए और गार्ड से शराब की मांग की, नहीं मिलने पर लोहे के रॉड से मारकर हत्या कर दी। इस सरकार में खम्हारडीह, शंकर नगर जैसे शांत रिहायशी क्षेत्र भी जघन्य अपराध का केंद्र बन गया है।

किसानों को फसल बीमा राशि देने की मांग

अंवरी। किसान संघ जिला उपध्याक्ष सिन्धु बैस ने कहा कि बे मौसम बारिश के क्षेत्र के किसानों के धान कटाई के लिए तैयार हो गया है जो कि बे मौसम बारिश के चलते खराब हो रहा है जिससे किसानों परेशान है, फसल बीमा के राशि तत्काल देने कि मांग कि है।

जिससे किसानों को राहत मिलेगी जिला उपध्याक्ष सिन्धु बैस ने आगे कहा कि सोसाइटी में किसानों का फसल बीमा किया जाता है ।

लेकिन सही तरीके से बीमा राशि नहीं मिल पाते है जिससे किसानों को परेशानीयों का सामना करना पड़ता है 7 शासन प्रशासन से तत्काल बीमा राशि देने कि मांग कि ।

कलेक्टर ने दीपावली पर्व को देखते हुए खाद्य प्रतिष्ठान एवं मिठाई दुकानों की जांच करने के दिए निर्देश

राजनांदगांव 13 अक्टूबर। कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव ने आगामी दीपावली पर्व को ध्यान में रखते हुए खाद्य सामग्री की गुणवत्ता में कमी एवं मिलावट की आशंका को देखते हुए खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए है। कलेक्टर ने जिले के प्रमुख स्थानों सहित चौक-चौराहों पर संचालित खाद्य प्रतिष्ठान एवं मिठाई दुकानों में लगातार जांच करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि मिठाई विक्रेता एवं निर्माताओं को मिठाईयों एवं अन्य खाद्य सामग्री पर निर्माण व उपयोग तिथि प्रदर्शित करना चाहिए। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा लगातार मिठाई एवं अन्य खाद्य सामग्री की जांच की जा रही है।कलेक्टर श्री जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग त्यौहारी सीजन के दृष्टिगत अलर्ट मोड पर है। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा नागरिकों को स्व'छ व सुरक्षित खाद्य सामग्री की उपलब्धता सुनिश्चित कराने चलित प्रयोगशाला के माध्यम से खाद्य प्रतिष्ठान एवं मिठाई दुकानों का लगातार औचक निरीक्षण कर खाद्य सामग्री की जांच की ।

छात्र-छात्राओं को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी

महासमुंद 13 अक्टूबर । रजत जयंती महोत्सव के अवसर पर आज आयुष विभाग जिला महासमुंद द्वारा विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में शासकीय आयुष पॉलीक्लिनिक महासमुंद में विशेष सत्र का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला आयुष अधिकारी डॉ. ज्योति गजभिए द्वारा भगवान धन्वंतरि की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन कर किया गया। इस अवसर पर जिला आयुष अधिकारी डॉ . गजभिए ने मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को बताते हुए कहा कि जीवन में मानसिक संतुलन बनाए रखना उतना ही आवश्यक है जितना शारीरिक स्वास्थ्य। वहीं योग चिकित्सक डॉ. बबीता भगत ने तनाव प्रबंधन एवं मानसिक स्वास्थ्य के उन्नयन में योग की भूमिका पर जानकारी दी। कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी एवं मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. सर्वेश दूबे ने विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस 2025 के थीम एक्सेस टू सर्विसेस÷ मेंटल हेल्थ इन कैस्टरट्रॉफ्स एंड इमरजेंसी पर विशेष रूप से चर्चा की। उन्होंने मानसिक रोगों के सामान्य लक्षणों की पहचान और समय पर उपचार की आवश्यकता पर बल दिया।

इसी क्रम में जिला मुख्यालय स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम आदर्श महाविद्यालय एवं शांत्री बाई कला, वाणिज्य एवं विज्ञान महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए जागरूकता सत्र का आयोजन किया गया। इन सत्रों में डॉ. सर्वेश दूबे एवं डॉ. बबीता भगत ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी जानकारी दी तथा विद्यार्थियों द्वारा पूछे गए प्रश्नों का समाधान किया।स्वामी आत्मानंद महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. अनुसुईया अग्रवाल ने विद्यार्थियों को अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त करने तथा एक-दूसरे से संवाद बनाए रखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने आत्महत्या जैसे कृत्य से दूर रहने की सलाह दी। वहीं शांत्री बाई कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सविता चंद्राकर ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की अपील की। इस अवसर पर डॉ. दूबे ने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य कोई विकल्प नहीं, बल्कि जीवन की परम आवश्यकता है। शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य एक-दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने युवाओं से मादक पदार्थों से दूर रहने और आयुर्वेद व योग को अपनाकर समग्र स्वास्थ्य की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया।

पीएम मोदी ने किसानों के लिए पीएम धन-धान्य योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का किया शुभारंभ

राजनांदगांव 13 अक्टूबर । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के किसानों की उन्नति के लिए प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना तथा दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ नई दिल्ली से किया गया। इस शुभारंभ कार्यक्रम में जिले के किसान कृषि उपज मंडी परिसर से वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। कार्यक्रम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती किरण वैष्णव ने किसानों को रबी सीजन में दलहन-तिलहन फसलों का रकबा बढ़ाकर शासन योजनाओं का लाभ लेने तथा कम पानी व कम कृषि लागत वाली फसलों को लेकर ज्यादा मुनाफा वाली फसलों को लेने के लिए आग्रह किया। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा रबी सीजन 2025-26 में न्यूनतम समर्थन मूल्य की दर में बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कृषि विभाग सहित अन्य संबंधी विभागों के मैदानी अधिकारियों को किसानों के हित में कार्य करने कहा। कृषि स्थायी समिति जिला पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती जागृति यादव ने वर्तमान खरीफ फसल में बेहतर उत्पादन बढ़ाने के लिए कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों को किसानों तक कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं को पहुंचाने कहा। उन्होंने किसानों को नवाचार पद्धति से खेती करने की अपील की। जनपद पंचायत राजनांदगांव की अध्यक्ष श्रीमती प्रतिमा चंद्राकर ने भारत सरकार एवं छत्तीसगढ़ शासन द्वारा किसानों के हित में किए जा रहे महत्वपूर्ण कार्यों एवं प्रयासों की जानकारी दी।उप संचालक कृषि श्री टीकम सिंह ठाकुर ने किसानों को केन्द्र सरकार की दलहन आत्मनिर्भरता मिशन की विस्तृत जानकारी दी। कृषि विज्ञान केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख श्रीमती गुंजन झा ने कृषि विज्ञान केन्द्र द्वारा किए जा रहे नवाचार कार्यों तथा शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में जानकारी दी। लीड बैंक मैनेजर श्री मुनीष शर्मा ने किसान क्रेडिट कार्ड एवं कृषि ऋण के बारे में बताया। कार्यक्रम में जनपद सदस्य, श्री राजेन्द्र ठाकुर, अनुभागीय कृषि अधिकारी श्री संतलाल देशलहरे, सहायक संचालक कृषि डॉ. वीरेंद्र अनंत, सचिव कृषि उपज मंडी श्री पंचराम वर्मा, सहायक संचालक कृषि श्रीमती रूपलता गुप्ता, कृषि वैज्ञानिक श्रीमती नूतन रामटेके, पशुचिकित्सा अधिकारी श्रीमती ममता मेश्राम, वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

यंगटी इंटरप्राइजेस के लीज एरिया की जांच के लिए कलेक्टर ने बनाई कमेटी

रायगढ़,13 अक्टूबर। किसानों को टीपाखोल डैम से सिंचाई के लिए पानी मिले या नहीं, इससे कोई मतलब नहीं है। बाजू में क्वाट्र्जाइट खदान बंद नहीं होनी चाहिए। सरकारी जमीन पर 50 साल के लिए खनन लीज दे दी गई। जल संसाधन ईई ने आपत्ति जताई थी लेकिन तत्कालीन खनिज अधिकारी ने खेल कर दिया। अब इसकी जांच के लिए कलेक्टर ने छह सदस्यीय कमेटी बनाई है। बिना किसी प्रतिस्पर्धा के यंगटी इंटरप्राइजेस को करीब 15 एकड़ सरकारी जमीन इसलिए आवंटित कर दी गई ताकि कंपनी संचालक की जेब भरे। सरकार को नाममात्र की रॉयल्टी मिल रही है। क्वाट्र्जाइट किस रेट पर बिक रहा है, किसी को पता नहीं। यंगटी इंटरप्राइजेस को जमीन पर खनन अनुज्ञा देने के लिए एक सिंडीकेट ने काम किया था जिसमें अफसर और शहर के कुछ लोग भी शामिल थे।

तत्कालीन कलेक्टर ने जमीन लीज पर नहीं देने की टिप्पणी नोटशीट में लिखी थी। इसे छिपाकर रायगढ़ तहसील के टीपाखोल में यंगटी इंटरप्राइजेस को 50 साल के लिए खनिपट्टा स्वीकृत किया गया है। खसरा नंबर 108/1 रकबा 6.175 हे. भूमि पर लीज स्वीकृत की गई है। वर्ष 2003 में माइनिंग लीज की मंजूरी सत्यनारायण दिनोदिया के नाम पर दी गई थी। तब केवल 30 साल के लिए 2033 तक स्वीकृति मिली थी। 30 जून 2006 में यह माइनिंग लीज दुर्गा दिनोदिया के नाम पर ट्रांसफर की गई। इन्वायरमेंट क्लीयरेंस में बड़ी गड़बड़ी की गई। 2009 में जब खदान की कैपेसिटी 14175 टन प्रतिवर्ष बढ़ाई गई तो ईसी मंजूर किया गया। सरकार ने इसे बी-2 कैटेगरी का माना और ईआईए व जनसुनवाई के बिना ही इन्वायरमेंट क्लीयरेंस देने की सिफारिश की। खदान क्षेत्र के आसपास की पूरी जानकारी मांगी गई थी। प्रतिवेदन में टीपाखोल डैम को ही गायब कर दिया गया। आवेदन में बताया गया कि माइनिंग लीज क्षेत्र के दस किमी रेडियस में कोई अभ्यारण्य, नेशनल पार्क या ऐतिहासिक स्थल नहीं हैं। टीपाखोल गांव की दूरी 600 मीटर बताई गई। उर्दना रिजर्व फॉरेस्ट करीब 100 मीटर दूर दिखाया गया। जल स्त्रोतों के रूप में केवल बरसाती नाले होने की जानकारी दी गई।इस आधार पर ईसी भी मिल गई, जबकि 50 मीटर में ही टीपाखोल डैम है। मामला फिर से उठा तो खनिज विभाग ने ईई जल संसाधन से जांच प्रतिवेदन मांगा। ईई ने 24 फरवरी को माइनिंग विभाग को रिपोर्ट भेज दी है जिसमें कहा गया है कि बांध के समीप क्वाट्र्जाइट खनन किया जाना, बांध की सुरक्षा के लिहाज से उचित प्रतीत नहीं होता। इसके बाद अब खनिज विभाग ने खनिपट्टाधारक दुर्गा दिनोदिया को लीज निरस्ती का नोटिस भेजा था। कलेक्टर ने रायगढ़ बचाओ, लड़ेंगे रायगढ़ समिति की शिकायत पर जांच के आदेश दिए हैं। समिति टीपाखोल के बंड एरिया को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया है। अतिवृष्टि की स्थिति में जलभराव अधिक हुआ तो जलाशय को नुकसान होना तय है।

50 मीटर दूर है लीज एरिया-इधर यंगटी इंटरप्राइजेस के हिडन प्रोप्राइटरों ने खदान को हाथ से नहीं निकलने देने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा दिया है। जवाब में कहा गया है कि बांध के मेड़ से 50 मीटर दूरी छोड़ी गई है। प्लांटेशन भी किया है। वार्षिक भाटक भी चुका दिया गया है। बांध से किसी प्रकार का लीकेज होने की संभावना नहीं है। नोटिस में कहा गया था कि उत्खनिपट्टा क्षेत्र में सीमा स्तंभ नहीं लगाया गया है। वृक्षारोपण नहीं किया गया है। बांध के डुबान क्षेत्र के समीप तक खनन किया गया है। इधर कलेक्टर ने इस मामले में एसडीएम रायगढ़, ईई जल संसाधन विभाग, एसडीओ फॉरेस्ट, क्षेत्रीय पर्यावरण अधिकारी, खनिज अधिकारी और खनि निरीक्षक की कमेटी बनाई है। अफसरों ने तीन दिन पहले निरीक्षण भी किया है। इस दौरान पाया गया है कि खनन लीज की सीमा का ही पता नहीं चल रहा है क्योंकि कोई भी सीमा सूचक नहीं लगा है। खदान संचालक को पिलर लगाने का आदेश दिया गया है ताकि नापजोख की जा सके।

तीन तरह के दस्तखत-खनिज विभाग से आरटीआई के तहत मिले दस्तावेजों को देखने पर पता चलता है कि दुर्गा दिनोदिया के नाम पर तीन तरह के हस्ताक्षर हैं। विक्रय विलेख के जरिए शासन और लीजधारक के बीच एग्रीमेंट हुआ था। इस एग्रीमेंट में दुर्गा दिनोदिया के जो साइन हैं, वह अन्य कागजात में दस्तखत से मेल नहीं खाते। मतलब कोई लंबे समय से दुर्गा दिनोदिया के नाम से फर्जी साइन करके रॉयल्टी भी निकाल रहा है और खनिज का कारोबार भी कर रहा है। कमेटी ने दुर्गा दिनोदिया को भी सामने लेकर आने को कहा है। संदेह है कि उनके नाम पर कोई और ही खनन कर रहा है। विक्रय विलेख में किसी मनीष अजमेरिया और सविता अजमेरिया के भी साइन हैं। डमरुधर नामक व्यक्ति के भी साइन दिखते हैं। खनिपट्टा के पश्चिम में बांध का ऊपरी क्षेत्र, दक्षिण में बांध की मेंड़ और पूर्व में जंगल है।

क्या कहते हैं रमाकांत

यंगटी इंटरप्राइजेस के लीज एरिया की जांच की जा रही है। खदान की सीमा चिह्नित करने को कहा गया है। अभी किसी ने एनओसी नहीं दी है।

एक नजर

तहसील ब्राह्मण समाज कुरूद की बैठक में लिए गए कई अहम निर्णय

कुरूद 13 अक्टूबर। तहसील ब्राह्मण समाज कुरूद के मासिक बैठक 12 अक्तूबर 25 रविवार को सम्पन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से सदस्यता शुल्क का निर्धारण, भवन सम्बंधित विचार विमर्श व हिन्दुओं के मुख्य त्यौहार दीपावली की तिथि पर निर्णय लिया गया और बताया गया कि प्रदोष व्यापिनी कार्तिक अमावस्या को महालक्ष्मी पूजन या दीपावली मनाने का शास्त्रों का आदेश है 21 अक्टूबर को संध्या 5 बजकर 55 मिनट तक अमावस्या व्याप्त रहेगी अत: शास्त्र वचन के अनुसार यदि पूर्व दिन में अमावस्या पुरे प्रदोषकाल को व्याप्त कर रही हो फिर भी अगले दिन वह यदि 1 घड़ी के 24 मिनट के लिए भी उदय व्यापनी अमावस्या प्रदोषकाल में विद्यामान हो तो दुसरे दिन ही दीपावली पर्व मनाया जाना शास्त्र सम्मत है साथ ही हम सभी देव पंचाग के अनुसार सभी व्रत त्यौहार देव पंचाग के अनुसार मनाते आ रहे है कार्तिक मास कृष्ण पक्ष उदय व्यापनी अमावस्या प्रदोषकाल 21 अक्टूबर मंगलवार को दीपावली महालक्ष्मी पूजन किया जायेगा। 18 को धनवंतरी, 19 को हनुमान जयंती, 20 को नरक चतुर्दशी, 21 को दीपावली, 22 को गोवर्धन पूजा, 23 को भाईदूज उक्त मासिक बैठक में उपस्थिति रहे श्री हैग्रीव शर्मा ईश्वर प्रसाद पांडेय संतु मिश्रा, नन्द कुमार पांडेय कोषाध्यक्ष ,महेश महराज काली मंदिर लक्ष्मी कांत द्विवेदी सचिव ब्राह्मण समाज जगजीवन मिश्रा दुष्यंत पांडेय ओम नारायण पाठक व कमलेश प्रसाद तिवारीअध्यक्ष ब्राह्मण समाज तहसील कुरूद।

दीपावली मिलन समारोह में दी पर्व की बधाई

रायपुर 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ प्रदेश सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारी कल्याण एसोसिएशन भिलाई नगर का दशहरा – दीपावली मिलन समारोह का

आयोजन एसोसिएशन के सेक्टर 7 सड़क 01 स्थित कार्यालय में 12 अक्टूबर को एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बी.बी. एस ठाकुर व संरक्षक आर.पी.शर्मा की उपस्थिति में सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाया गया। इस दौरान सभी ने एक दूसरे को दशहरा – दीपावली पर्व की बधाई दी। एसोसिएशन के अध्यक्ष सेवानिवृत्त अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक बी.बी.एस. ठाकुर ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से सभी से मिलकर उनका हाल–चाल जानने का अवसर मिलता है। इससे भाईचारा और प्रेम बढ़ता है। समाज में प्रेम और सौहार्द का महौल बने रहे, इसके लिए सभी को प्रयास करना चाहिए। एसोसिएशन के संरक्षक आर. पी. शर्मा ने कहा कि दशहरा– दीपावली का पर्व असत्य पर सत्य की विजय का प्रतीक है, इस पर्व को मनाते हुए हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। दशहरा – दीपावली मिलन समारोह में उपस्थित सदस्यों के लिए स्वाल्पाहार का आयोजन किया गया था।

स्टेडियम की साफ-सफाई में खिलाड़ियों एवं मॉर्निंग क्लब ने किया सहयोग

डोंगरगढ़ 13 अक्टूबर। शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय डोंगरगढ़ के क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर के आह्वान पर रविवार की सुबह महाविद्यालय स्टेडियम में सामूहिक श्रमदान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम नेहरू महाविद्यालय डोंगरगढ़ के जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष सुनील जैन के दिशा-निर्देशन एवं प्राचार्य डॉ. (श्रीमती) ई. वी. रेवती में मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यक्रम में मॉर्निंग क्लब के सदस्य, फिजिकल फिटनेस के विद्यार्थी, महाविद्यालय के खिलाड़ीगण एवं नगर के कई जागरूक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सभी ने मिलकर अव्यवस्थित मैदान को साफ सुथरा एवं खेलने योग्य बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान किया।

कुछ दिन पूर्व खेल विभाग द्वारा नगर पालिका अध्यक्ष से मैदान की सफाई हेतु निवेदन किया गया था, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए नपा अध्यक्ष रमन डोंगरे ने लोक निर्माण विभाग एवं नगर पालिका के कर्मचारियों के माध्यम से मैदान की सफाई का कार्य प्रारंभ करवाया। डोंगरगढ़ नगर का यह एकमात्र स्टेडियम है, जो जिले के खिलाड़ियों के लिए खेल गतिविधियों का प्रमुख केंद्र है। मैदान को सुव्यवस्थित एवं स्वच्छ बनाए रखने के लिए नगर के नागरिकों ने भी अपनी सहमति एवं सहयोग प्रदान किया है।

कार्यक्रम के दौरान क्रीड़ा अधिकारी डॉ. मुन्नालाल नंदेश्वर ने कहा कि स्वच्छ और व्यवस्थित मैदान ही खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करता है। यह सामूहिक प्रयास डोंगरगढ़ के खेल प्रेमियों की एकता का प्रतीक है।÷ मॉर्निंग क्लब के सदस्यों एवं खिलाड़ियों ने यह भी संकल्प लिया कि प्रतिदिन सुबह इस मैदान की सफाई एवं रख-रखाव सामूहिक रूप से किया जाएगा। सभी नगरवासियों से भी इस अभियान में जुड़कर सहयोग प्रदान करने की अपील की गई। यह पहल नगर में स्वच्छता एवं खेल भावना दोनों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय कदम माना जा रहा है।

उपेक्षा से भाजपा में नाराजगी

डोंगरगढ 13 अक्टूबर । जिला भाजपा की कार्यकरणी में उपेक्षा होने के बाद पिछड़ा वर्ग के नेता जमकर नराजगी जाहिर कर रहे है। पिछड़ा वर्ग से जुड़े कार्यकर्ताओं की जिला कार्यकरणी में अनदेखी के बाद काफी हलचल मची है। विकासखंड के पिछड़ा, सामान्य सहित अन्य वर्ग के कार्यकर्ताओं ने जिला कार्यकारिणी को लेकर सवाल उठाया था। इस बीच भाजपा मंडल में चल रही गुटबाजी भी सामने आई थी। पता चला है कि जो कार्यकारिणी का विरोध कर रहे हैं वह स्वयं सामने आने के बजाय जातिगत समीकरण को सामने कार्यकर्ताओं को गर्म करने में लगे है।

कलेक्टर कॉन्फ्रेंस में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित की योजनाओं पर मंथन

जनहित के कार्यों में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी: सीएम

रायपुर, 13 अक्टूबर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में रविवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कलेक्टर्स कॉन्फ्रेंस 2025 में सुशासन, पारदर्शिता और जनहित के नए मानक तय किए गए। बैठक की शुरुआत निर्धारित समय से पहले हुई, जिसने पूरे प्रशासन को मुख्यमंत्री की वर्क-डिसिप्लिन और परिणाम केंद्रित कार्यशैली का सीधा संदेश दिया। बैठक में मुख्य सचिव श्री विकास शील, सभी विभागीय सचिव, संभागायुक्त और कलेक्टर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने प्रारंभ से ही स्पष्ट कर दिया कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम लाभ जनता तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुँचना ही सुशासन का वास्तविक अर्थ है – और इस दिशा में किसी भी स्तर पर ढिलाई स्वीकार्य नहीं होगी।

मुख्यमंत्री ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह कॉन्फ्रेंस केवल समीक्षा बैठक नहीं, बल्कि जनहित के नए मानक तय करने का अवसर है। उन्होंने अधिकारियों को चेताया कि जिलों में योजनाओं के क्रियान्वयन में परिणाम दिखाई देने चाहिए, केवल रिपोर्टों में नहीं।

मुख्यमंत्री ने कलेक्टर्स कांफ्रेंस में कहा कि शासन की नीतियों और योजनाओं का अंतिम उद्देश्य आम जनता तक योजनाओं का लाभ पहुँचाना है। उन्होंने कहा कि जनता के बीच आपकी उपस्थिति और

संवेदनशीलता ही आपकी पहचान है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी 15 नवंबर से प्रारंभ होगी और इसकी सभी तैयारियाँ समय पर पूरी कर ली जाएं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धान खरीदी में किसी भी प्रकार की अनियमितता पाए जाने पर सीधे कलेक्टर जिम्मेदार होंगे। धान खरीदी में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। उन्होंने निर्देश दिए कि प्रत्येक धान खरीदी केंद्र की मॉनिटरिंग हो। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रभारी सचिव जिलों में लगातार निगरानी रखें और संवेदनशील केंद्रों की विशेष मॉनिटरिंग करें। उन्होंने कहा कि धान खरीदी की पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुगमता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि खरीदी की चौकसी बढ़ाने के लिए अब इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर का उपयोग किया जाएगा। इससे जिलों में निगरानी तेज होगी और किसी भी गड़बड़ी पर तत्काल कार्रवाई संभव होगी। उन्होंने निर्देश दिया कि अंतरराज्यीय सीमावर्ती जिलों में विशेष सतर्कता बरती जाए, ताकि बाहर से धान की अवैध आवाजाही को रोका जा सके। मुख्यमंत्री ने विशेष पिछड़ी जनजातियों के किसानों के लिए विशेष निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इन जनजातीय इलाकों में विशेष शिविरों के माध्यम से 100 प्रतिशत पंजीयन सुनिश्चित किया जाए।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि एक भी पात्र किसान वंचित न रहे, यह प्रशासन की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि जिलों में निर्धारित समय सीमा के भीतर सभी पात्र किसानों को लाभ पहुँचना चाहिए। उन्होंने कमिश्नरों को निर्देश दिया कि बस्तर और सरगुजा सम्भाग में विशेष रूप से योजना की प्रगति की सतत समीक्षा करें।

मुख्यमंत्री श्री साय ने ऊर्जा विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना का लाभ अधिकतम लोगों तक पहुँचे। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों में हितग्राहियों को बैंक फाइनेंस की सुविधा आसानी से उपलब्ध कराई जाए, ताकि कोई भी पात्र परिवार योजना से वंचित न रहे। स्वास्थ्य सेवाओं पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

16 अक्टूबर को शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द महाराज का वसणशाह दरबार उल्हासनगर में होगा प्रवचन : साई मसन्द

रायपुर 13 अक्टूबर। ज्योतिर्मठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानन्द महाराज जी का 16 अक्टूबर को साई वसणशाह दरबार उल्हासनगर में प्रवचन होगा। कार्यक्रम वसणशाह दरबार के गद्दीनशीन साई कालीराम साहिब जी की पहल पर मसन्द सेवाश्रम रायपुर के पीठाधीश साई जलकुमार मसन्द साहिब के माध्यम से आयोजित किया गया है। साई मसन्द साहिब 14 अक्टूबर को रायपुर से उल्हासनगर एवं पूज्यपाद शंकराचार्य महाराज 15 अक्टूबर को वाराणसी से मुम्बई पहुंचेंगे। सिंधी समाज के प्रख्यात संत साई जलकुमार मसन्द साहिब भारत के शंकराचार्यों के नेतृत्व में गठित अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू संगठन परम धर्म संसद 1008 के संगठन मंत्री हैं। साई मसन्द साहिब ने बताया कि यथा राजा तथा प्रजा की उक्ति को ध्यान में रखकर परम धर्म संसद 1008 का उद्देश्य देश में सनातन वैदिक सिद्धांतों पर आधारित धर्म का शासन स्थापित करना है। उन्होंने कहा कि इसमें सफल होने पर देश की आजादी के मूल उद्देश्य के अनुसार हम भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने में भी सफल हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि सनातन वैदिक ज्ञान जहां मानव जीवन को सुखमय और आनन्दमय बनाने हेतु जल, थल व नभ से सम्बंधित उसकी सभी आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु दार्शनिक, वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक उपाय सुझाता है वहीं उसके मूल उद्देश्य ईश्वर को प्राप्त करने का मार्ग भी प्रशस्त करता है।

उन्होंने बताया कि तीन-चार वर्षों से परम धर्म संसद 1008 अपने लक्ष्य प्राप्ति हेतु निर्धारित योजना के अंतर्गत देश के हर जिले में गौमाता प्रतिष्ठा अभियान चलाकर हिन्दू नागरिकों को संगठित कर रही है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि जहां एक ओर देश के लाखों हिन्दू धर्मावलंबी हमारे इस अभियान से सतत् जुड़ते जा रहे हैं वहीं दूसरी ओर विश्व के 108 देश, जहां हिंदू आबादी पर्याप्त संख्या में है के नेतृत्व वर्ग का भी हमें सहयोग मिलने लगा है। हमारा प्रयास है कि गौमाता को पशु सूची से हटा कर केन्द्र सरकार उसे राष्ट्रमाता एवं राज्य सरकारें राज्य माता का दर्ज़ा दें। महाराष्ट्र सरकार ने गौमाता को राज्य माता घोषित कर दिया है। साई मसन्द साहिब ने कुछ महीनों से अपने सिंधी समाज के संतों एवं नेताओं को देश, धर्म व जगत के कल्याण के साथ-साथ अपने समाज के वर्तमान एवं भविष्य को सुखद व सुरक्षित बनाने हेतु ज्योतिर्मठ के वर्तमान शंकराचार्य से जोड़ने का अभियान चलाया हुआ है। इसके औचित्य पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि ढाई हज़ार वर्ष पूर्व आदिशंकराचार्य महाराज ने उनके द्वारा स्थापित चारों पीठों के दायित्व विभाजन में सिंध वासियों का दायित्व ज्योतिर्मठ के अंतर्गत निर्धारित किया हुआ है। वे इस संदर्भ में अनेक नगरों में सिंधी समाज के संतों एवं सामाजिक नेताओं की शंकराचार्य महाराज जी के साथ बैठकें करवा चुके हैं।

व्यापार

एक नजर

अमेज़न पे ने लॉन्च किया यूपीआई सर्कल; अब स्मार्ट वॉच के ज़रिए भी शुरू किया भुगतान

मुंबई, 13 अक्टूबर (एजेंसी)। अमेज़न पे ने आज ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल 2025 में कई इनोवेशन्स की घोषणा की है।- यूपीआई सर्कल के विस्तार के साथ अब परिवार का कोई भी सदस्य त्वरित यूपीआई भुगतान कर सकता है, बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण से यूपीआई का उपयोग कर सकते हैं और विश्वसनीय स्मार्ट डिवाइसों के ज़रिए भी यूपीआई भुगतान संभव हो गया है। PI सर्कल अब प्राथमिक यूपीआई खाताधारकों को परिवार के सदस्यों और विश्वसनीय संपर्कों को यूपीआई से तुरंत भुगतान करने के लिए सुरक्षित तरीके से जोड़ना मुमकिन बनाता है, साथ ही अभी इसमें खर्च की सीमा पहले से तय करनी होगी। प्रत्येक जोड़े गए सदस्य का अपना यूपीआई आईडी या त्त्क्र कोड होगा, लेकिन उन्हें बैंक खाते संचालित करने की आवश्यकता नहीं होगी और इसके बजाय वे प्राथमिक खाताधारकों द्वारा स्वीकृत निश्चित रकम तक खर्च कर सकते हैं। सभी भुगतान पिन रहित हैं और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण जोड़ा गया है। प्राथमिक उपयोगकर्ता के पास उपयोग पर पूरा नियंत्रण होता है, जिसमें भुगतान अनुरोधों की समीक्षा करना, खर्च सीमा निर्धारित करना, खर्चों पर नज़र रखना और विस्तृत भुगतान रिकॉर्ड को एक्सेस करना शामिल है।

छत्तीसगढ़ ने मजबूत मांग, तेज डिलीवरी और स्मार्ट बचत के साथ अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल-25 का जश्न मनाया

रायपुर, 13 अक्टूबर। अमेज़न ग्रेट इंडियन फेस्टिवल ने छत्तीसगढ़ के ग्राहकों और विक्रेताओं से जबरदस्त प्रतिक्रिया देखी है, जिसमें स्मार्टफोन्स, इलेक्ट्रॉनिक्स, फैशन और ब्यूटी, होम और किचन, रोजमर्रा की जरूरतें, ग्रॉसरीज़ और बड़े उपकरणों जैसी श्रेणियों में मजबूत वृद्धि हुई है। रायपुर में ग्राहकों को अब ऑर्डर तेजी से मिल रहे हैं, जहां 1-दिन में डिलीवरी 90% से अधिक बढ़ी है जबकि बिलासपुर में 2-दिन की डिलीवरी में साल दर साल तीन गुना वृद्धि हुई है , ग्राहक अब 6 अक्टूबर से शुरू होने वाले बहुप्रतीक्षित दीवाली स्पेशल डील्स और ऑफर्स का लाभ उठा सकते हैं ।

मिडवेस्ट लिमिटेड का आईपीवो 15 अक्टूबर से होगा ओपन

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसी)। मिडवेस्ट लिमिटेड का ?451 करोड़ का इनिशियल पब्लिक ऑफर यानी आईपीवो पब्लिक सब्सक्रिप्शन के लिए 15 अक्टूबर से ओपन हो रहा है। यह आईपीवो 17 अक्टूबर को क्लोज होगा और इसकी लिस्टिंग 24 अक्टूबर को होगी। अगर आप भी मिडवेस्ट के आईपीवो में पैसा लगाने का प्लान बना रहे हैं तो हम आपको इश्यू की सभी डीटेल्स और आप इसमें कितना निवेश कर सकते हैं।

सोना पुष्य नक्षत्र से पहले 2,244 रुपए महंगा: चांदी की कीमत 8625 बढ़कर 1.73 लाख रुपए पहुंची

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसी)। सोने और चांदी की कीमत पुष्य नक्षत्र से एक दिन पहले 13 अक्टूबर को अब तक के सबसे ऊंचे स्तर पर पहुंच गई हैं। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 2,244 रुपए बढ़कर 1,23,769 रुपए हो गए हैं। इससे पहले शुक्रवार को ये 1,21,525 रुपए पर था। वहीं, चांदी की कीमत एक दिन में 8,625 रुपए बढ़कर 1,52,700 रुपए प्रति किलो के भाव पर पहुंच गई है। शुक्रवार को ये 1,64,500 रुपए पर थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, फेस्टिव सीजन, इंडस्ट्रियल डिमांड और ग्लोबल स्तर पर सप्लाई कम और मांग बढ़ने की वजह से चांदी की कीमत में लगातार बढ़त देखने को मिल रही है।

इस साल अब तक सोने की कीमत 47,607 रुपए बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो अब 1,23,769 रुपए हो गया है। चांदी का भाव भी इस दौरान 87,108 रुपए

बढ़ गया है। 31 दिसंबर 2024 को एक किलो चांदी की कीमत 86,017 रुपए थी, जो अब 1,52,700 रुपए प्रति किलो हो गई है।

1.55 लाख रुपए तक जा सकता है सोना: गोल्डमैन सैक्स की एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, बैंक ने अगले साल तक सोने के लिए 5000 डॉलर प्रति औंस का टारगेट रखा है। मौजूदा एक्सचेंज रेट के हिसाब से रुपए में यह लगभग 1,55,000 रुपए प्रति 10 ग्राम होगा। ब्रोकरेज फर्म पीएल कैपिटल के डायरेक्टर संदीप रायचुरा ने कहा कि सोना 1,44,000 रुपए प्रति 10 ग्राम तक जा सकता है।

तीन बड़े कारण, जिससे आई सोने में तेजी: फेस्टिव सीजन डिमांड: दिवाली-धनतेरस पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इससे बायिंग इंटरेस्ट मजबूत हो गया है, भले ही हाई प्राइसेस की वजह से क्वांटिटी कम हो।

जियोपॉलिटिकल टेंशन: मिडिल ईस्ट में उथल-पुथल और ट्रेड वॉर की चिंताओं के कारण निवेशक सोना खरीद रहे हैं। अमेरिका की नीतियों को लेकर अनिश्चितता है।

केंद्रीय बैंकों की खरीदारी: दुनियाभर के बड़े बैंक डॉलर पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। इसलिए वे अपने खजाने में सोने का हिस्सा लगातार बढ़ाते जा रहे हैं।

चांदी की कीमत 3 कारणों से बढ़ रही : सोने की तरह दिवाली जैसे त्योहारों की वजह से चांदी की मांग बढ़ी है।

रुपए की कमजोरी के कारण चांदी की कीमतों में बढ़ोतरी हो रही है।

इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल जैसे उद्योगों में चांदी की मांग बढ़ी है।

उत्तर रेलवे ने दिवाली-छठ पूजा पर 30 लाख बर्थ बढ़ाए

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसी)। उत्तर रेलवे ने दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वाले यात्रियों को तोहफा दिया है। यात्रियों को अब इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन पर टिकट बुक करवाते समय कोच 'रिग्रेट' (बुकिंग बंद) का स्टेटस नहीं दिखेगा। रेलवे ने करीब 30 लाख बर्थ बढ़ा दी हैं।

टिकटों की बढ़ती मांग को देखते हुए उत्तर रेलवे ने उन ट्रेनों में कोच बढ़ाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जहां 'रिग्रेट' स्टेटस मिलने की संभावना है। उत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु शेखर उपाध्याय ने बताया, स्टेटस 'रिग्रेट' को लेकर पायलट प्रोजेक्ट चल रहा है। रेलवे अधिकारी के मुताबिक, इसका फिलहाल अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कहीं-कहीं टिकट बुकिंग में परेशानी हो रही है, जिस पर काम हो रहा है। ट्रेनों में 3000 अतिरिक्त कोच जोड़े गए हैं, जिसकी संख्या यात्रियों की भीड़ को देखते हुए बढ़ाया भी जा सकता है। अधिकारी ने आगे बताया, त्योहारों के दौरान स्पेशल ट्रेनें पूर्वांचल, बिहार, झारखंड और उत्तर प्रदेश के विभिन्न शहरों के लिए चल रही हैं। जैसे-जैसे स्पेशल ट्रेनों की घोषणा हो रही है, उनका शेड्यूल भी जारी कर रहे हैं। सामान्य परिस्थितियों में 150 से ज्यादा वेटिंग नहीं सामान्य परिस्थितियों में 150 से ज्यादा वेटिंग टिकट नहीं देते हैं और बुकिंग बंद कर दी जाती है। त्योहारी सीजन पर बुकिंग प्रणाली में नियमों को लचीला बनाते हुए ट्रेनों में अतिरिक्त कोच की संख्या बढ़ाकर रिग्रेट स्टेटस को हटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। जिन ट्रेनों में टिकट की मांग बेहद ज्यादा है, उनमें कोच बढ़ाकर रिग्रेट स्टेटस को हटाने की प्रक्रिया शुरू है।

टाटा ग्रुप में विवाद के बीच चंद्रशेखरन का कार्यकाल बढ़ा:अब 2032 तक टाटा सन्स के चेयरमैन रहेंगे

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसी)। रतन टाटा के निधन के बाद ग्रुप में विवाद के बीच टाटा सन्स के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन का कार्यकाल 2032 तक बढ़ा दिया गया है। टाटा ग्रुप में पहली बार ऐसा हुआ है जब कोई ग्रुप एग्जीक्यूटिव स्टैंडर्ड रिटायरमेंट उम्र से आगे अपने पद पर बना रहेगा।

टाटा ग्रुप की पॉलिसी के मुताबिक एग्जीक्यूटिव को आमतौर पर 65 की उम्र में रिटायर हो जाना चाहिए। हालांकि, नॉन एग्जीक्यूटिव रोल में वे 70 साल की उम्र तक रह सकते हैं। चंद्रशेखरन अभी 63 साल के हैं। दूसरे टर्म के खत्म होने पर फरवरी 2027 में वे ठीक 65 साल के हो जाएंगे।

अब 2032 में 70 साल की उम्र में वे रिटायर होंगे। चंद्रशेखरन पहली बार अक्टूबर 2016 में टाटा सन्स के बोर्ड में शामिल हुए थे, चार महीने बाद जनवरी 2017 में उन्हें चेयरमैन बनाया गया था। उन्होंने अपने

करियर की शुरुआत 1987 में ञ्चष्टस् में इंटर्न के तौर पर की थी।

रतन टाटा के निधन के बाद अक्टूबर 2024 में उनके सौतेले भाई नोएल टाटा को टाटा ट्रस्ट का चेयरमैन बनाया गया। वहीं नवंबर 2024 में नोएल को टाटा संस के बोर्ड में भी शामिल किया गया। लेकिन कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया यह फैसला ट्रस्ट के भीतर एकमत नहीं था।

इससे टाटा संस को कंट्रोल करने वाले टाटा ट्रस्ट्स में बोर्ड सीट को लेकर सीधा-सीधा बंटवारा हो गया। एक गुट बोर्ड मेंबर नोएल टाटा के साथ है, तो दूसरा गुट मेहली मिस्त्री के साथ। मिस्त्री का कनेक्शन शापूरजी पल्लोनजी फैमिली से है जिसकी टाटा संस में 18.37त्न हिस्सेदारी है।

टाटा संस की बोर्ड सीट को लेकर हुए विवाद के बीच 7 अक्टूबर को सीनियर लीडरशिप ने गृहमंत्री अमित शाह के घर पर 45 मिनट की मीटिंग की। एक रिपोर्ट के मुताबिक सरकार ने कहा कि घरेलू झगड़े को जल्द निपटा लिया जाए, ताकि कंपनी पर असर न हो।

मीटिंग में गृहमंत्री शाह, वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण के साथ टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा, वाइस-चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन, टाटा संस के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन और ट्रस्टी डेरियस खंबाटा शामिल हुए।

इस हफ्ते बाजार में तेजी की उम्मीद:भारत का व्यापार घाटा 2.5 लाख करोड़ पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली 13 अक्टूबर (एजेंसी)। कल की बड़ी खबर व्यापार घाटे से जुड़ी रही। देश का व्यापार घाटा सितंबर में करीब 13 हजार करोड़ रुपए बढ़ सकता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा 28.0 बिलियन डॉलर (2.48 लाख करोड़) तक पहुंचने का का अनुमान है। देश का व्यापार घाटा सितंबर में करीब 13 हजार करोड़ रुपए बढ़ सकता है। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया की नई रिपोर्ट के अनुसार, सितंबर 2025 में भारत का व्यापार घाटा 28.0 बिलियन डॉलर (2.48 लाख करोड़) तक पहुंचने का का अनुमान है। यह आंकड़ा अगस्त के 26.5 बिलियन डॉलर (2.35 लाख करोड़) से 1.5 बिलियन डॉलर ज्यादा है। इस भारी उछाल का सबसे बड़ा कारण देश में सोने का आयात बढ़ना है।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि विमल कोशे पिता लल्लू बी जाति सतनामी निवासी कृष्णा नगर वार्ड नं. 06, रेल्वे हास्पिटल के पीछे डोंगरगढ़ थाना-तहसील डोंगरगढ़ जिला-राजनांदगांव छ.ग. के निवासी की माता श्रीमति कमला बाई कोशे पति श्री लल्लू बी के आधिपत्य एवं स्वामित्व में ग्राम बधियाटोला (वार्ड नं. 06 कृष्णा नगर) स्थित खसरा नं. 92/40 रकबा 0.05 डिसमिल 1925 वर्गफुट भूमि बैनामा पंजीयन (रजिस्ट्री) की मुल प्रति भुलवश कहीं गुम हो गई पतासाजी करने पर भी आज दिनांक तक नहीं मिल पाया हैं वहीं विमल कोशे की माताश्री की मृत्यु होने के पश्चात उक्त जमीन पुत्र विमल कोशे के नाम पर नामंत्रित हो चुका है। रजिस्ट्री की मूल प्रति गुम हो जाने की शिकायत थाना डोंगरगढ़ में दर्ज कराई गई थी। आम लोगों को सूचित किया जाता है कि जिस किसी भी सज्जन को रजिस्ट्री की मूल प्रति मिले तो मो. नंबर 94255 66902 पर संपर्क कर सहयोग प्रदान करें। उचित ईनाम दिया जाएगा।

सूचना जाने।

भवदीय
विमल कोशे
इंदिरा नगर वार्ड नं. 06,
रेलवे अस्पताल के पीछे
कृष्णा नगर, डोंगरगढ़,
जिला-राजनांदगांव
मो.- 94255-66902

न्यायालय नजूल अधिकारी कबीरधाम (छ.ग.)

रा.प्र.क्र.ई.पंजी.202510000220006 /अ-6/वर्ष 2025-26

ईश्तहार

आवेदक **अजय सिंह ठाकुर पिता स्व. झाम सिंह ठाकुर** साकिन कवर्धा जिला कबीरधाम द्वारा नजूल नगर कवर्धा स्थित **शीट क्रं.- 16ए** भू-खण्ड **क्र. 151, 153** क्षेत्रफल **144.00, 7.87** व.मी. जो नजूल संधारण खसरा में **विजय सिंह, अजय, संजय सिंह, कुमारी देवी, मंजू आ.स्व. झामसिंह, शांति बाई बेवा झाम सिंह साकिन कवर्धा** के नाम पर नजूल अभिलेख में दर्ज है। मूल धारकगणों द्वारा उक्त संपूर्ण नजूल भूमि का आवेदक के पक्ष में पंजीकृत हकत्यागनामा दिनांक 24.09.2025 निष्पादित किये जाने से धारकगणों का नाम विलोपित कर अपना नाम यथावत नजूल अभिलेख में दर्ज किये जाने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है।

अतएव नामांतरण के संबंध में जिस किसी व्यक्ति एवं संस्था को उजर अथवा आपत्ति हो वे इस न्यायालय में दिनांक 10/11/2025 तक स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आपत्ति पर मान्य नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 10/10/25 को इस न्यायालय के पद मुद्रा एवं हस्ताक्षर से जारी किया गया है।

जारी दिनांक:- 10/10/2025
पेशी दिनांक:- 10/11/2025

मुहर

नजूल अधिकारी
कबीरधाम

PICTURE-स्टोरी

रायपुर, 13 अक्टूबर। दीपावली पर्व के लिए कुछ ही दिन शेष हैं, कुम्हार परिवार कलश, दीये बना रहे हैं।

एक नजर

गांधी नगर वार्ड में गंदगी का ढेर, नहीं हो रही सफाई

रायपुर, 13 अक्टूबर। शंकर नगर क्षेत्र के अंतर्गत काली माता वार्ड में स्थित गांधी नगर तिवारी चाल मोड़ पर इन दिनों गंदगी का ढेर लगा हुआ है। आते जाते रहवासी बदबू से परेशान है। इस संबंध में वहां की निवासिनी श्रीमती दुलारी बाई ध्रुव ने शिकायत करते हुए बताया कि अनेकोंबार पार्षद एवं जोन आयुक्त को लिखित में शिकायत देने के बावजूद भी सफाई नहीं हो रही है जिसके चलते वार्ड में गंदगी का आलम है। दुलारी ने बताया कि डोर टू डोर कचरा इकट्ठा करने वाले रिक्शे वालों को एवं बड़ी ट्रक में आने वाले चालकों को भी कचरा उठाने के लिए रहवासियों द्वारा अनेकोंबार निवेदन किया गया है इसके बावजूद भी पिछले 15 दिनों से कचरे का ढेंर नहीं हटने से परेशानी हो रही है। स्वच्छता कर्मियों द्वारा इस संबंध में कचरा साफ करने के लिए दुलारी बाई के अनुसार पैसा मांगा जा रहा है जबकि वार्ड में संपत्तिकर अधिकांश रहवासियों द्वारा प्रतिवर्ष पटाया जाता है। स्थानीय निवासियों ने महापौर मीनल चौबे एवं नगर निगम आयुक्त से दीपावली नजदीक होने के कारण तत्काल साफ सफाई हेतु वार्ड पार्षद एवं जोन आयुक्त को कड़े निर्देश देने की मांग की है।

झिरिया जलाशय योजना के लिए 9.78 करोड़ स्वीकृत

रायपुर, 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग द्वारा बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के विकासखण्ड-सिमगा के अंतर्गत झिरिया जलाशय योजना के कार्यों हेतु 9 करोड़ 78 लाख 19 हजार रूपए स्वीकृत किए गए है। योजना का कार्य पूर्ण होने पर 250 हेक्टेयर क्षेत्र में खरीफकी फसलों की सिंचाई सुविधा मिलेगी। जल संसाधन विभाग मंत्रालय महानदी भवन से जलाशय योजना का कार्य कराने मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार जल संसाधन विभाग रायपुर को प्रशासकीय स्वीकृति जारी की गई है।

धान खरीदी भ्रष्टाचार रोकने महिला अधिकारियों को दी गई कमान

रायपुर, 13 अक्टूबर। धान खरीदी अगले महीने से हो रही धान खरीदी में महिला अधिकारियों को कमान सौंपी गई है। खाद एवं राजस्व विभाग की प्रभारी रीना बाबा साहेब कंगाले और मार्कफेड की एमडी किरण कौशल को धान खरीदी के तहत भ्रष्टाचार को रोकने एवं धान खरीदी के पूर्व पूरी तैयारी करने का जिम्मा सौंपा गया है। मिली जानकारी के अनुसार राज्य में धान खरीदी पर्व 15 नवंबर से शुरू हो रहा है। इसके लिए मार्कफेड को नोडल एजेंसी बनाया गया है। धान खरीदी के लिए धन की व्यथा मार्कफेड से की जाती है। इसकी कमान रीना बाबा साहेब कंगाले के पास है। उन्हें राजस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसका फायदा यह हुआ कि उन्होंने राजस्व विभाग से धान की फसल की क्राप सर्वे किरा लिया। पटवारियों से गिरदावरी रिपोर्ट ले ली गई, और उसे ग्राम पंचायतों में पढ़ कर बताया जा रहा है। ग्राम स्तर पर बिचौलियों की नहीं चल पाएगी ऐसा अनुमान है। अभी तक खेतों में 15 क्विंटल धान नहीं होते थे, वहां 21 क्विंटल का क्लेम किया जाता है। सरकार ने धान खरीदी के लिए ऑनलाइन क्लेम किया जा रहा है। कैबिनेट ने ऑनलाइन धान खरीदी की मुहर लगा दी है। मोबाइल एप्प से टोकन मिलेगा और बाइमेटरिक भी होगा। सिस्टम की कवायद सफल रही तो राईस मिलर्स पर चोट पहुंचेगी।

सीएचसी में स्त्रीरोग विशेषज्ञ की नियुक्ति गर्भवती माताओं को मिलेगा लाभ

रायपुर ,13 अक्टूबर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला ने एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। ग्राम गिधाली की गर्भवती महिला कुलेश्वरी पति अर्जुन का सिजेरियन ऑपरेशन (सी-सेक्शन) स्वास्थ्य केंद्र की चिकित्सक टीम द्वारा सफ्लतापूर्वक किया गया। इस महत्वपूर्ण शल्यक्रिया को स्त्रीरोग विशेषज्ञ डॉ. अरविंद बनकर, डॉ. दिलीप शर्मा, डॉ. सीमा ठाकुर एवं डॉ. एस.आर. कोवाची की संयुक्त टीम ने अंजाम दिया। पूरा ऑपरेशन पूरी तरह सुरक्षित रहा और जच्चा-बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। स्त्रीरोग विशेषज्ञ की नियुक्ति से अब उच्च जोखिम वाली गर्भवती माताओं को प्रसव हेतु राजनांदगांव या निजी अस्पतालों की ओर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इससे अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोहला में ही सिजेरियन ऑपरेशन एवं संपूर्ण जांच की सुविधा उपलब्ध हो गई है। इससे मातृ स्वास्थ्य सेवाओं को बड़ी मजबूती मिलेगी। यह सुविधा विशेष रूप से उन ग्रामीण महिलाओं के लिए लाभकारी साबित होगी।

आईएनडीआईए गठबंधन में सीटों के बंटवारे पर चर्चा अंतिम चरण में, एक-दो दिन में हो जाएगा फैसला : बघेल

रायपुर, 13 अक्टूबर। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज दिल्ली दौरे पर रहेंगे. रवाना होने से पहले एयरपोर्ट पर उन्होंने मीडिया से चर्चा की. इस दौरान उन्होंने बिहार चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर बड़ा बयान दिया है. उन्होंने कहा कि हमारे यहां भी सीटों के बंटवारे पर चर्चा अंतिम चरण में है. एक-दो दिन में सीटों का बंटवारा हो जाएगा.

कलेक्टर कान्फ्रेंस में धान खरीदी की चर्चा पर बघेल का तंज

कलेक्टर कान्फ्रेंस में धान खरीदी की चर्चा पर भूपेश बघेल ने तंज कसा है. पूर्व सीएम ने कहा कि पिछले साल का धान आज तक उठ नहीं पाया है. सरकार को बताना चाहिए कि कितना धान बिका है और कितना डीओ काटा गया है. कलेक्टर को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है, जबकि नियमों में बदलाव सरकार ने किया है. पहले जहां धान 72 घंटे में उठ जाना चाहिए था, अब उसको 3 महीने तक कर दिया गया है. ऐसे में कलेक्टर क्या कर सकता हैज क्या वह अपने सर पर धान को लाध कर ले जाएगा?

उन्होंने कहा कि सरकार में किसी कलेक्टर का ट्रांसफर करने की भी हिम्मत नहीं है. वहीं कॉन्फ्रेंस में डीएफओ को शामिल करने पर कहा कि रेत से इनका पेट नहीं भरा, इसलिए जंगल की ओर जा रहे हैं. इधर विधायक पुरंदर मिश्रा ने भूपेश बघेल के बयान पर पलटवार किया है.

कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात

दिल्ली दौरे के दौरान भूपेश बघेल कांग्रेस हाईकमान से मुलाकात करेंगे. उन्होंने कहा कि कोल घोटाले के मामले में धारा 164 के उल्लंघन पर वे वरिष्ठ नेताओं को जानकारी देंगे और यह बताएंगे कि अधिकारियों और न्यायालय के बीच साठगांठ से यह सब हुआ है.

भाजपा विधायक पुरंदर ने किया पलटवार

भाजपा विधायक पुरंदर मिश्रा ने पूर्व सीएम के कलेक्टर कॉन्फ्रेंस और धान खरीदी को लेकर दिए बयान पर पलटवार किया है. विधायक मिश्रा ने कहा कि क्या भूपेश सरकार में कलेक्टर-एसपी कॉन्फ्रेंस नहीं हुई. कांग्रेस को अपना कार्यकाल याद करना चाहिए. उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस कार्यकाल में अधिकारी बड़बोले और भ्रष्ट हो गए थे. अब कई अधिकारी जेल में है. हमें कांग्रेस की नसीहत नहीं चाहिए. वहीं धान खरीदी वाले बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस किसान हितैषी नहीं व्यापारी है. इसलिए आबकारी विभाग में बड़ा घोटाला कर दिया।

छत्तीसगढ़ के भाजपा सांसद विधायक, मंत्री चुनाव प्रचार करने के लिए जाएंगे बिहार

छत्तीसगढ़ के सांसद विधायक तथा मंत्रियों एवं महिला कार्यकर्ताओं को अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव में भेजा जाएगा। सांसद बृजमोहन अग्रवाल को विभिन्न जिलों में प्रचार का जिम्मा दिया गया है, वहीं क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की भी ड्यूटी लगाई गई है। स्टार प्रचारक के रूप में शामिल किया गया है। लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल के कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार युवा मोर्चा के कई पदाधिकारियों को टिकट दी जा रही है, जो कि सांसद के प्रिय मित्र है। छत्तीसगढ़ प्रभारी नितिन नवीन भी चुनाव लड़ रहे है, छत्तीसगढ़ के संगठन प्रभारी अजय जामवाल को भी नियुक्त किया गया है। छत्तीसगढ़ के गृहमंत्री, नगरीय निकाय मंत्री तथा अन्य विधायकों की भी ड्यूटी लगाई जा रही है। भाजपा महिला मोर्चा के अध्यक्ष विभा अवस्थी के अनुसार छत्तीसगढ़ से 50 से अधिक महिलाएं जाएंगे। वे वहां पर सक्रिय चुनाव प्रचार करेंगी। बिहार में एनडीए और राजद के बीच सीधा मुकाबला है, इसके अलावा क्षेत्रीय दल भी चुनाव लड़ रहे हैं।

मंत्री के निज सचिव ने सड़क पर पत्नी का मनाया बर्थडे

हाईकोर्ट ने लिया संज्ञान, कहा- सरकार को ऐसे लोगों पर करनी चाहिए सख्त कार्रवाई

रायपुर, 13 अक्टूबर। स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल के निज सचिव और भाजपा नेता राजेंद्र की पत्नी के सड़क पर बर्थडे सेलिब्रेशन का मामला तूल पकड़ता जा रहा है. अब बिलासपुर हाईकोर्ट ने मामले पर स्वतः संज्ञान लिया है. मुख्य न्यायाधीश रमेश कुमार सिन्हा और न्यायाधीश अमितेंद्र प्रसाद की खंडपीठ में सोमवार को सुनवाई की गई. इस दौरान घटना को लेकर नाराजगी जताई गई. कोर्ट ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री को इस पर संज्ञान लेकर कार्रवाई करना चाहिए. साथ ही राज्य शासन से कहा कि उन्हें ऐसे लोगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए. वहीं महाधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी भी की गई है.

कांग्रेस ने बोला हमला

इस वीडियो को कांग्रेस ने अपने सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए लिखा कि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के विशेष निज सहायक राजेंद्र दास, जो खुद भाजपा नेता भी हैं, सड़क पर खुलेआम पत्नी का जन्मदिन मना रहे हैं. पटाखों और आतिशबाजी के बीच सड़क को निजी जागीर बना दिया गया. क्या हाईकोर्ट का नियम सिर्फआम जनता के लिए है? भाजपा नेताओं और उनके सहायकों पर नियम लागू नहीं होता क्या?

ये है पूरा मामला: दरअसल, सोशल मीडिया पर भाजपा नेता राजेंद्र की पत्नी के जन्मदिन सेलिब्रेट करने का वीडियो वायरल हुआ. इसमें वह सड़क के बीच कार खड़ी कर के फटाके फोड़ते हुए दिखाई दिए. वीडियो में केक लेकर वह पोज भी दे रहें हैं. यह वीडियो गुरुवार रात का बताया जा रहा है.

सम्मेलन में नई पीढ़ी को सनातनी संस्कार सौंपने का लिया संकल्प

रायपुर, 13 अक्टूबर। गायत्री मंदिर सिद्दी पीठ समता कॉलोनी रायपुर परिसर में चौबे समता कॉलोनी रिटायर्ड अधिकारी संघ गायत्री मंदिर प्रमुख, समाजसेवी आरडीए तथा बीज विकास निगम के पूर्व अध्यक्ष श्याम बैस की अध्यक्षता में पूर्व अतिरिक्त संचालक शिक्षा डॉ अंजनी कुमार शुक्ला के मुख्य आथित्य में रिटायर्ड आई, पी, एन तिवारी तथा नामचीन कवि, लेखक, चिंतक, साहित्यकार संजीव कुमार ठाकुर के विशिष्ट आतिथ्य में सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न बातों के साथ सभी रिटायर्ड अधिकारियों ने सर्वमतेन यह संकल्प परित किया कि आने वाली पीढ़ी को सनातनी संस्कार भारतीय संस्कृति और अन्य सुविचारों से सुसंस्कृत करने का जिम्मा लिया जाएगा और यह कार्य गायत्री मंदिर पीठ से प्रारंभ होकर हर व्यक्ति तथा समाज के हर परिवार में विस्तारित किया जाएगा। कार्यक्रम में दीपवली पर बच्चों को सावधानीपूर्वक फटाका चलाने तथा पर्यावरण प्रदूषण की रक्षा करने का भी संकल्प लिया गया। श्याम बैस ने कहा संस्कार और अच्छी शिक्षा के बगैर जीवन अधूरा है, सनातनी धर्म संस्कार और शिक्षा हमें सद्गुणों की ओर ले जाकर सदकार्य करने के लिए प्रेरित करते हैं, हमें जरूरत है कि आने वाली पूरी पीढ़ी को हम सुसंस्कारी, सुसंस्कृत और श्रेष्ठ मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण जीवन प्रदान करें। जिससे समाज एवं देश श्रेष्ठ ऊंचाइयों को प्राप्त कर वैश्विक स्तर पर देश को अग्रणी बनाएं। इस अवसर पर संजय शर्मा पूर्व माइनिंग अधिकारी, चंद्रकांत पांडे पूर्व वन अधिकारी, अश्वनी तिवारी पूर्व बैंक अधिकारी और पवन शुक्ला का उत्साह पूर्वक जन्मदिवस मनाया उन्हें बहुत-बहुत बधाइयां तथा शुभकामनाएं प्रेषित की गई।

साइंस कॉलेज के हॉस्टल में छात्रों से मारपीट, मामला दर्ज

बाहरी युवक देर रात हॉस्टल में घुसे, तीन छात्रों से मारपीट की; मोबाइल लूटकर भाग गए

रायपुर, 13 अक्टूबर। रायपुर साइंस कॉलेज के हॉस्टल में रविवार देर रात बाहरी लड़कों ने हॉस्टल में घुसकर युवक की पिटाई कर दी। हमले में युवक के सीने, पैर में चोट आई है। आरोपियों ने युवक से मारपीट करने के अलावा हॉस्टल में तोड़फोड़ भी की। आक्रोशित छात्रों ने देर रात सरस्वती थाना पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साइंस कॉलेज के प्राचार्य अमिताभ बैनर्जी ने बताया, कि रविवार रात को कुछ युवक हॉस्टल परिसर में आ गए और छात्रों से मारपीट की है। मामले की शिकायत सरस्वती नगर थाना पहुंचकर छात्रों ने की है। वारदात को अंजाम देने वाले आरोपी छात्रों का मोबाइल लूटकर ले गए है।

हास्टल परिसर में यूरिन करने से मना करने पर विवाद: छात्रों ने बताया, कि परिसर से बाहर खड़े कुछ युवक हॉस्टल परिसर में यूरीन कर रहे थे। छात्रों ने मना किया, तो वो विवाद करने लगे। छात्र हॉस्टल की तरफआ गए, तो वो अंदर घुसे और मारपीट की। हॉस्टल के एक छात्र ने युवकों का वीडियो बना लिया, तो आरोपी मोबाइल छीनकर फरार हो गए।

छात्रों की सुरक्षा पर सवाल: हॉस्टल के अंदर मारपीट होने से छात्रों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। छात्रों का कहना है, कि घटना के कॉलेज प्रबंधन ने मदद की, लेकिन हर दिन इन अव्यवस्थाओं से जूझना पड़ता है। देर रात असमाजिक-तत्व हॉस्टल के ईदझ्रगिर्द घूमते है। शराब पीते है, गंदगी फैलाते है। मना करने पर विवाद करते है।

भारतीय किसान संघ ने छग सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने निकले, पुलिस ने की चाक-चौबंद व्यवस्था

रायपुर, 13 अक्टूबर। केंद्र और राज्य दोनों ही सरकारों से जुड़े माने जाने वाले भारतीय किसान संघ ने अब प्रदेश सरकार के खिलाफमोर्चा खोल दिया है। संघ की छत्तीसगढ़ इकाई ने रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास का घेराव करने निकले। जहां पुलिस की चाक-चौबंद व्यवस्था की गई थी। किसान संघ ने सरकार के सामने 9 सूत्रीय मांगें रखी हैं। चेतावनी दी है कि यदि मांगे पूरी नहीं होतीं, तो आंदोलन और तेज होगा। भारतीय किसान संघ के प्रदेश अध्यक्ष माधो सिंह ने बताया कि, किसानों को लेकर सरकार की नीतियां अब सिर्फकागजों में रह गई हैं।

आंदोलन को कांग्रेस ने दिया समर्थन

इस पूरे आंदोलन को कांग्रेस ने भी समर्थन दे दिया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने बताया कि, हम भारतीय किसान संघ के इस विरोध का समर्थन करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर के किसान परेशान हैं। न समय पर धान की खरीदी हो रही है और न ही बिजली बिल में किसानों को राहत मिल पा रही है।

पलटवार | अजय चंद्राकर के बयान पर सिंहदेव ने कहा

1 दिन का मुख्यमंत्री बनने राजी, चंद्राकर शपथ की तैयारी करें

रायपुर, 13 अक्टूबर। छत्तीसगढ़ के पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव ने कहा कि अजय चंद्राकर का आभार। मैं एक दिन का मुख्यमंत्री बनने के लिए तैयार हूं। उन्होंने अभी सीएम बनाया तो नहीं, बनाने के लिए कहा है। मैं जाऊंगा उनके यहां। अजय चंद्राकर शपथ ग्रहण की तैयारी करें।

वहीं इस पर स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि टीएस बाबा सिर्फनायक जैसी फिल्म में सीएम बन सकते हैं। 25-50 साल तक कांग्रेस की संभावना नहीं है। ऐसे में केवल फिल्मों में ही बाबा को मुख्यमंत्री बनाया जा सकता है, जैसे फिल्म नायक में अनिल कपूर एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे।

गवर्नर साहब से और ष्टरूसाय से बात कर रखे होंगे चंद्राकर

अजय चंद्राकर के बयान को लेकर सिंहदेव ने कहा कि मैं उम्मीद करता हूं कि अजय चंद्राकर गवर्नर साहब से और विष्णुदेव साय से बात कर रखे रहेंगे। एक का इस्तीफा और दूसरे की मंजूरी के लिए बात तय करके रखेंगे। अजय चंद्राकर के घर में शपथ ग्रहण होगा। साथ ही सिंहदेव ने कहा कि अजय चंद्राकर के साथ करीब डेढ़ दशक काम करने का मौका मिला है। वे सुलझे हुए राजनेता हैं। हालांकि उनका अंदाज मजाकिया भी होता है। यह बयान मजाकिया वाला है। हालांकि वह कह रहे हैं ष्टरूबनाने के लिए तो मैं ष्टरूबनने के लिए तैयार हूं।

ये है पूरी कहानी?

दरअसल, बिलासपुर में पूर्व डिप्टी मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने कहा था कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व के साथ चुनाव लड़ेगी। साथ ही कहा कि मैं कभी नहीं कहूंगा कि मुझे मुख्यमंत्री नहीं बनना है। ऐसा कौन कहेगा कि मैं ष्टरूनहीं बनना चाहता। इस बयान पर अजय चंद्राकर ने शनिवार को बिलासपुर में कहा था कि बाबा को हम मुख्यमंत्री बनाकर सम्मान कर देंगे, क्योंकि कांग्रेस में तो उनका कुछ नहीं होगा। किसी को भी कोई हसरत लेकर ऊपर नहीं जाना चाहिए। इसी दुनिया में उसे पूरा कर लेना चाहिए। उनको गांधी परिवार ने धोखा दिया है।

फिल्म में सीएम बन सकते हैं सिंहदेव : जायसवाल

वहीं रविवार को सरगुजा में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि, अजय चंद्राकर ने किस भाव से बयान दिया, वह नहीं बता सकता। भाजपा की 54 सीटें हैं। उन्हें उनकी ही पार्टी ने बोला था कि मुख्यमंत्री बनाएंगे। उनकी 72 सीटें थीं। वे तो उनको एक दिन के लिए भी सीएम नहीं बनाए, अभी तो कोई प्रश्न ही नहीं उठता है। मंत्री जायसवाल ने कहा कि, 25-50 साल तक कांग्रेस की संभावना नहीं है। ऐसे में केवल मूवी में ही सीएम बनाया जा सकता है, जैसे अनिल कपूर की फिल्म नायक में एक दिन के लिए मुख्यमंत्री बने थे।

वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के संस्थापक स्व. मांगेराम की पुण्यतिथि पर

निःशुल्क चिकित्सा व परामर्श शिविर

रायपुर, 13 अक्टूबर। वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन छ.ग., सर्व युवा ब्राह्मण परिषद छ.ग. एवं एस.के. केयर हॉस्पिटल, पचपेड़ी नाका के संयुक्त तत्वावधान में विप्र शिरोमणि स्व. मांगेराम शर्मा, संस्थापक एवं पूर्व चेयरमैन की पुण्यतिथि के अवसर पर निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया गया. वर्ल्ड ब्राह्मण फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष अरविन्द ओझा एवं प्रदेश महासचिव डॉ. सुनील कुमार ओझा ने बताया कि यह उनके संगठन का 140वॉ निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर है. यह चिकित्सा शिविर निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने और लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है. भविष्य में और भी चिकित्सा शिविर आयोजित किये जाएंगे. आज के शिविर में 180 से छात्रों, अभिभावकों एवं मरीजों ने चिकित्सा लाभ प्राप्त गया. एस.के. केयर हॉस्पिटल के सीईओ डॉ. सुनील कुमार ओझा को चिकित्सा एवं समाज सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य हेतु विप्र गौरव सम्मान एवं विशेषज्ञ चिकित्सक डॉ. जया बाजपेयी, डॉ. पूजा आहूजा द्वारा परीक्षण उपरांत परामर्श, पैथोलॉजिस्ट कामिनी ध्रुव, फर्मासिस्ट केनिता साहू, शीतल साहू, ललित सेठी, सेवक साहू द्वारा रक्त शर्करा, ब्लड प्रेशर जांच, दवा वितरण आदि सहयोग हेतु सम्मान-पत्र से सम्मानित किया गया.

कौशल किशोर मिश्र प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी की ओर से तरुण छत्तीसगढ़, तरुण छत्तीसगढ़ प्रेस टॉवर, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक- कौशल किशोर मिश्र, पंजी. क्रं. 45088/85 डाक पं.छ.ग./रायपुर संभाग/33/2024-26